हिमाचल प्रदेश विधान सभा

विधान सभा की बैठक सोमवार, दिनांक 02 मार्च. 2020 को अध्यक्ष श्री विपिन सिंह परमार की अध्यक्षता में कौंसिल चैम्बर, शिमला-171004 में अपराह्न 02.00 बज़े आरम्भ हुई।

प्रश्नकाल

तारांकित

02.03.2020/1400/टी0सी0वी/वाई0के0-1

प्रश्न संख्याः 2394

श्रीमती रीना कश्यप (पच्छाद) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्य मंत्री जी से जानना चाहती हूं कि मेरे विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र डिम्बर व नैना टिक्कर में डॉक्टर के खाली पदों को कब तक भर दिया जाएगा?

मुख्य मंत्री : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्या ने जो प्रश्न पूछा है, वह 3 हिस्सों में है। इसके 'क' भाग में पूछा गया था कि राजगढ़ अस्पताल में 8 डॉक्टरों में से एक भी डाक्टर द्वारा ड्यूटी ज्वाइंन न करने के क्या कारण है? इसके 'ख' भाग में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र डिम्बर व नैना टिक्कर में डॉक्टरों की कुल संख्या और रिक्त पदों को भरने के बारे में पूछा गया है। इसके साथ ही इसके 'ग' भाग में पच्छाद विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत राजगढ़ में खण्ड चिकित्सा अधिकारी कार्यालय का संचालन कब तक कर दिया जाएगा, इसके बारे में पूछा गया है। पच्छाद विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत नागरिक अस्पताल, राजगढ़ में हाल ही में अधिसूचना दिनांक 22.01.2020 के तहत कैंपस इंटरव्यू के माध्यम से 08 चिकित्सा अधिकारियों में से एक का समायोजन अन्यत्र किया गया है तथा 07 चिकित्सा अधिकारियों ने अभी तक कार्यभार ग्रहण नहीं किया है।

अध्यक्ष महोदय, हमने कोशिश की है कि ऐसे संस्थानों में जहां चिकित्सकों के पद खाली पड़े हैं, वहां पर चिकित्सकों को शीघ्र लगाया जाये। इसके लिए जो विद्यार्थी इंटर्नशिप कर रहे होते हैं, उनका कैंपस के अंदर ही इंटरव्यू ले करके उनको ऑफर दिया जाता है।

एन0एस0 द्वारा ... जारी ।

02/03/2020/1405/NS/YK/1

प्रश्न संख्या : 2394 ..... क्रमागत

माननीय मुख्य मंत्री ..... जारी

ऐसे में यह कैंपस इंटरव्यू हुआ था। कुल 201 कैंडिडेट्स को ओफर दिया गया था जिनमें से 178 ने ज्वाइन किया है। इनमें से अधिकांश वे डॉक्टर्ज़ हैं जो प्रदेश के बाहर के हैं और मेरिट पर आते हैं तथा उनकी सलैक्शन मेरिट के आधार पर दूसरे राज्यों से होती है। सरकार की दूसरी प्रक्रिया वॉक-इन-इंटरव्यू है। जिसके माध्यम से हम कोशिश करते हैं कि अगर किसी ने कैंपस इंटरव्यू के माध्यम से ज्वाइन नहीं किया तो हम वॉक-इन-इंटरव्यू सप्ताह में करते ही रहते हैं। कैंपस इंटरव्यू के माध्यम से जिन्होंने ज्वाइन नहीं किया उन पदों को वॉक-इन-इंटरव्यू के माध्यम से जल्दी-से-जल्दी भरा जाए। अध्यक्ष महोदय, मैं पी0एच0सी0, नैना टिक्कर के बारे में बताना चाहूंगा। इसकी नोटिफिकेशन अक्तूबर, 2007 को की गई थी। पिछली सरकार का काम करने का तरीका जबरदस्त है। अक्तूबर, 2007 को नोटिफिकेशन हुई और पोस्टें क्रिएट नहीं की गईं। लगभग 13-14 वर्षों का कार्यकाल बीत गया। अब यह विषय ध्यान में आ रहा है और हमें यह करना पड़ेगा। वहां पर डैंटल डॉक्टर की ही पोस्टिंग की गई है तथा वहां यही एक पोस्ट थी। अध्यक्ष महोदय, वहां पर बहुत जल्दी पोस्ट क्रिएट कर दी जाएगी ताकि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, नैना टिक्कर में डॉक्टर का पद भरा जा सके। जब वहां पर पोस्ट ही नहीं है तो डॉक्टर कहां से भरा जाएगा? यह मुझे मालूम नहीं है कि माननीय सदस्या सप्लीमैंटरी पूछेंगी या नहीं लेकिन मैं अपनी तरफ से राजगढ़ खण्ड चिकित्सा अधिकारी कार्यालय के बारे में बता देना चाहता हूं कि हमने वहां पर घोषणा की है, हमने इसकी जस्टिफिकेशन मांगी थी और वह इनफॉर्मेशन हमारे पास आ चुकी है। अध्यक्ष महोदय, यह कंपलीट जस्टिफिकेशन बनती है। मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्या को बताना चाहता हूं कि हम बहुत जल्दी इस पर विचार करके निर्णय लेंगे।

अध्यक्ष : माननीय विनय कुमार जी यह तो राजगढ़ का स्पैस्फिक प्रश्न है। आप बैठिए। माननीय विनय जी अपना प्रश्न पूछिए।

श्री विनय कुमार (श्री रेणुका जी) : अध्यक्ष महोदय, मैं पूरे जिला सिरमौर की बात करूंगा। हमारा जिला सिरमौर पिछड़ा क्षेत्र है और हाल ही में सरकार ने पी0एच0सीज़0 में डॉक्टर्ज़ की नियुक्तियां की थी। अधिकतर पी0एच0सीज0 खाली पड़ी हुई हैं और डॉक्टर्ज़ ने ज्वाइन नहीं किया है। लैब टैक्नीशियन और अन्य स्टॉफ भी नहीं है और एक्स-रे की मशीनें

अस्पतालों में ऐसे ही पड़ी हुई हैं। अगर मरीज़ रेणुका का हो तो उसे कहा जाता है कि आप नाहन अस्पताल चले जाओ, राजगढ़ के मरीज़ को सोलन भेजा जाता है और शिलाई के मरीज़ को पांवटा साहिब भेजा जाता है यानी मरीजों को रैफर कर दिया जाता है। मैं, माननीय मुख्य मंत्री जी से आश्वासन चाहता हूं कि विशेष तौर पर जो बैकवर्ड कांस्टिच्यूंसीज़ शिलाई और श्री रेणुका जी हैं अगर इन क्षेत्रों में डॉक्टर्ज़ की नियुक्तियां होती हैं तो उनके लिए सरकार द्वारा ऐसी पॉलिसी बनाई जाए कि वे ज्वाइन करें। एक्स-रे की मशीनें खराब पड़ी हुई हैं और कई जगहों पर इन मशीनों को चलाने वाला स्टॉफ भी नहीं है। अतः मैं चाहूंगा कि शीघ्रातिशीघ्र स्टॉफ भरा जाए।

माननीय मुख्य मंत्री .....श्री आर0 के0 एस0 द्वारा जारी।

02.03.2020/1410/RKS/AG-1

प्रश्न संख्याः 2394... जारी

मुख्य मंत्रीः माननीय अध्यक्ष महोदय, यह प्रश्न विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र और स्वास्थ्य संस्थान के संदर्भ में बहुत स्पैस्फिक है। माननीय सदस्य जिला सिरमौर या अपने विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र के बारे में जो जानकारी प्राप्त करना चाहते हैं, मैं उसका विस्तृत जवाब देने के लिए तैयार हूं। लेकिन इस प्रश्न से इन सारी चीजों का कोई ताल्लुक नहीं है। यह प्रश्न रिक्तियों से संबंधित है जो कि एक निरंतर प्रक्रिया है। जब पद रिक्त होते हैं तो उन पदों को भरा जाता है और मुझे इस बात की प्रसन्नता है कि हमने बहुत बड़ी संख्यां में डाक्टर्ज़ और पैरा मैडिकल स्टाफ के पद भरे हैं। पूर्व सरकार के अंतिम कार्यकाल में बहुत ज्यादा स्वास्थ्य संस्थान खोल दिए गए थे और अब उन संस्थानों में पदों को भरने के लिए निश्चित रूप से समय लगेगा। हमारी प्राथमिकता है कि जहां हॉस्पिटल खुला है, वहां पर डॉक्टर, बिल्डिंग और इन्फ्रास्ट्रक्चर्ज होना चाहिए।...(व्यवधान) जो सत्यानाश आप करके गए हैं।...(व्यवधान)

अध्यक्षः माननीय सदस्य, माननीय मुख्य मंत्री जी प्रश्न का उत्तर दे रहे हैं, कृपया बैठे-बैठे बात मत करें।

मुख्य मंत्रीः माननीय अध्यक्ष जी, स्वास्थ्य संस्थान किस लिए खोल जाते हैं? स्वास्थ्य संस्थान राजनीतिक मकसद से नहीं खोले जाने चाहिए। कहां जस्टिफिकेशन बनती है, कहां पैरामीटर्ज़ बनतें है, इन सारी व्यवस्थाओं को तहस-नहस किया गया है। अगर आपने इस मंशा से स्वास्थ्य संस्थान खोले होते कि लोगों को स्वास्थ्य सुविधा मिले तो आज और हालात होते। स्वास्थ्य संस्थानों में लोगों को स्वास्थ्य सुविधा मिलनी चाहिए और हमने इनके संचालन की पूर्ण जिम्मेवारी ली है। मैं इस बात को कह सकता हूं कि हिमाचल प्रदेश में जितने भी स्वास्थ्य संस्थान खुले हैं वहां साल या डेढ़ साल के बाद डाक्टर्ज़ और पैरा-मैडिकल स्टाफ होगा। इन्फ्रास्ट्रक्चर्ज स्थापित करने के लिए अभी समय लगेगा। आपने राजनीतिक मकसद से स्वास्थ्य संस्थान खोले हैं। आप वहां पर भाषण में कह देते हैं कि हमने आपको यह पी.एच.सी. खोल

02.03.2020/1410/RKS/AG-2

दी परंतु आपने वहां पर स्टाफ उपलब्ध नहीं करवाया है। आप स्वयं अंदाजा लगाइए कि जो पी.एच.सी. अक्तूबर, 2007 में खोली थी वहां पर आज तक डॉक्टर का पद सृजित नहीं हुआ है। ...(व्यवधान)

अध्यक्षः माननीय सदस्य, माननीय मुख्य मंत्री जी को उत्तर देने दीजिए। आप कृपया बैठ जाइए।

मुख्य मंत्रीः माननीय अध्यक्ष जी, वर्ष 2012-17 तक तो ये ही लोग सत्ता में थे। उस समय आप कहां थे?

02.03.2020/1410/RKS/AG-3

प्रश्न संख्याः 2395

श्री इन्द्र सिंह (बल्ह)ः अध्यक्ष महोदय, आई.टी.आई., बल्ह वर्ष 2012 में खोली गई थी लेकिन यह आई.टी.आई. आज भी निजी भवन में चल रही है। मैं माननीय मंत्री जी से पूछना चाहूंगा कि इस आई.टी.आई. की स्थापना हेतु भूमि का चयन कब तक कर लिया जाएगा और यह भूमि कहां चयन की जाएगी तथा इसके लिए कितने बटज का प्रावधान है?

उद्योग मंत्रीः माननीय अध्यक्ष जी, यह बिल्कुल ठीक है कि यह आई.टी.आई. किराये के भवन में चल रही है। अभी विभाग 5 बीघा भूमि तकनीकी विभाग के नाम हस्तांतरण करने में लगा हुआ है। मुझे ऐसा लगता है कि दो महीने के भीतर यह सारा काम पूरा हो जाएगा। हमने विभाग को निर्देश दिए हैं कि इसकी ड्रॉइंग इत्यादि तैयार की जाए। प्रशासनिक.....

श्री बी.एस. द्वारा... जारी

02.03.2020/1415/बी.एस./ए.जी./-1

प्रश्न संख्याः 2395 क्रमांगत

उद्योग मंत्री जारी...

अप्रूबल के बारे में भी विभाग से बात हुई है ताकि दो महीनों में इसकी अप्रूबल मिल सके। यह संस्थान काफी समय से किराए के भवन पर चल रहा है। इसमें बहुत सारी प्रक्रिया हमारी सरकार के समय में हुई है। वहां पर रा0व0मा0 स्कूल है उसकी जमीन को इस संस्थान के नाम करने की प्रक्रिया चल रही है। इस कार्य को बहुत जल्द कर लिया जाएगा।

श्री इन्द्र सिंह (बल्ह) : माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं यह भी जानना चाहता हूं कि इसके लिए कितने बजट का प्रावधान किया गया है?

उद्योग मंत्री : माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्य को बताना चाहता हूं कि जब तक इस संस्थान के नाम जमीन ट्रांस्फर नहीं होती तब तक आगे की प्रक्रिया शुरू नहीं हो

सकती है। अभी इसकी ड्रॉइंग बनेगी उसके बाद प्रशासनिक अप्रूबल आएगी और उसके बाद ही यह सारा कार्य होगा। मुझे लगता है कि दो-तीन महीनों में ये सारी चीजें धरातल में आ जाएंगी।

02.03.2020/1415/RKS/AG-2

प्रश्न संख्याः 2396

श्री हीरा लाल (करसोग) : माननीय अध्यक्ष महोदय, करसोग चुनाव क्षेत्र में दो वर्षों के अन्दर छह उठाऊ पेयजल योजनाओं को स्वीकृत किया गया है। इन योजनाओं में एक योजना अनुसूचित जाति घटक योजना के तहत धौनकी पेयजल योजना स्वीकृत हुई है और इसके अतिरिक्त पांच अन्य पेयजल योजनाएं जल जीवन मिशन के अन्तर्गत स्वीकृत हुई हैं। मैं माननीय मुख्य मंत्री जी का और माननीय जल शक्ति मंत्री जी का बहुत-बहुत धन्यवाद करना चाहूंग। इन योजनाओं के तहत करसोग चुनाव क्षेत्र की 35 पंचायतों को लाभ मिलने वाला है। विपक्ष का कहना है कि सरकार कुछ विकास कार्य नहीं कर रही है, यह बिल्कुल सही बात नहीं है। मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि इन योजनाओं का कार्य कब तक शुरू हो जाएगा और कब तक इन्हें पूर्ण कर लिया जाएगा?

जल शक्ति मंत्री : माननीय अध्यक्ष महोदय, जो माननीय सदस्य ने छह योजनाओं की बात की है इनमें से एक सबसे बड़ी योजना चुनाग क्षेत्र व इसके साथ लगती पंचायतें हैं। आदरणीय मुख्य मंत्री जी ने लोहड़ी के पावन अवसर पर इस योजना का विधिवत शिलान्यास किया था। इसके टैन्डर हो चुके हैं और इसका वर्क अवार्ड होने वाला है। यह 25 करोड़ रुपए की योजना है। इसके अतिरिक्त करसोग विधान सभा चुनाव क्षेत्र के अन्दर जल जीवन मिशन का प्रथम फेज है उसमें एक उठाऊ पेयजल योजना गवालपुर की है। उस योजना की टैंडर प्रक्रिया प्रगति पर है। दूसरा उठाऊ पेयजल योजना बहना खड्ड से है। यह योजना 5.60 करोड़ रुपए की है। इसकी निविदाएं भी प्रगति पर हैं। इसके अलावा

मंहुनाग पेयजल योजना है। यह योजना 3.14 करोड़ रुपए की है। इस योजना का लगभग 90 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। इसके साथ-साथ काण्डा कनाहनू, तहसील करसोग है, यह योजना 5.81 करोड़ रुपए की है। उसकी निविदाएं 07 दिसम्बर को खोल दी गई हैं। इसमें भी वर्क अवार्ड होने वाला है। वैसे ही एक योजना एस.एस.सी. कंपोनेट में है उसकी भी टैक्निकल सैंक्शन आ गई है। हम कोशिश कर रहे हैं कि ये सारे-के-सारे कार्य जल्द शुरू हों। इसके साथ-साथ जल जीवन मिशन का द्वितीय चरण है उसके लिए भी विभाग ने

02.03.2020/1415/बी.एस./ए.जी./-3

कार्य करना आरम्भ कर दिया है। इसमें एस.एल.सी. भी कर दी गई है। इसमें पूरे प्रदेश की अनेकों ऐसी योजनाएं हैं जो पीने के पानी की योजनाएं हैं और जो जल जीवन मिशन की गाइड-लाइन्स को पूरा करती हैं उन सारी योजनाओं को इसमें शामिल कर लिया गया है।

श्री डी.टी.द्वारा जारी...

02.03.2020/1420/DT/AS-1

प्रश्न संख्या 2397

श्री हर्षवर्धन चौहानः (शिलाई) (प्राधिकृत) माननीय अध्यक्ष महोदय, माननीय मन्त्री महोदया द्वारा जो सूचना दी गई है उसके अनुसार पांच पार्किगस के निर्माण हेतु ए0डी0बी0 को प्रपोज किया गया है। मैं जानना चाहूंगा कि यह प्रोपोजल कब तक मेटरलाईज होगी? होगी भी या नहीं ? और जो पांच पार्किंग के स्थल चयनित किये गये हैं इसकी पर-प्राजैक्ट क्या कोस्ट है? डल्हौजी एक बहुत प्रसिद्ध पर्यटक स्थल है, यहां पर पर्यटक काफी अधिक मात्रा में आते हैं। आपने सबसे बड़ी पार्किंग व्यू-प्वाईंट, नजदीक हि0प्र0 राज्य विद्युत परिषद के कार्यालय के समीप प्रपोज की है। इसमें फारेस्ट लैण्ड है और आप कह रहें है कि इसकी एफ0सी0ए0 मूव करेंगे लेकिन आप इसकी एफ0सी0ए0 तो बाद में ही मूव करेंगे। आपने यह भी कहा कि यह कार्य फण्डिंग के लिए प्रपोज है। मैं माननीय अध्यक्ष महोदय आपके माध्यम से मन्त्री महोदया से जानना चाहता हूं कि यह पैसा आयेगा कब आयेगा।

आप क्या एफ0सी0ए0 के केस को भी मूव करेंगे? ताकि साथ ही साथ एफ0सी0ए0 की क्लीरेंस भी आ जाये और प्रोजेक्ट भी शुरू हो जाये।

शहरी विकास मन्त्रीः माननीय अध्यक्ष महोदय, इस प्रोजैक्ट का मेन कम्पोनेन्ट टूरिज्म का है और टूरिज्म विभाग एशियन विकास बैंक के सम्पर्क में है। टूरिज्म विभाग ही इसे प्रोसैस कर रहा है। जहां तक यू0डी0 विभाग की बात है यू0डी0 विभाग का पार्किंग का कम्पोनेन्ट इसमें आता है और नगर परिषद, डल्हौजी ने दिनांक 3-1-2020 को इसका एम0ओ0यू0 किया है। इसकी सब-प्रोजेक्ट कन्सेप्ट रिपोर्ट अप्रूव हुई है by the State Level Empower Committee, headed by the Chief Secretary to the Govt. of Himachal Pradesh. The MoU for Operation and Maintenance has been signed between EO, Municipal Council, Dalhousie and Additional Director Tourism-cum-Project Director, IDIPT, H.P, at Chamba on 3.1.2020. इसमें हमारे विभाग का जो मुख्य कम्पोनेन्ट है, उसमें उनके साथ एम0ओ0यू0 करना था, उन्हें हां करनी थी और एन0ओ0सी0 देनी थी वह तो सब हमनें कर दिया। है। अब पर्यटन विभाग इसे परस्यू कर रहा है और जब भी यह उनके द्वारा इसकी प्रोजैक्ट रिपोर्ट बना कर भेजी जायेगी तब

ही एशियन विकास बैंक द्वारा राशि निर्धारित की जायेगी । हमने पूरी डिटेल रिपोर्ट देने के बाद एम0ओ0यू0 साईन किया है, क्योंकि यह पर्यटन विभाग से सम्बन्धित मामला है। जब पर्यटन विभाग का प्रोजैक्ट कम्पलीट हो जायेगा और जो पार्किंग प्रपोज की है उसमें मेरे विभाग का रोल सिर्फ इसे मेन्टेन करने का होगा। टूरिज्म विभाग इसकी डी0पी0आर0 बना रहा है and it's final cost will depend on the DPR. हमारी मंशा तो इसे बनाने की अब यह एशियन विकास बैंक के ऊपर निर्भर करता है की वह प्रपोजल को कैसे परस्यू करेंगे।

प्रश्न संख्या 2398

श्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खु (नदौन): माननीय अध्यक्ष महोदय, दो साल में डेन्टल काउन्सिल में 375 चिकित्सकों का पंजीकरण हुआ। मैं माननीय मन्त्री महोदय से जानना चाहता हूं कि क्या डेन्टल काउन्सिल में अभी तक, चाहे पिछली सरकार की बात हो या वर्तमान सरकार की, कितने चिकित्सक

डेन्टल काउन्सिल में पंजीकृत है? डेन्टल काउन्सिल में जो डाक्टर बनता है वह NEET की परीक्षा पास करता है, अगर उसका एम0बी0बी0एम0 में नम्बर न आये तो वह बी0डी0एस0 में एडमिशन लेता है। पांच साल तक उसके मॉ-बाप उसकी शिक्षा के लिए पैसे खर्च करते हैं और पैसा खर्च करने के बाद सोचते हैं कि बेटे को रोजगार मिलेगा। पिछले दो वर्षो में हिमाचल प्रदेश में सरकार के माध्यम से सिर्फ 7 प्रतिशत डेन्टल डाक्टरज़ को रोजगार मिला है। जो पांवटा साहिब में डेन्टल कॉलेज है उसमें 100 सीटें हैं, बद्दी के कॉलेज में 100 सीटें हैं, सोलन के डेन्टल के कॉलेज में 100 सीटें हैं,

श्री एन.जी. द्वारा... जारी

02-03-2020/1425/ए.एस.-एन.जी./1

प्रश्न संख्या 2398 जारी.....

श्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खु जारी.....

सुन्दर नगर के कॉलेज में 60 सीट्स हैं, आई.जी.एम.सी. डैन्टल कॉलेज में 60 सीट्स हैं। हम हर साल कुल 380 डॉक्टर्स पैदा करते हैं और रोज़गार केवल 7 प्रतिशत को मिल रहा है। मैं माननीय मुख्य मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि जो डॉक्टर एम.बी.बी.एस. में एडमीशन नहीं ले सकता और बी.डी.एस. में एडमीशन लेता है क्या सरकार का ध्यान इस

ओर आएगा कि उनके लिए जो नौकरियां निकल रही हैं, या तो उतनी ही सीट्स निकालिए और मैडिकल या डैन्टल कॉलेज को बोलिए क्योंकि हमारे यहां रोज़गार के अवसर ज्यादा नहीं हैं और बहुत हिमाचली लोग...(व्यवधान)

अध्यक्षः माननीय सुखविन्द्र जी आपका प्रश्न आ गया है, आगे भी बहुत महत्वपूर्ण प्रश्न लगे हुए हैं।...(व्यवधान)

श्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खुः मैं प्रश्न का जवाब लेने के लिए ही ध्यान में ला रहा हूं। अध्यक्ष महोदय, केवल 7 प्रतिशत लोगों को रोज़गार मिला है...(व्यवधान)

शिक्षा मंत्रीः आप का सवाल आ गया अब माननीय मुख्य मंत्री जी को जवाब देने दीजिए।...(व्यवधान)

श्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खुः मुख्य मंत्री जी के स्थान पर आप ही जवाब देने लग जाते हैं...(व्यवधान) श्री विपिन सिंह जी को तो इन्होंने वहां पर बिठा दिया है और कहीं ऐसा न हो जाए कि किसी और मंत्री का नम्बर राज्यसभा में लग जाए।...(व्यवधान) माननीय मुख्य मंत्री जी मैं आपका ध्यान केवल इस ओर लाना चाहता हूं कि जो मैडिकल कॉलेज खुले हैं चाहे चम्बा में या हमीरपुर में खुला है वहां पर डैन्टल डॉक्टर्स की उम्र को 68 वर्ष किया है...(व्यवधान)

02-03-2020/1425/ए.एस.-एन.जी./2

अध्यक्षः माननीय सुखविन्द्र जी मेरी बात सुनिए। आप केवल प्रश्न पूछिए और सूचना न दें। सूचना सरकार की ओर से आएगी। आप केवल प्रश्न पूछिए ताकि अन्य सदस्यों को भी अपने प्रश्न पूछने का मौका मिल सके।...(व्यवधान) माननीय सदस्य कृपया करके केवल अपना प्रश्न पूछिए।

श्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खुः मैडिकल कॉलेज के डैन्टल काऊंसिल में जो डॉक्टर्स लगे हैं उनकी उम्र 68 वर्ष है। हमारे पास एम.डी.एस. (मैडिकल डैन्टल सर्जन) की संख्या बहुत

अधिक है और यदि उनकी उम्र को 58 कर दिया जाए तो इन नए डैन्टल डॉक्टर्स की खपत उनके स्थानों पर हो सकती है। क्या सरकार इस पर विचार करेगी?

मुख्य मंत्रीः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने जो प्रश्न पूछा है सच में यह बहुत चिंता का विषय है। आपने पूछा कि जिन्होंने बी.डी.एस. का एग्ज़ाम पास किया है और सलैक्शन होने के बाद अपनी ट्रेनिंग पूरी कर ली है उनका टोटल रजिस्ट्रेशन डैन्टल काऊंसिल में कितना है? उनकी कुल संख्या 2,819 है। हिमाचल प्रदेश में बी.डी.एस. के कुल सृजित पद 342 हैं जिनमें से 329 पद भरे हुए हैं और खाली पदों की संख्या केवल 13 है और इन पदों को भरने की प्रक्रिया शीघ्र आरम्भ करेंगे। चिन्ता का विषय यह है कि जो हर वर्ष कुल 355 बी.डी.एस. डॉक्टर्स हिमाचल प्रदेश को सरकारी और निजि क्षेत्रों से उपलब्ध हो रहे हैं तो यह संख्या बहुत अधिक है।

श्रीमती एम.एस. द्वारा जारी.....

02/03/2020/1430/MS/DC/1
प्रश्न संख्याः 2398 क्रमागत---मुख्य मंत्री जारी-------

इसमें दो-राय नहीं है क्योंकि बच्चे नीट की परीक्षा उत्तीर्ण करते हैं। एक दौर ऐसा था कि जो बच्चे आज बी0डी0एस0 में आ रहे है यानी मैरिट में जितने नम्बर लेकर बी0डी0एस0 में जगह पा रहे हैं, ऐसे बच्चे कभी एम0बी0बी0एस0 करने टॉप के संस्थान जैसे आई0जी0एम0सी0 और टांडा मैडिकल कॉलेज हैं, उनमें जाते थे लेकिन आज परिस्थिति ऐसी है कि उसी परसेंटेज में वे बच्चे बी0डी0एस0 में जा रहे हैं क्योंकि कम्पीटीशन बहुत ज्यादा है। यह बात भी सच है कि ये सारे-के-सारे बच्चे बहुत मेहनत करने के बाद नीट का एग्जाम क्वालिफाई करते हैं और मैरिट पर होने के बाद फिर उनका सलैक्शन बी0डी0एस0 में होता है। जब बी0डी0एस0 की ट्रेनिंग करने के बाद इनका डैन्टल कौंसिल में रजिस्ट्रेशन होता है उसके बाद इनको सरकारी नौकरी मिलने में कठिनाई है। मैं इस बात को देख रहा हूं कि पिछले दो वर्षों में बी0डी0एस0 के हम बहुत ज्यादा पद नहीं भर पा रहे हैं क्योंकि हमारे पास स्कोप ही नहीं था। हमारे जितने पद थे वे अधिकांश भरे हुए हैं और मात्र 13 पद खाली पड़े हैं। लेकिन मैं आपकी चिन्ता से वाकिफ हूं और मैं भी इस सारे

मामले में अपना कन्सर्न शो कर रहा हूं। मैं भी इस बात को अनुभव और महसूस कर रहा हूं कि हमें आने वाले समय में एक बहुत चुनौति होगी क्योंकि बड़ी संख्या में बच्चे पास-आउट हो रहे हैं। प्राइवेट सैक्टर में भी हिमाचल प्रदेश में बहुत ज्यादा प्रैक्टिस का स्कोप नहीं है और प्राइवेट सैक्टर में भी जो अस्पताल खुले हैं, वहां भी जिस स्केल पर नम्बर ऑफ डॉक्टर्ज पास-आउट होकर हर साल निकल रहे हैं उन्हें वहां भी रोज़गार का इतना बड़ा स्कोप नहीं है हैं। ऐसे में मैं यही कहना चाहता हूं कि हमारे प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र और दूसरे स्वास्थ्य संस्थानों में हमारा प्रस्ताव जो विभाग के विचाराधीन है, जिसमें 230 अतिरिक्त पदों के सृजन करने का मामला विचाराधीन चल रहा है, इस सारे मामले को आगे बढ़ाएंगे। हम भी चाहते हैं कि जो बच्चे बहुत मेहनत करने के बाद नीट का एग्जाम क्वालिफाई करके फिर 5 साल की ट्रेनिंग करते हैं उनको इस प्रकार से बेरोज़गारी के दौर से न गुज़रना पड़े। यह सचमुच में एक चिन्ता का विषय है जिसका समाधान की दृष्टि से यही उचित रास्ता रहेगा कि कुछ और पद सृजित किए जाएं ताकि जिन बच्चों को नीट का एग्जाम क्वालिफाई करने के बाद, बी0डी0एस0 की पढ़ाई करने के बाद रोज़गार उपलब्ध नहीं हो पाया है, उनको रोज़गार मिल सके।

02/03/2020/1430/MS/DC/2

डॉ0 राजीव बिन्दल(नाहन): अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री जी ने जो बी0डी0एस0 डॉक्टर्ज के संबंध में चिन्ता जताई है उसमें मैं एक सुझाव देना चाहता हूं कि हमारे जो मैडिकल कॉलेजिज हैं उनमें एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विसिज के लिए अगर एक साल का बी0डी0एस0 के लिए कोर्स शुरू कर दें तो उससे इनको राष्ट्रीय स्तर पर अनेक अस्पतालों में एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विसिज के लिए बहुत अच्छे स्कोप निकलेंगे और हिमाचल के जो बी0डी0एस0 हैं वे उसमें अच्छा परफॉर्म कर सकते हैं। अगर हम 4-5 या 6 मैडिकल कॉलेजिज में 30-30 सीटें भी क्रिएट कर दें तो आने वाले समय में एक बहुत अच्छी ऑपरचुनिटी हमारे बी0डी0एस0 डॉक्टर्ज के लिए हो सकेगी। यही सुझाव में यहां देना चाहता हूं।

मुख्य मंत्रीः अध्यक्ष महोदय, जो सुझाव माननीय सदस्य डॉक्टर राजीव बिन्दल जी ने दिया है, उसको एग्जामिन करेंगे और व्यावहारिक रूप से इसमें जो किया जा सकता है, करेंगे क्योंकि ये स्वयं डॉक्टर है। इसलिए निश्चित रूप से यह सुझाव व्यावहारिक होगा। इस पर हम विचार करेंगे क्योंकि यह अच्छा सुझाव है। हम भी चाहते हैं कि कोई ऐसा रास्ता निकले कि ऐसे बच्चों को कहीं रोज़गार उपलब्ध हो सके इसलिए इस बात पर विचार करेंगे।

श्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खुः अध्यक्ष महोदय, मैं फिर से ध्यान में लाना चाहता हूं कि जो नये मैडिकल कॉलेज खुले हैं और उनमें जो बी0डी0एस0 डॉक्टर्ज प्रोफेसर्ज लगे हैं उनकी आयु-सीमा 68 साल की है। मेरा यह मानना है कि उनकी उम्र को घटाकर 58 वर्ष कर दीजिए ताकि जो नये डॉक्टर्ज एम0डी0एस0 करके वेटिंग लिस्ट में हैं, उनको भी रोज़गार के अवसर मिल सकें। क्या इस पर आप विचार करेंगे?

मुख्य मंत्रीः अध्यक्ष महोदय, वह निर्णय लिया जा चुका है और उस निर्णय पर अभी जल्दी में विचार करने की आवश्यकता नहीं लगती है और मुझे लगता है कि वह संख्या भी बहुत ज्यादा नहीं है जिसका आप जिक्र कर रहे हैं यानी ऐसा करने से बहुत सारे पदों में उन बच्चों को आने की ऑपरचुनिटी मिलेगी, इसकी संभावना बहुत ज्यादा नहीं है।

जारी जे0के0 द्वारा----

02.03.2020/1435/जेके/डीसी /1

प्रश्न संख्याः---**2398**:------**जारी**----

मुख्य मंत्रीः----------**जारी**----

बात सिर्फ यह है कि इस बड़े स्केल पर जो बच्चे पास आउट कर चुके हैं, उनको हम ज्यादा-से-ज्यादा रोज़गार कैसे दे सकते हैं, यही मैं आप लोगों से कहना चाहता हूं। आपने डैंटल में एज़ को अलग करने के बारे में बताया,इस सारे मामले पर हम विचार करेंगे और जो भी इसमें रास्ता निकलेगा, उसकी आपको सूचना दे देंगे।

श्री राजेन्द्र राणाः माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्य मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि सुजानपुर में जो सिविल हॉस्पिटल है, वहां पर डैंटल डॉक्टर की पोस्ट है और डॉक्टर की पोस्टिंग भी है परन्तु परेशानी यह है कि वह तीन दिन सुजानपुर बैठते हैं और बाकी के दिन उनको हमीरपुर भेज देते हैं जबकि हमीरपुर हॉस्पिटल में भी डैंटल डॉक्टर है और मैडिकल कॉलेज में भी डॉक्टर है। इससे सुजानपुर के लोगों को परेशानी होती है। जो डैंटल डॉक्टर सुजानपुर में हैं, उनको वहां से तीन दिन डैपुटेशन पर न भेजा जाए, ऐसा मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूं।

मुख्य मंत्रीः अध्यक्ष महोदय, यह थोड़ा अलग तरह का प्रश्न है। इंस्टिच्युशन से स्पैसिफिक है। जो माननीय सदस्य ने सुझाव दिया है इस पर विचार करेंगे।

02.03.2020/1435/जेके/डीसी /2

प्रश्न संख्याः 2399

श्री परमजीत सिंहः माननीय अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्य मंत्री जी और माननीय मंत्री जी का धन्यवाद करना चाहता हूं कि मेरे विधान सभा क्षेत्र के लिए इन्होंने 20 ट्यूबवैल्ज़ सिंचाई के और 4 पेयजल योजनाएं जल जीवन मिशन के अर्न्तगत दी हैं, इसके लिए मैं आप लोगों का बहुत-बहुत धन्यवाद करना चाहता हूं। मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से निवेदन करना चाहता हूं और मैंने पहले व्यक्तिगत तौर पर मिल करके भी माननीय मंत्री जी से कहा था कि जो ये 20 ट्यूबवैल्ज़ हैं, उनकी टैण्डर प्रक्रिया को इकट्ठा किया जाए। माननीय मंत्री जी ने आश्वासन दिया था लेकिन उसके बावजूद भी विभाग ने 5 ट्यूबवैल्ज़ का टैण्डर किया है। मेरा इसमें निवेदन है कि सारे ट्यूबवैल्ज़ का 5-5 करके टैण्डर कर दिया जाए क्योंकि विभाग कह रहा है कि 6 महीने के बाद 5 का करेंगे और फिर 6 महीने बाद 5 का करेंगे। मेरा निवेदन है कि माननीय मुख्य मंत्री जी और माननीय मंत्री जी का जिस दिन हमारे क्षेत्र का दौरा होगा, मेरी इच्छा थी कि मैं इन सबका उस दिन शिलान्यास करवा सकूं जिससे कि वहां की सारी जनता को सिंचाई की सुविधा मिल सके।

मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या आप विभाग को यह आदेश देंगे कि इनकी सारी टैण्डर प्रक्रिया इकट्ठी की जाए?

जल शक्ति मंत्रीः माननीय अध्यक्ष जी, माननीय सदस्य ने जो कहा है और इनकी एम.एल.ए. प्रायोरिटी में भी है और एक साथ में सारा पैसा भी स्वीकृत हुआ है। पीछे मैं इनके क्षेत्र में थोड़ी देर के लिए रुका था तो इन्होंने और वहां के सभी कार्यकर्ताओं ने कहा था कि यह टैण्डर प्रक्रिया एक साथ की जाए। **मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि मैं विभाग को आदेश करूंगा कि सारे-के-सारे ट्यूबवैल्ज़ की एक साथ निविदाएं कर दी जाएं।**

02.03.2020/1435/जेके/डीसी /3

प्रश्न संख्याः 2400

श्री विक्रमादित्य सिंहः अनुपस्थित।

अगला प्रश्न श्री एस.एस. द्वारा जारी----

02.03.2020/1440/SS-HK/1

प्रश्न संख्याः 2401

श्री बिक्रम सिंह जरयाल : अध्यक्ष महोदय, मैं आदरणीय मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि जिस क्रशर मालिक ने क्रशर लगाया हुआ है क्या इस क्रशर तक पहुंचने हेतु जो रोड बनाया गया है उसके लिए एफ0आर0ए0/एफ0सी0ए0 क्लीयरैंस ली है? अगर क्लीयरैंस नहीं ली है तो पिछली सरकार में इस क्रशर के आबंटित होने के क्या कारण हैं?

दूसरा, यह क्रशर रिवर बेड पर लगाया गया है जिसकी वजह से मेरी जोलना पंचायत, अर्जुन सिंह की कोटला पंचायत और नीचे जितने भी लोग हैं वे मलमैटा पानी पीने को मजबूर हैं, पशु मलमैटा पानी पी रहे हैं। इस क्रशर को जाने के लिए कोई रास्ता नहीं है। मैं भी अपनी पंचायत को माननीय सदस्य, श्री अर्जुन सिंह की कंस्टिच्यूंसी से सोलदा पंचायत

से जाता हूं। वह एक एम्बुलैंस रोड है। वहां से बड़े-बड़े ट्राले जा रहे हैं जिसकी वजह से वहां बड़े-बड़े खड्डे पड़ गए हैं। लोग वहां पर विरोध कर रहे हैं। मैं माननीय मंत्री जी से आश्वासन चाहता हूं कि क्या इस पर कोई कार्रवाई होगी?

उद्योग मंत्री : माननीय अध्यक्ष जी, माननीय सदस्य ने प्रश्न किया है कि क्रशर के लिए जो रोड है क्या इसकी एफ0आर0ए0/एफ0सी0ए0 के अंतर्गत क्लीयरैंस है या नहीं? मैं आपके ध्यान में लाना चाहता हूं कि जहां पर क्रशर लगा है उस क्रशर तक जो सड़क जाती है उस सारी-की-सारी सड़क का जिम्मा वहां के मालिक का होता है। अगर वहां पर इस प्रकार की कोई समस्या है तो वही उसकी क्लीयरैंस लेंगे, विभाग उसकी क्लीयरैंस नहीं लेगा। आपको ऐसा लगता है कि यह रास्ता फॉरैस्ट में से जाता है। ऐसा मुझे आपके मूल प्रश्न से लगता है। फॉरैस्ट डिपार्टमैंट ने भी इसमें निशानदेही के लिए बोला है। वहां पर उसकी निशानदेही होगी। जो आप रिवर बेड की बात कर रहे हैं, जब यह क्रशर लगा था तो उस समय इस प्रकार की कोई कंडीशन नहीं थी। लेकिन उसके बाद एन0जी0टी0 ने इसके ऊपर इस प्रकार की कंडीशन लगाई है, वह पूरा-का-पूरा केस माननीय न्यायालय के विचाराधीन है। उसके ऊपर जो भी फैसला आयेगा, उसको हम इम्प्लीमैंट करेंगे। फिलहाल इस प्रकार के कोई आदेश नहीं हैं।

02.03.2020/1440/SS-HK/2

अध्यक्ष : सुखविन्द्र जी, यह तो स्पेसिफिक जगह का प्रश्न है, आप क्या पूछना चाहते हैं?

श्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खु (नदौन) : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय उद्योग मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि जो एन0जी0टी0 ने ऑर्डर दिए हैं कि जो भी क्रशर लगेगा वह रिवर बेड से 100 मीटर की दूरी पर लगेगा, क्या सरकार ने इसको अमलीजामा पहनाया है? अगर सरकार ने इसको अमलीजामा नहीं पहनाया है तो क्या इसके खिलाफ हाई कोर्ट द्वारा कोई स्टे ऑर्डर हुआ है?

उद्योग मंत्री : माननीय सुखविन्द्र जी, मैंने इसका जवाब दिया है। शायद आपने सुना नहीं है। आपने सिर्फ प्रश्न करना है लेकिन जवाब जो भी हो, आपने सुनना नहीं है। मैंने यह पहले बोला है कि एन0जी0टी0 ने यह आदेश दिए हैं लेकिन जो आदेश हुए हैं ...(व्यवधान)

अमलीजामा पहनाने से पहले लोग कोर्ट चले गए हैं। कोर्ट का जिस समय फैसला आयेगा, उसके बाद इसको अमलीजामा पहनायेंगे।

श्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खु (नदौन) : मेरा प्रश्न यह है कि जो एन0जी0टी0 ने ऑर्डर दिये हैं क्या उसको इम्प्लीमैंट किया है? एन0जी0टी0 ने ऑर्डर कर दिया है और हाई कोर्ट में मैटर सब-ज्यूडिस है, क्रशर मालिक हाई कोर्ट गया है, क्या हाई कोर्ट ने उस पर स्टे दिया है? यही मेरा प्रश्न है।

उद्योग मंत्री : एन0जी0टी0 का जो ऑर्डर हुआ है उस पर माननीय हाई कोर्ट द्वारा स्टे दिया गया है। मामला वहां पर विचाराधीन है जब उसका फैसला आयेगा तो उसके बाद अगली कार्रवाई होगी ।

श्री बिक्रम सिंह जरयाल (भटियात) : अध्यक्ष महोदय, जो बड़ी-बड़ी गाड़ियां और ट्राले जाते हैं ये बत्तीसमील होकर सोलदा जाते हैं जबकि वह एम्बुलैंस रोड है। वह रोड बड़ी गाड़ियों के लिए पास नहीं है, फिर वहां इतनी बड़ी-बड़ी गाड़ियां लेकर क्यों जाते हैं?

अध्यक्ष : उसके बारे में इन्होंने स्पष्ट बता तो दिया है। मुझे लग रहा है कि आप रैपीटिशन कर रहे हैं। आप अपना प्रश्न पूछिये।

श्री बिक्रम सिंह जरयाल : जहां बत्तीसमील से गाड़ियां जाती हैं मैं भी अपनी पंचायत को अर्जुन सिंह जी कंस्टिच्यूंसी से उसी रोड से जाता हूं। वह एम्बुलैंस रोड है बड़ी गाड़ियों के

लिए पास नहीं है। फिर वहां बड़े-बड़े ट्राले क्यों जा रहे हैं, उसके लिए किसने परमिशन दी है? मैं मंत्री महोदय से चाहता हूं कि इसमें कोई कार्रवाई की जाए।

उद्योग मंत्री : अध्यक्ष महोदय, हमने क्रशर देखना है कि क्या वह ठीक चल रहा है, वहां माइनिंग वैज्ञानिक तरीके से ठीक हो रही है या नहीं हो रही है। वह ट्राला कहां से आ रहा है और कहां जा रहा है उसे हम नहीं देखते हैं। मुझे ऐसा लगता है कि अगर ऐसी कोई समस्या है तो इनको वहां के एडमिनिस्ट्रेशन से बात करनी चाहिए। अगर वहां पर एम्बुलैंस रोड है और उसके बावजूद वहां पर बड़ी-बड़ी गाड़ियां जा रही हैं तो मुझे लगता है कि

इसके बारे में डी0सी0 और एस0डी0एम0 साहिबान से बात करनी चाहिए। हां अगर इसमें कुछ मेरी तरफ से करना है तो आर0टी0ओ0 ही इसके ऊपर कार्रवाई कर सकते हैं।

जारी श्रीमती के0एस0

02.03.2020/1445/केएस/एचके/1

प्रश्न संख्याः2402

Dr. (Col.) Dhani Ram Shandil (Solan): Mr. Speaker, Sir, I have gone through the reply given by the Hon'ble Minister which is laid on the Table of the House. I know the problem basically relates to the area where army land is adjoining to our main road running between St. Lukes School Chambaghat. I know the permission will come. As she herself belongs to the army background, she knows that there are certain norms in a area where army land goes right up to Delhi to Ministry of Defence and after that it will come to State Officer of Defence Ambala and later it will come to us. But in the meantime my request to the Hon'ble Minister is that whatever portion is being made, it should be given due priority. I know the BRICKS lining is going on, sometime 8 to 10 lakhs are given but that time when it was passed by the Cabinet, the amount of Rs. 77 lakhs was given for entire work at that time. It is bound to grow up and the cost of that construction work will definitely be enhanced. So my request to the Hon'ble Minister is that whatever portion is without sought of dispute and where work is going on, it should be given a due priority and due attention. Thank you, Sir.

शहरी विकास मंत्रीः अध्यक्ष महोदय, यह प्रश्न सदन में तीसरी बार लगा है। माननीय सदस्य हर बार इस सम्बन्ध में अद्यतन स्थिति लेते हैं और पिछली बार भी मैंने इसका जवाब दिया था कि इस रास्ते की लैंथ 1314.00 मीटर है और इसमें से 1240 मीटर लैंथ आर्मी के अधिकार क्षेत्र में आ रही है। ठीक है, माननीय सदस्य इस सम्बन्ध में काफी अवेयर हैं लेकिन मैं बताना चाहूंगी कि इस काम को आर्मी ने नवम्बर, 2018 में स्टॉप कर

दिया था। 300 मीटर पर थोड़ा सा कच्चा रास्ता बना है, जो कि आपकी सरकार के समय का बना है। हमारी सरकार ने, माननीय ठाकुर जय राम जी की अध्यक्षता में दो बार इस केस को आर्मी अथॉरिटी के साथ उठाया। इस सम्बन्ध में दिनांक 18.07.2019 और 04.12.2019 को हमने दो बार पत्र लिखे हैं लेकिन इस कार्य के लिए जो आर्मी के अपने कन्सर्न्ज़ होंगे, अभी उन्होंने इसका कोई जवाब नहीं दिया है। इस रोड़ के लिए माननीय

02.03.2020/1445/केएस/एचके/2

सदस्य ने 28,000/- रुपये एम.एल.ए. फंड से दिये थे और इसका प्रीलिमिनरी एस्टिमेट 14 लाख कुछ रुपये का था। 8,00,000/- रुपये की राशि उस समय उसमें यू.डी. डिपार्टमैंट ने दी थी । कांग्रेस सरकार के समय में 8,33,000/- रुपये उसमें आया और हमारी सरकार ने अभी तक इसमें 21,14,000/-रुपये खर्च किए हैं। कुल मिलाकर अभी हमारी सरकार में 13,00,000/- रुपये इसमें खर्च हुए हैं और 7,00,000/- रुपये और होने हैं। जो 300 मीटर का बाकी वाला आप रास्ता बता रहे हैं, उसमें विभाग 7,00,000/- रुपये और देगा यह सारा पैसा यू.डी. डिपार्टमैंट से आया है और 20,00,000/- रुपये हमारी सरकार दे रही है। आप दोबारा फिर से इस प्रश्न को लगाएंगे लेकिन जब तक आर्मी अथॉरिटी इस रास्ते को अपने एरिया में बनाने की हमें परमीशन नहीं देती, तब तक हम इसको पूरा नहीं कर सकते **लेकिन मैं आश्वासन देती हूं कि मैंने विभाग को कहा है कि अप्रैल के अंत तक रिमेनिंग 300 मीटर, जिसमें आपने खुदाई की थी, उसको पूरा किया जाए और जो 7,00,000/- रुपये और देने हैं, उनको दे दिया गया है और इस रास्ते को 300 मीटर तक, जो आपने शुरू किया था, उसको पक्का कर देंगे।**

श्रीमती अ0व0 द्वारा जारी

02.03.2020/1450/av-yk/1

प्रश्न संख्या : 2402----- क्रमागत

Dr. (Col.) Dhani Ram Shandil : Mr. Speaker, Sir, I am grateful to the Hon'ble Minister और माननीय मंत्री जी द्वारा दिए गए आश्वासन के लिए भी मैं धन्यवाद करता हूं। I take this responsibility to take the clearance on the Army side and I will personally go to the Station Headquarter and to our Station Commander Kasuali to try and get this clearance done. I am sure that you will help us at that time also. Thank You Sir.

शहरी विकास मंत्री : अध्यक्ष महोदय, हमने आर्मी को जो दिनांक 4.12.2019 को दोबारा लिखा था, इसके लिए आप भी कोशिश कीजिए और हम भी इसको दोबारा टेकअप करने की कोशिश करेंगे। Let's see, what happens. Thank You.

02.03.2020/1450/av-yk/2

प्रश्न संख्या : 2403

श्री विनोद कुमार : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि नाचन विधान सभा क्षेत्र से बल्ह की जो 11 पंचायतें पड़ती हैं वहां फ्रूट प्रोसैसिंग प्लांट और कोल्ड स्टोर क्यों नहीं लग सकता? मैं यहां पर यह भी कहना चाहता हूं कि नाचन विधान सभा क्षेत्र तथा उसके साथ लगते हमारे बल्ह विधान सभा क्षेत्र में टमाटर की बहुत ज्यादा पैदावार होती है। मैंने इस बारे में माननीय मुख्य मंत्री जी से भी आग्रह किया था और मंत्री जी, आपसे भी निवेदन किया था जब आप नाचन विधान सभा क्षेत्र के प्रवास पर आए थे। इसलिए मैं जानना चाहूंगा कि वहां पर प्रोसैसिंग प्लांट किन कारणों से नहीं लग सकता?

जल शक्ति मंत्री : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने जो प्रश्न किया है उस बारे में मैं यह कहना चाहता हूं कि हमारे पास दो प्रोजैक्ट है जिसमें से एक को विश्व बैंक से फंडिंग मिल रही है और दूसरा शिवा प्रोजैक्ट है। हमें आशा है कि शिवा प्रोजैक्ट से माह अप्रैल से फंडिंग मिलना शुरू हो जायेगी। माननीय सदस्य का निर्वाचन क्षेत्र दो भागों में बंटा हुआ है जिसमें

चैल चौक का ऊपर का क्षेत्र वर्ल्ड बैंक में और चैल चौक का निचला क्षेत्र शिवा प्रोजैक्ट में आता है। शिवा प्रोजैक्ट में यह कंडिशन है कि उसमें कम-से-कम 125 बीघे यानी 10 हेक्टेयर का क्लस्टर होना चाहिए और दूसरे उसमें सिंचाई की सुविधा होनी चाहिए। भले ही उसमें सिंचाई की सुविधा का प्रावधान रखा गया है परंतु इतना ज्यादा प्रावधान नहीं है कि यह कह दिया जाए कि 4-5 करोड़ रुपये की स्कीम बना दी जाए। जहां पर सिंचाई कम-से-कम राशि से हो सकेगी उस क्लस्टर को हम इस प्रोजैक्ट के तहत लेते हैं। उस क्लस्टर के चारों तरफ की बाड़बंदी में नीचे की तरफ चार फुट तक मैस लगेगा ताकि आवारा पशु और जंगली जानवर अंदर न जा सके और ऊपर की तरफ चार फुट तक सोलर फैंसिंग होगी ताकि बंदर इत्यादि जानवर ऊपर से न जा सके। मेरा माननीय सदस्य से आग्रह रहेगा कि आप अपने निर्वाचन क्षेत्र में सबसे पहले तो क्लस्टर का चयन

02.03.2020/1450/av-yk/3

करें। क्लस्टर चयन होने के बाद ही उसमें जब बड़ा प्रोजैक्ट बनेगा तो वहां पर प्रोसैसिंग युनिट, कोल्ड स्टोरेज और मार्किटिंग यार्ड की व्यवस्था की जा सकती है। लेकिन जब तक हमारे पास फल इत्यादि मटीरियल नहीं होगा उस वक्त तक वहां पर फल रखने के लिए और उनका जूस निकालने के लिए ये सारी व्यवस्था नहीं की जा सकती। भारत सरकार और देश के सभी राज्यों में वेजिटेबल कम्पोनैंट बागवानी विभाग के पास है। लेकिन हिमाचल प्रदेश एकमात्र ऐसा राज्य है जहां पर वेजिटेबल कम्पोनैंट कृषि विभाग के पास है।

टी सी द्वारा जारी

02.03.2020/1455/टी0सी0वी/वाई0के0-1
प्रश्न संख्याः 2403 क्रमागत्
जल शक्ति मंत्री ... जारी

यदि यह वेजिटेबल कम्पोनैंट हमारे पास आ जाता है तो 'SHIVA' प्रोजैक्ट की राशि बढ़ जाएगी और यह मल्टीपर्प्ज हो जाएगा। उसके पश्चात बागवानी के साथ-साथ वेजिटेबल भी लगाई जा सकती है लेकिन जब तक यह इकट्ठा नहीं हो जाता तब यह संभव नहीं है। मैं माननीय सदस्य से चाहूंगा कि जो 2-3 कंडीशन्ज़ हमने यहां बताई है यदि ये पूर्ण हो जाती है तो निश्चित तौर पर हमने 28 प्रोजैक्ट्स 'SHIVA' प्रोजैक्ट के अंतर्गत लिए हैं, उसमें इनका ब्लॉक भी लिया है और हम इस पर आगे काम करना शुरू कर देंगे।

02.03.2020/1455/टी0सी0वी/वाई0के0-2

प्रश्न संख्याः 2404

Shri Hoshyar Singh (Dehra) : Speaker, Sir, my question was related to the generation of the revenue for the State but the reply what I received from the Hon'ble Minister is that 'there is no proposal under consideration of the Government to levy tax on mining for export of minerals to other States,. मेरा प्रश्न यह है कि क्या स्टेट को रेवेन्यू की आवश्यकता नहीं है? What is the problem to levy revenue?

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, कृपया बीच में न बोलें।

श्री होशयार सिंह : मेरा प्रश्न है कि अगर हम टैक्स उगाही करते हैं तो our State will get the revenue. क्या कारण है कि हम कोई प्रपोजल नहीं बना सकते हैं? What is the reason for that?

उद्योग मंत्रीः अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्य को बताना चाहता हूं कि हमारे जो खनन पट्टा धारक हैं, इनको रॉयल्टी, टैक्स, जी0एस0टी0, जी0सी0सी0आर, इंकम-टैक्स के

रूप में व रेत, बज़री, स्लेट्स, लाइम स्टोन के ऊपर हम टैक्स लेते हैं। हम पहले ही इस पर काफी टैक्स ले रहे हैं इसलिए इस प्रकार की कोई नई प्रपोजल नहीं है। आप इसके बारे में काफी ज्यादा ज्ञान रखते हैं। **आप कोई नई प्रजोजल बनाकर दें, फिर उस पर विचार करेंगे।**

02.03.2020/1455/टी0सी0वी/वाई0के0-3

प्रश्न संख्याः 2405

श्री अर्जुन सिंह (ज्वाली) : अध्यक्ष महोदय, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र , नगरोटा-सूर्रियां मामला 03.11.2018 से निदेशक, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के पास पड़ा है। मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्य मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि इसको कब तक पूरा कर दिया जाएगा?

मुख्य मंत्री : अध्यक्ष महोदय, सी0एच0सी0, नगरोटा-सूर्रियां वर्ष 1999 में अपग्रेड हुई थीं। इसमें कुल 23 पद स्वीकृत किए गये हैं जिनमें एम0ओ0 के 02 पद हैं। एम0ओ0 का एक पद भरा हुआ है और एक पद रिक्त है। हमने देखा है कि वहां पर वर्कलोड ज्यादा है इसलिए वहां पर एम0ओ0 के दूसरे पद को भरना बहुत जरूरी है। यह स्वीकृत पद है और इसको भरना आवश्यक है। **इस पद को जल्दी ही भर दिया जाएगा ताकि लोगों को सुचारू रूप से स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध हो सकें। हम इस बात को सुनिश्चित करेंगे।**

श्री अर्जुन सिंह एन0एस0 द्वारा ... जारी ।

02/03/2020/1500/NS/AG/1

प्रश्न संख्या : 2405 ..... क्रमागत

श्री अर्जुन सिंह : अध्यक्ष महोदय, भवन के बारे में मैंने प्रश्न पूछा था जो दिनांक 03-11-2018 से लंबित है। मैं माननीय मुख्य मंत्री जी से इसके बारे में जानना चाहता हूं।

मुख्य मंत्री : अध्यक्ष महोदय, जहां तक भवन की बात है तो इस संदर्भ में मैं यही कहना चाहता हूं कि बहुत जल्दी नगरोटा सूरियां के भवन निर्माण की AA & DS होनी है और **इसको शीघ्र कर दिया जाएगा ताकि वहां पर भवन बन सके। मैं इस बात को सुनिश्चित करता हूं।**

प्रश्न काल समाप्त।

02/03/2020/1500/NS/AG/2

व्यवस्था का प्रश्न

श्री नन्द लाल : अध्यक्ष महोदय, यह मामला बड़ा ही संवेदनशील मामला है और मण्डी में अत्याचार का मामला है। आप इस मामले को यहां सबमिट करने की परमिशन दें।

अध्यक्ष : अभी राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा होनी है और आप उस पर बोलेंगे। कौन-सा संवेदनशील मामला आ गया? वैसे तो इसमें नियम परमिट नहीं करते हैं।

श्री नन्द लाल : अध्यक्ष महोदय, बहुत बड़ा मामला है। मण्डी में एक दलित के साथ अत्याचार हो रहा है। दलितों के ऊपर बार-बार अत्याचार हो रहा है और कोई रोक नहीं रहा है।

अध्यक्ष : आप अभी बैठें। आगे बड़ी महत्वपूर्ण चर्चा है और आपको बोलने का मौका दिया जाएगा।

श्री जगत सिंह नेगी : अध्यक्ष महोदय, बार-बार दलितों के ऊपर अत्याचार बढ़ रहे हैं। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष : जब-जब अत्याचार हो रहा है उसके लिए सरकार और पिछले दिनों माननीय महेन्द्र सिंह जी ने इसके ऊपर उत्तर दिया है। माननीय सदस्य आप बैठें।

श्री जगत सिंह नेगी : अध्यक्ष महोदय, बार-बार दलितों के ऊपर अत्याचार हो रहा है। खाने-पीने के सारे बर्तन तोड़ दिए गए और धक्के मार कर बाहर निकाल दिया गया। अध्यक्ष महोदय, आप हमें अपनी बात रखने का मौका दें।

अध्यक्ष : आप बैठिए, हम आपको बात रखने का पूरा समय देते हैं। जब से सत्र शुरू हुआ है हम आपको पूरा समय दे रहे हैं। ...(व्यवधान) बैठिए।

श्री मुकेश अग्निहोत्री : अध्यक्ष महोदय, हमें बात तो रखने दें। आप ही ने कहा है कि प्रश्न काल के समाप्त होने पर ऐसे मामले उठाएं तो हम उठा रहे हैं। आप हमें बात तो रखने दें। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष : माननीय मुकेश जी, आप बैठिए। इतनी जल्दी आक्रोश में आने की आवश्यकता नहीं है। प्लीज़, आप बैठिए। ...(व्यवधान)

(कांग्रेस पार्टी के सभी माननीय सदस्य सदन में नारेबाज़ी करने लगे।)

02/03/2020/1500/NS/AG/3

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, आप बैठिए। इस सत्र का माहौल पिछले काफी दिनों से बढ़िया और सौहार्द्धपूर्ण बना हुआ है। ...(व्यवधान) आप बात सुनिए। माननीय सदस्य श्री जगत सिंह नेगी जी ने कहा कि प्वाईंट ऑफ ऑर्डर।

श्री जगत सिंह नेगी : अध्यक्ष महोदय, मैंने प्वाईंट ऑफ ऑर्डर नहीं कहा।

अध्यक्ष : फिर आपने क्या मांगा?

श्री जगत सिंह नेगी : अध्यक्ष महोदय, जो भी महत्वपूर्ण मामला है हम आपकी अनुमति के साथ इस माननीय सदन में रखेंगे।

अध्यक्ष : माननीय मुकेश अग्निहोत्री जी अपनी बात संक्षेप में कहें।

श्री मुकेश अग्निहोत्री : अध्यक्ष महोदय, मैं दो बातें कहना चाहता हूं। प्वाईंट ऑफ ऑर्डर इस माननीय सदन की लंबे अरसे से चली आ रही कंवैंशन है। यह पूर्णतया आपके विवेक पर निर्भर करता है। मैं समझता हूं कि आप प्वाईंट ऑफ ऑर्डर की कंवैशन को समाप्त

करने की तरफ नहीं बढ़ेंगे और माननीय विधायकों को जो मौका अपनी बात रखने का मिलता है आप उसको जारी रखेंगे। दूसरा, आपने कहा कि प्रश्न काल के बाद ही बात रखा करें। हम प्रश्न काल समाप्त होने के बाद बात रख रहे हैं इसलिए माननीय सदस्य को अपनी बात रखने दें।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य श्री नन्द लाल जी अपनी बात संक्षेप में रखें।

श्री नन्द लाल : अध्यक्ष महोदय, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद कि हमें यहां बोलने का मौका मिला। आप हमें ऐसे ही रोक रहे थे। यह बहुत ही निंदनीय अत्याचार हुआ है। मण्डी में देवता के नाम पर जातीय भेदभाव, घर में घुस कर देव भोज फैंका। किसी गरीब दलित ने अपने घर में देवता को बुलाया और बैठाया। जब खाने की तैयारियां हुईं तो वहां पर एक सज्जन जाते हैं और गाली-गलौज़ व जातिसूचक शब्द का इस्तेमाल करते हैं तथा चूल्हे में पानी गिराया जाता है व बर्तनों को तोड़ कर वहां से चले जाते हैं

श्री आर0 के0 एस0 द्वारा जारी।

02.03.2020/1505/RKS/AG-1

श्री नन्द लाल ठाकुर...जारी

यह एक प्रताड़ना ही नहीं है बल्कि समाज में एक गलत संदेश भी है। अगर आजादी के 70 वर्ष बाद भी हिन्दुस्तान का यह हाल है तो आज हम कहां जा रहे हैं? इस तरह का मामला मंडी जिला में शिवरात्री के मेले में हुआ है। कुछ दिन पहले इस तरह का खिलवाड़ ज़िला कुल्लु में स्कूल के बच्चों के साथ हुआ था। मैं यह कहना चाहता हूं कि क्या भाजपा इस मामले में संवेदनशील है? अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति के लोगों पर जो ये अत्याचार हो रहे हैं, क्या आप उनके बारे में विचार कर रहे हैं? एस.सी., एस.टी., एट्रोसिटीज एक्ट के तहत खाली एफ.आई.आर. दर्ज कर दी गई परंतु दोषियों के विरुद्ध अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। आप हमें इस विषय पर बोलने का मौका नहीं दे

रहे हैं। मैं यह जानना चाहता हूं कि क्या सरकार इस मामले में संवेदनशील है? ...(व्यवधान) That is the whole trouble. How you accept it?

अध्यक्षः माननीय सदस्य, आप चेयर को अड्रैस करें और कृपया अपनी बात संक्षेप में कह कर वाइंड-अप करें।

श्री नन्द लालः ...(व्यवधान) उधर भी तेरह सदस्य हैं, वे इस बात को महसूस कर रहे हैं। मैं यह कहना चाह रहा हूं कि इस पर सरकार ने संज्ञान तो ले लिया, एफ.आई.आर. भी दर्ज़ हो गई लेकिन इसका नतीजा क्या निकला? आप हमें बताएं कि मंडी और कुल्लू के केस में क्या हुआ है?

अध्यक्षः जैसा माननीय सदस्य, मुकेश अग्निहोत्री जी ने कहा कि प्वाइंट ऑफ ऑर्डर विशेषाधिकार है, इस बारे में मैं सभी माननीय सदस्यों को बताना चाहूंगा कि प्वाइंट ऑफ ऑर्डर नियमों की अवेहलना को लेकर होता है, चर्चा करने के लिए नहीं। चर्चा नोटिस देकर होती है। आपने कहा कि यह मामला इस सदन में आना चाहिए तो इसके लिए हमने माननीय सदस्य, श्री नन्द लाल जी को बोलने का मौका दिया है। अब सरकार की तरफ से माननीय मुख्य मंत्री जी इस पर अपना वक्त्व्य देंगे।

02.03.2020/1505/RKS/AG-2

मुख्य मंत्रीः माननीय अध्यक्ष जी, जहां तक इस मामले का संदर्भ है, यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। इस बात के लिए सबको स्पष्ट होने की आवश्यकता है। विपक्ष की ओर से कुछ लोग कह रहे थे कि ये भाजपा के लोग हैं। मैं आपको यह बताना चाहता हूं कि इन लोगों को किसी दल से जोड़ना उचित नहीं है। जब कोई आदमी समाज में इस तरह की हरकत करता है तो उसकी सिर्फ़ निंदा होनी चाहिए। अगर कोई आदमी गलत करता है तो उसे कानून के तहत सजा मिलनी चाहिए। पिछले कुछ अर्से से इस प्रकार की घटनाएं जिला मंडी, कुल्लू और अन्य जगहों में हुई हैं जो कि दुर्भाग्यपूर्ण हैं। कोई भी सदस्य चाहे वह सत्तापक्ष का हो या विपक्ष का, इन मामलों की एक स्वर में निंदा होनी चाहिए। आजादी

के 70 वर्ष बीत जाने के बावजूद भी जहां हम दुनिया को बहुत कुछ समझाने में लगे हुए हैं कि हम बहुत आगे निकल गए हैं, वहां आज हम पिछली कितनी सारी चीजों को साथ ढोए जा रहे हैं। इस पर हमें विचार करने की आवश्यकता है। आप एकदम कह देते हैं कि यह भाजपा के लोग हैं। आपको थोड़ी सब्र करनी चाहिए। शिवरात्री के दिनों में जो घटना घटित हुई, वह दुर्भाग्यपूर्ण है। यह घटना मेरे विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र से जो देवी-देवताओं के साथ लोग थे, उनके साथ घटित हुई है। आप पार्टी की बात कर रहे हैं। मैं इस बात को कहना नहीं चाहता था लेकिन वह व्यक्ति जिला परिषद् का सदस्य है और कांग्रेस पार्टी का पदाधिकारी है।

श्री बी.एस. द्वारा... जारी

02.03.2020/1510/बी.एस./ए.एम./-1

मुख्य मंत्री जारी....

इनके मण्डल और जिला का पदाधिकारी है। जिसके खिलाफ मामला दर्ज हुआ है। जिसको गिरफ्तार किया गया है। कृपया इन चीजों को ठीक करने की आवश्कता है और हमें मिल कर इनका हल तलाशना चाहिए।

श्री मुकेश अग्निहोत्री : कृपया दूसरी केस की भी बात कह दीजिए?

मुख्य मंत्री : दूसरे केस में भी मैं बताता हूं। जो तथ्य है वह तथ्य है, उन्हें झुठलाया नहीं जा सकता। विपक्ष की ओर से जोर-जोर से यह कहा गया कि भजपा-भाजपा, मनुवादी लोग इन शब्दों का प्रयोग हो रहा था। इसलिए मुझे यहां यह कहना पड़ रहा है। किसी भी चीज के बारे में लिखना एक बात है। मैं एक बात कहना चाहता हूं कि जो लिखा जाता है वह सत्य पर आधारित नहीं होता। यह आप मान करके चलिए।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य बीच में न बोलें। माननीय मुख्य मंत्री विषय पर बोल रहे हैं कृपया पूरी बात सुन लें।

मुख्य मंत्री : मैं इस बात की निंदा करता हूं। घटना चाहे किसी स्कूल में खिचड़ी बांटने के दौरान हुई हो चाहे किसी सार्वजनिक स्थान पर भोजन करती बार हुई हो। जो घटना कल घटित हुई यह तो और भी ज्यादा दुर्भाग्यपूर्ण हैं। मैं इसकी निंदा करता हूं। व्यक्ति चाहे किसी भी दल से संबंध रखता हो, कहीं का भी हो। इस घटना की निंदा होनी चाहिए। जातिप्रथा को समाप्त करने के लिए हम और आप मिल करके काम नहीं करेंगे तो आखिरकार इस समस्या को कैसे ठीक किया जा सकता है। इसलिए जो फैक्चुअल पोजिशन है उसे मैं माननीय अध्यक्ष महोदय के माध्यम से इस माननीय सदन को जानकारी देना चाहूंगा।

दिनांक 01.03.2020 को शिकायत कर्ता श्री चन्द्रमणि, पुत्र श्री नरपत, गांव त्रैमली, डा0 घर भ्रिखमणि, तहसील बल्ह, जिला मण्डी, ने एक शिकायत पत्र पुलिस थाना बल्ह, जिला मण्डी में दिया। जिसमें उसने अवगत करवाया कि दिनांक 01.03.2020 को उनके कुल देवता का कार्यक्रम था। जिसके लिए वह सुबह से नास्ते की तैयारी कर रहा था। दिनांक 29.02.2020 को आधी रात करीब 12.40 बजे नरेन्द्र कुमार पुत्र श्री देवकी, गांव त्रैमली,डा0

02.03.2020/1510/बी.एस./ए.एम./-2

भ्रिखमणी, तहसील बल्ह, जिला मण्डी, उनके घर आया तथा उसने उनके घर पर खाना खाने के लिए जलाई गई आग पर पानी फैंका व खाना बनाने के लिए रखी गई सामग्री को भी लात मारकर गिरा दिया। इसके बाद उसने खाना बनाने के लिए रखे गए व्यक्ति को भी लात से मारा और शिकायत कर्ता को जाति सूचक शब्द बोले व उसके बर्तन भी तोड़ दिए। जिस पर अभियोग संख्याः 62(2)2020 दिनांक 01.03.2020 जेल धारा 3 (1) आर.एस.सी.एस.टी. एक्ट पुलिस थाना बल्ह, जिला मण्डी में पंजीकृत हुआ है। अभियोग का अन्वेषण श्री अनिल पटियाल, उप-पुलिस अधीक्षक, जिला मण्डी द्वारा किया जा रहा है तथा आगामी अन्वेषण प्राथमिकता के आधार पर जारी है। इसमें जाति प्रमाण पत्र लिया जा रहा है। इसमें तसदीक जारी है और उसके बाद अभियुक्त को गिरफ्तार कर दिया जाएगा। इससे पहले जो मुकदमें दर्ज किए गए हैं दोंनों में ही तुरंत कर्रवाई की गई है। अभियुक्तों को गिरफ्तार भी किया गया है। यह भी मैं सदन को जानकारी देना चाहता हूं। अध्यक्ष महोदय,

मैं सिर्फ इतना ही कहना चाहता हूं कि यह सचमुच हम सब की चिंता है। हमें इसे ठीक करना चाहिए। इस प्रकार की घटनाएं नहीं घटित होनी चाहिए। मैं आज भी इस बात को कहता हूं कि जो व्यक्ति इस धरती पर आया है वह मनुष्य है और उसके साथ इस तरह का व्यवहार नहीं होना चाहिए। कौन व्यक्ति किस परिवार में जन्म लेता है यह ईश्वर के हाथ में होता है। इसलिए उसके साथ मानवीय दृष्टिकोण हमेशा अपनाना चाहिए वह चाहे किसी धर्म और जाति से संबंध रखता हो। हमारे समाज में जो कुरितियां है उन्हें समाप्त करने के लिए हमारी सरकार कृत संकल्प है। हम सुनिश्चित करेंगे कि ऐसी घटनाएं आने वाले समय में न हो और अगर होती है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई करेंगे। यह जानकारी में सदन को देना चाहता हूं।

02.03.2020/1510/बी.एस./ए.एम./-3

सदन के नेता द्वारा वक्तव्य

अध्यक्ष : अब माननीय मुख्य मंत्री इस सदन की शासकीय कार्यसूची से अवगत करवाएंगे। ...(व्यवधान)

श्री मुकेश अग्निहोत्री : माननीय अध्यक्ष महोदय, धक्के से माननीय सदन नहीं चलेगा।

अध्यक्ष : विपक्ष की पूरी बात को सुना गया है और माननीय मुख्य मंत्री महोदय का इस विषय पर उत्तर भी आ गया है। ...(व्यवधान)

श्री डी.टी.द्वारा जारी...

02.03.2020/1515/DT/AS-1

(कांग्रेस विधायक दल के सदस्यों ने **नारेबाजी करते हुए सदन से बहिर्गमन किया)**

अध्यक्षः मामला अख़बारों में छपा और यह सुबह मुझसे मिले थे। हालांकि नियमानुसार इन्होंने कोई नोटिस नहीं दिया था। उसके बावजूद भी यह विषय माननीय सदस्य के द्वारा

उठाय गया और माननीय मुख्यमन्त्री जी ने इस पर विस्तार से स्टेटमेन्ट दी है। मैं माननीय सदन के ध्यान में यह भी लाना चाहता हूं कि प्वाईंट-ऑफ-ऑर्डर, जिसका जिक्र यह कर रहें हैं, जहां नियमों की अवहेलना होती है वहां पर चर्चा के लिए प्वाईंट-ऑफ-आर्डर नहीं होता है। दूसरा, मैं माननीय सदन को यह भी अवगत करवाना चाहता हूं कि इसी प्रकार का Motion दो दिन पहले भी आया था और उस पर श्री महेन्द्र सिंह जी ने बड़े विस्तार से स्टेटमेन्ट दी थी। नियमानुसार इस Motion को आज अलाउड ही नहीं किया जा सकता । उसके बावजूद भी संवदेनशीलता को ध्यान में रखते हुए विषय रखा और माननीय मुख्य मन्त्री जी ने उस पर विस्तार से उत्तर दिया। इसलिए इस पर कोई स्पष्टीकरण नहीं बनता है। अब माननीय संसदीय कार्य मन्त्री श्री सुरेश भारद्वाज जी बोलेंगे।

संसदीय कार्य मन्त्रीः अध्यक्ष महोदय, सदन में जिस प्रकार का व्यवहार विपक्ष के द्वारा किया जा रहा है, यह निन्दनीय है और हम सब इसकी भर्त्सना करते हैं। जैसा पीठ से कहा गया है कि प्वाईंट-ऑफ-ऑर्डर,

व्यवस्था का प्रश्न होता है। प्वाईंट-ऑफ-ऑर्ड कन्वेनशन नहीं है। Point of Order is a Rule. लेकिन जब कोई बोल रहा है तो उसमें व्यवस्था की बात आती है तब वह प्रश्न उठाया जा सकता है। किसी चर्चा को मांगने के लिए नियम बने हैं। रूलस में और नियमानुसार अगर वह नोटिस पीठ से रिजैक्ट हो जाते हैं तो दूसरा उचित नोटिस उसमें दिया जा सकता है। आपने इनको संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए समय दिया और पूरा वक्त इनको बोलने के लिए दिया, इश्यू को उठाने के लिए दिया, माननीय मुख्य मन्त्री जी ने उस पर पूरा जवाब दिया। अब जब जवाब संतोषजनक आ गया और उसी स्टेटमेन्ट में लिखा है कि एफ0आई0आर0 दर्ज हो गई है और जाति प्रमाण पत्र लिया जा रहा है, जैसे ही वह मिलेगा उसमें कानून के अनुसार गिरफ्तारी हो जायेगी । तो कोई कारण नहीं था की सदन को इस प्रकार से छोड़ कर वाक-आउट पर केवल सुर्खियां बनाने के लिए जायें।

02.03.2020/1515/DT/AS-2

क्योंकि इनके पास कोई कारण नहीं है, कोई मुद्दा नहीं है। वास्तव में यह जो शब्दावली यूज करते है वह बहुत गलत तरीके की यूज करते हैं, कहते हैं तानाशाही नहीं चलेगी। तानाशाही तो यह कर रहें हैं। यह जबरदस्ती किसी बात को उठा कर सदन को बन्धक बनाना चाहतें हैं। यह राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर जितना मर्जी चाहें चर्चा कर सकते हैं। इसी इश्यू के ऊपर वह बात कर सकते हैं। इनके स्पीकर उसमें बोल सकते हैं। इनके पास कोई मुद्दा नहीं है। सरकार बहुत अच्छे प्रकार से चल रही है यह हर विषय पर संवेदनशील सरकार है। इसलिए इस प्रकार की जो कार्रवाई विपक्ष के मित्रों के द्वारा की गई है, मैं इसकी सख्त शब्दों में भर्त्सना करता हूं। यह सदन का पैसा है, आम जनता का पैसा है जो चर्चा के लिए होना चाहिए , जो डिबेटस के लिए होना चाहिए, जो डिसकशन के लिए होना चाहिए। वह अच्छे सुझाव सरकार को दें, इस प्रकार की व्यवस्था के लिए सदन चलता है। इसलिए यह जनता के साथ भी धोखा कर रहें हैं, जनता की बात उठाने की बजाय यह सदन छोड़कर जा रहें हैं। इसकी जितने कडे शब्दों में भर्त्सना की जाये उतनी कम है।

अध्यक्षः माननीय मुख्य मन्त्री महोदय।

मुख्य मन्त्रीः माननीय अध्यक्ष महोदय, यह सचमुच में बहुत दर्भाग्यपूर्ण है। जो हालात इस माननीय सदन में

श्री एन.जी. द्वारा... जारी

02-03-2020/1520/डी.सी.-एन.जी./1

मुख्य मंत्री जारी.....

विपक्ष के मित्रों द्वारा किया जा रहा है। माननीय संसदीय कार्य मंत्री श्री सुरेश भारद्वाज जी ने ठीक कहा कि जब सभी चीज़ों का जवाब यहां पर दे दिया गया है तो ये हल्ला क्यों कर रहे हैं। यह बात ठीक है कि विपक्ष की एक भूमिका बनती है और उसको निभाने के लिए इन्हें कोई रोक भी नहीं रहा है। अध्यक्ष महोदय, आपने इनको अनुमती दी है, नियम अलाउ

करते थे या नहीं लेकिन फिर भी आपने विपक्ष के माननीय सदस्यों को कहा कि आप अपनी बात कहिए। उसके बाद इन्होंने अपनी बात रखी भी और अपनी बात को रखते हुए इस प्रकार कोशिश की गई कि यह सारे काम हमारे दल के लागों द्वारा किए जा रहे हैं। यदि तथ्यों के आधार पर कोई मुद्दा उठाता है तो हम सब लोगों के लिए चिन्ता का विषय है और हम सब को मिलकर इसके बारे में चिन्तन करना चाहिए। विपक्ष में काफी अरसे से एक परिस्थिति बन गई है कि इन्हें सलाह देने वाला व्यक्ति कोई नहीं है। विपक्ष के लोगों में एक बात की होड़ लगी है कि अख़बरों में खबर कैसे बनाई जाए? विपक्ष सूर्ख होना चाहता है और सूर्खियों में रहना चाहता है। अख़बारों में विपक्ष की खबर तब बनेगी जब माननीय सदन में इस प्रकार का व्यवहार किया जाए और इसको अमर्यादित व्यवहार कह सकते हैं। विपक्ष को लगता है कि ख़बर तब बनेगी जब माननीय सदन से वॉकआउट किया जाए। इसलिए विपक्ष द्वारा जानबूझ कर और केवल ख़बर बनाने के लिए यह सब किया जा रहा है, मामले की संवेदनशीलता को लेकर कोई गम्भीरता नहीं है। विपक्ष की गम्भीरता केवल इस बात को लेकर है कि ख़बर बन गई और अगले दिन अख़बरों में फ्रंट पेज़ पर फोटो लग जाएगी कि हमने वॉकआउट कर दिया। अध्यक्ष महोदय, समस्या का समाधान यह नहीं है और यदि सही मायने में विपक्ष के लोग समाधान चाहते तो वे सारे विषय को लेकर हमारे साथ बैठते और अपनी बात कहते। जैसे हमने कहा कि सरकार की ओर से कतई भी ढील नहीं बरती जाएगी और सख्त से सख्त कार्रवाई होगी। अच्छा होता यदि वे भी हमसे कहते कि हम विपक्ष में है और सरकार को इस मामले में हम अपना सहयोग देना चाहते हैं।

02-03-2020/1520/डी.सी.-एन.जी./2

अच्छा होता यदि वे कहते कि कहीं भी इस प्रकार की घटना होती है तो वे राजनीतिक मकसद से अपनी बात नहीं कहेंगे और सरकार को अपना सहयोग देंगे। अच्छा होता यदि वे कहते कि ऐसे तत्व जो समाज को विघटित करने की कोशिश करते हैं उन पर कार्रवाई करने के लिए हम सरकार का सहयोग करेंगे। अध्यक्ष महोदय, मण्डी की शिवरात्रि में कौन लोग थे, मैं उन सभी बातों को यहां पर कहना नहीं चाहता लेकिन विवश होकर मुझे

इसलिए कहना पड़ा क्योंकि इन्होंने बोला कि वे भा.ज.पा. के लोग थे। वे पीछे से यही कह रहे थे और तब जाकर मैंने उस व्यक्ति का नाम लिया जो इनके दल का ही आदमी है, इनका ही पदाधिकारी है और हमारे विधान सभा क्षेत्र है। हम इन सब चीज़ों को छोड़ना चाह रहे हैं और जो हो गया सो हो गया लेकिन यह सब आगे घटित न हो और विषय केवल इतना है कि इसके लिए हम कैसे आगे बढ़ सकते हैं। मैं इस माननीय सदन में पिछले काफी अर्से से देख रहा हूं कि कोई गम्भीरता नहीं रह गई है इसकी वज़ह यह है कि विपक्ष में प्रतिस्पर्धा चल रही है। प्रतिस्पर्धा इस बात पर चल रही है कि सबसे पहले मामला कौन उठा लेगा और उस मामले में किसकी ख़बर लग जाए। हमारे मीडिया के मित्रों को फोन करके बोलते हैं कि यह मामला मैंने उठाया था तो इसमें मेरा फोटो भी लगना चाहिए और पहले पेज़ पर ख़बर लगनी चाहिए। ऐसी चीज़ों को लेकर मैं समझता हूं कि यह कोई समाधान नहीं है और यदि समधान है तो विपक्ष के लोग कहते कि अगर ऐसी घटनाएं होती हैं तो उनकी निन्दा होनी चाहिए और

श्रीमती एम.एस. द्वारा जारी.....

02/03/2020/1525/MS/DC/1

मुख्य मंत्री जारी-------

उसके लिए हम पूरा सहयोग देंगे और जो कार्रवाई आप करेंगे, उस कार्रवाई में आप निश्चित रूप से आगे बढ़िए। अगर ऐसी बात कहते तो हम उस बात की गम्भीरता समझते। अध्यक्ष जी, मैं पिछले कुछ समय से सदन के अन्दर और बाहर इस बात को देख रहा हूं कि गरिमा नाम की कोई चीज नहीं रह गई है। शब्दों का चयन हमने किस प्रकार से करना है, इस सारे विषय पर विपक्ष को सोचना चाहिए। अगर उनके स्वभाव में यह बात आ ही गई है कि गाली ही देनी है तो हम गाली सुनने के लिए विवश नहीं हैं। जवाब स्वाभाविक रूप से इधर से भी होता है। मैं अपने सभी साथियों का आभार व्यक्त करता हूं कि इन्होंने संयम और सब्र रखा तथा संयमित भाषा में जब भी अपनी बात को कहा तो तर्क के साथ कहा और कभी भी इस प्रकार का व्यवहार नहीं किया लेकिन विपक्ष जिस प्रकार से ये सारी चीजें करने की कोशिश कर रहा है, यह कोई बहुत अच्छा सन्देश बाहर नहीं जा रहा है। इनके मुंह से लेकर नीचे तक इनके व्यवहार में फ्रस्ट्रेशन की झलक देखी जा सकती है। पता नहीं

क्यों ये जल्दबाजी में हैं। अभी सरकार का केवल दो वर्ष का कार्यकाल बीता है। इनको इस बात को समझना चाहिए कि अभी तीन वर्ष का कार्यकाल बाकी है और यहां कुछ नहीं होने वाला है बल्कि इस तरह आप लोग अपनी सेहत ख़राब करके अपना बी0पी0 बढ़ाओगे। अगर आप लोग ऐसा ही व्यवहार करते रहेंगे तो आप अपने प्रदेश के लोगों के बीच में स्थिति हास्यास्पद बनाओगे। मैं यह कहता हूं कि यह कल्चर किसी दूसरे प्रदेश का हो सकता है क्योंकि हिमाचल प्रदेश संस्कारी प्रदेश है, देवभूमि है और इस देवभूमि हिमाचल प्रदेश में सभ्य लोग रहते हैं और सभ्य भाषा में बात करते और सुनते हैं तथा समझते हैं। इस तरह से चीख-पुकार कर बात कहना और जोर-जुल्म से ऐसी बातें कहना जैसे पता नहीं क्या कर दिया है, ऐसी बातों को कोई स्वीकार नहीं करता है। अगर स्वीकार करते तो उनकी स्वीकारिता पता नहीं कब बढ़ जाती। ऐसे में मैं समझता हूं कि इन्हें सब्र करना चाहिए। मुद्दा उठाने के लिए ये स्वतंत्र हैं लेकिन उसके बावजूद ऐसा नहीं होना चाहिए कि प्रत्येक विषय पर ये सदन से वॉकआउट करके बाहर चले जाएं। सदन से वॉकआउट करके बाहर मीडिया में ख़बर बनाने के लिए जाना और अपनी बात को ऐसे गलत तरीके से दर्शाना दुर्भाग्यपूर्ण है। तथ्य पर बात करे तो अच्छा लगता है लेकिन लगातार झूठ और असभ्य बोलना और इन सारी बातों को लेकर ...(व्यवधान) आप इनकी भाषा से अन्दाज़ा लगा सकते हैं।

अध्यक्षः माननीय सदस्यगण, बैठ जाइए।

02/03/2020/1525/MS/DC/2

मुख्य मंत्रीः अध्यक्ष जी, मैं तो यही कहना चाहता हूं कि भगवान इनको सद्बुद्धि दे। ...(व्यवधान) ये कैसे बात करते हैं?

अध्यक्षः सभी सदस्यगण बैठ जाइए। व्यवस्था तो सुनिए। प्लीज (पक्ष और विपक्ष)बैठ जाइए। सभी सदस्यगण बैठ जाइए। यह व्यवस्था मैंने सभी को दी है। सत्ता पक्ष वाले सदस्यगण बैठ गए हैं आप भी (विपक्ष) बैठ जाइए। ...(व्यवधान)

जारी जे0के0 द्वारा---

02.03.2020/1530/जेके/एचके/1

अध्यक्षः---जारी-----

...(व्यवधान)

(विपक्ष और सत्ता पक्ष के सभी माननीय सदस्य अपने-अपने स्थान पर खड़े हो कर नारेबाजी करते रहे।)

माननीय सदस्य प्लीज़ बैठ जाएं। ...(व्यवधान) प्लीज़ बैठ जाएं। सभी सदस्यों से मेरा निवेदन है कि प्लीज़ बैठिए। ...(व्यवधान) माननीय सदस्य, प्लीज़ मेरी बात सुनिए। ...(व्यवधान) प्लीज़ आप सभी लोग बैठ जाएं। ...(व्यवधान) माननीय सदस्य प्लीज़ मेरी बात की ओर गौर करें। पहले आप सभी लोग बैठ जाएं। सत्ता पक्ष और विपक्ष के सम्मानीय सदस्य मेरी बात सुनिए। ...(व्यवधान) एक तो आप लोग यहां पर कह रहे हैं कि विपक्ष की बात को दबाने की कोशिश हो रही है। यह आप लोगों को लगता है। ऐसी इस चेयर की कोई भावना नहीं है।

श्री एस.एस. द्वारा जारी----

02.03.2020/1535/SS-HK/1

अध्यक्ष क्रमागत :

...(व्यवधान) नेता विपक्ष जी, सुनिये। एक तो यहां विपक्ष को अपनी बात रखने का पूर्ण अधिकार है। ...(व्यवधान) सुनिये, आपको यहां पर अपनी बात रखने का पूर्ण अधिकार है। जब हम सभी को बात रखने का अधिकार है तो हम शांति बनाए रखें। शांति बनाए रखें और चर्चा में हिस्सा लें। ...(व्यवधान) बात सुनिये, जब आपने कहा कि एक संवेदनशील विषय है। ...(व्यवधान) ठाकुर जी, सुनिये। ज़रा इस चेयर की तरफ देखिये, मेरी तरफ नहीं। और कहा कि मामला संवेदनशील है तो नन्द लाल जी इस विषय को लाए। सरकार की तरफ से माननीय मुख्य मंत्री जी ने इस विषय के बारे में बड़े विस्तार से सारी बात यहां रखी। आपने कहा कि यहां हमारी बात नहीं सुनी जा रही है। धक्केशाही हो रही है। यहां पर

आपकी बात को सुना जा रहा है, कोई धक्केशाही नहीं है। जब आपने वाकआउट किया तो यहां पर संसदीय कार्य मंत्री, श्री सुरेश भारद्वाज जी का धर्म बनता है तो उन्होंने अपने विषय को स्पष्ट किया। प्रदेश की तरफ से माननीय मुख्य मंत्री जी का अधिकार बनता है तो उन्होंने सारे विषय को रखा। ...(व्यवधान) आप मेरी बात सुनिये। माननीय नेता प्रतिपक्ष महोदय, आप बैठिये तो सही। इतने अच्छे रिलेशन बनाकर रखते हैं आप बैठो तो सही। ...(व्यवधान) सबका अधिकार है। यह कुर्सी सभी को अधिकार देती है। आप बैठें।

श्री मुकेश अग्निहोत्री (हरोली): अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री जी प्रॅवोक कर रहे हैं।

अध्यक्ष : कोई प्रॅवोक नहीं कर रहे हैं। ...(व्यवधान)

शिक्षा मंत्री (संसदीय कार्य मंत्री) : आप जो बोल रहे हैं वह रिकॉर्ड में नहीं जा रहा है। आप बिना परमिशन के बोल रहे हैं। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष : ऐसा है, यह चेयर जब नाम लेती है तो उसके बाद ही माइक ऑन होता है।...(व्यवधान) मैंने आपसे बार-बार आग्रह किया है परन्तु नियमों के तहत आप बात सुनने के लिए तैयार नहीं हैं जो हमारी परम्पराएं बिल्कुल नहीं हैं। इस माननीय सदन का अगर अच्छा माहौल बनाना है तो जितनी सत्तापक्ष की जिम्मेवारी है उतनी जिम्मेवारी आपकी भी है। जब आप सभी का तालमेल ठीक होगा तभी यह सत्र आगे बढ़ेगा। आप हमारे व्यवहार से देख रहे हैं और देख सकते हैं कि आपको हमने पूरा मौका दिया है। परन्तु मुझे यह लग रहा है कि जिस

02.03.2020/1535/SS-HK/2

तरीके से यहां पर माहौल है तो इस गतिरोध को हम यहीं समाप्त करते हैं। अब मैं माननीय मुख्य मंत्री जी से निवेदन करता हूं कि आप इस सप्ताह की शासकीय कार्यसूची से अवगत करवायें।

जारी श्रीमती के0एस0

02.03.2020/1540/केएस/वाईके/1

साप्ताहिक शासकीय कार्यसूची बारे वक्तव्य

मुख्य मंत्रीः अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदन को इस सप्ताह की शासकीय कार्यसूची से अवगत करवाता हूं जो इस प्रकार हैः-

सोमवार, 02 मार्च, 2020 (1) शासकीय/विधायी कार्य।
(2) राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव-चर्चा।
मंगलवार, 03 मार्च,2020 (1) शासकीय/विधायी कार्य।
(2) राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव-चर्चा।
बुधवार,, 04 मार्च,2020 (1) शासकीय/विधायी कार्य।
(2) राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव-चर्चा एवं पारण।
वीरवार, 05 मार्च, 2020 (1) शासकीय/विधायी कार्य।
(2) गैर सरकारी सदस्य दिवस।

शुक्रवार, 06 मार्च, 2020 बजट अनुमान वित्तीय वर्ष 2020-2021-प्रस्तुतीकरण

02.03.2020/1540/केएस/वाईके/2

राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा

अध्यक्षः अब राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर आगे चर्चा होगी। कर्नल इन्द्र सिंह जी इस चर्चा में हिस्सा लेंगे।

कर्नल इन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण पर हो रही चर्चा में हिस्सा लेने के लिए खड़ा हुआ हूं। आपने मुझे समय दिया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण से साफ लगता है कि जय राम ठाकुर जी की सरकार विकास के पथ पर अग्रसर है। इससे यह भी आभास हो रहा है कि सरकार सब का साथ,

सब का विकास, सब का विश्वास, इस मूल मंत्र के साथ प्रदेश में चहुंमुखी विकास कर रही है और निश्चित तौर पर जनता ने सरकार की योजनाओं को सराहा है और अपनाया है।

अध्यक्ष महोदय, जो ऐतिहासिक और साहसिक निर्णय सरकार ने लिए, वह चाहे धारा 370 हटाने की बात हो, मंदिर निर्माण के रास्ते को प्रशस्त करने की बात हो या सिटिजन अमैंडमैंट एक्ट लागू करने की बात हो, इन महत्वपूर्ण विषयों को महामहिम के अभिभाषण में लेने के लिए मैं माननीय मुख्य मंत्री जी का धन्यवाद करता हूं। इससे हमारे विपक्ष के कुछ मित्रों को थोड़ी पीड़ा भी हुई है लेकिन मैं समझता हूं कि ज्यादा पीड़ा इनको इस बात से हो रही है कि माननीय जय राम ठाकुर जी की सरकार इतना अच्छा क्यों कर रही है? जनहित में नई-नई योजनाएं कैसे लाँच हो रही है। अध्यक्ष महोदय, हमारे विपक्ष के मित्र कहते हैं कि सरकार ने कुछ भी नहीं किया। यह नैगेटिविटी कब जाएगी, पता नहीं।

अध्यक्ष महोदय, जय राम ठाकुर जी की सरकार ने "गृहिणी सुविधा योजना" के तहत प्रदेश में तकरीबन 2,76,000 पात्र परिवारों के लिए निशुल्क गैस कनैक्शन दिए। मैं विपक्ष से पूछना चाहता हूं कि क्या यह कोई काम नहीं है? हर घर में गैस का कनैक्शन दिया गया, हर घर को धूंआ रहित बनाया गया। हम सभी जानते हैं कि हर घर में लकड़ी जलाने के लिए कम से कम एक पेड़ अवश्य कटता था। इतने पेड़ बचे

02.03.2020/1540/केएस/वाईके/3

हैं, पर्यावरण सही हुआ है, इतना बड़ा काम ठाकुर जय राम जी की सरकार ने किया है, जिसके लिए मैं अपनी सरकार को, मुख्य मंत्री जी को बहुत-बहुत बधाई देता हूं।

अध्यक्ष महोदय, जनमंच के बारे में इस माननीय सदन में विस्तार से बात हो चुकी है लेकिन मैं यह कहना चाहता हूं कि जनमंच शिकायत निवारण के लिए एक बहुत अच्छा टूल मिला है जिसके माध्यम से हर समस्या का तुरंत समाधान किया जाता है। अभी तक 45,708 शिकायतें आई हैं जिनमें से 41,698 शिकायतों का निपटारा किया जा चुका है जो कि

लगभग 91 परसेंट बनता है। अगर समाज का 91 परसेंट सैटिसफैक्शन लैवल है तो इससे बढ़िया बात और क्या हो सकती है

श्रीमती अ0व0 द्वारा जारी

02.03.2020/1545/av-yk/1

कर्नल इन्द्र सिंह--------- जारी

इसी के साथ सी0एम0 हैल्पलाइन जुड़ी हुई है जो कि टोल फ्री है और केवल 1100 डायल करने पर अपनी शिकायत रिकॉर्ड करवाई जा सकती है। शिकायत करने पर आपके पास सरकारी अधिकारी आयेंगे और आपकी समस्या का निवारण होगा। इसके माध्यम से अभी तक कुल मिलाकर के 33275 समस्याओं का निवारण हो चुका है। इसी तरह से जहां तक प्रदेश की जनता के स्वास्थ्य की बात है तो केंद्र सरकार की आयुष्मान योजना के तहत हिमाचल प्रदेश की एक तिहाई जनसंख्या इसके अंदर आती है और प्रत्येक परिवार हर साल 5 लाख रुपये का उपचार निःशुल्क करवा सकता है। इस योजना के तहत अभी तक लगभग 51813 लोगों ने लाभ उठाया है और इस पर केंद्र सरकार द्वारा अभी तक करीब 51.34 करोड़ रुपये का व्यय किया गया है। हमारे मुख्य मंत्री जी ने प्रदेश की जनता को और ज्यादा स्वास्थ्य लाभ देने के लिए हिम केयर बीमा योजना शुरू की है जिसके तहत स्लाइडिंग स्केल पर जीरो से लेकर के एक हजार रुपये तक का प्रीमियम देना होता है। इस योजना के तहत अभी तक प्रदेश के लगभग 65807 लोगों ने अपना उपचार करवाया है जिसके तहत प्रदेश सरकार ने 7. 91 करोड़ रुपये व्यय किए हैं। यहां पर सहारा योजना का भी जिक्र हुआ। इस योजना के तहत बैड रिडन लोग यानी जो पूर्ण रूप से दूसरों पर निर्भर होते हैं उनके बारे में अगर किसी ने सोचा है तो हमारे माननीय मुख्य मंत्री जी ने सोचा है और उनके प्रति संवेदनशीलता दिखाई है। ऐसे लगभग 3700 लोग हैं जिनको हर महीने दो हजार रुपये की वित्तीय सहायता दी जा रही है और मैं समझता हूं कि माननीय मुख्य मंत्री जी की तरफ से यह बहुत ही सराहनीय कार्य किया जा रहा है। हमारा प्रदेश जब बना था तो यह राज्य फाइनेंशियली वायबल नहीं था और हमारी इकॉनोमी जनरली मनी ऑर्डर इकॉनोमी हुआ करती थी। लेकिन स्टेट के पास पोटेंशियल बहुत ज्यादा था। And those

who were at the helm of affairs they never bothered to exploit those potentials. और उन्होंने कर्ज़ लेने का एक सॉफ्ट ऑप्शन लिया कि कर्ज़ लो और अपना काम चलाओ। यहां पर माननीय सदस्य श्री सुभाष ठाकुर जी और राजिन्द्र गर्ग जी बैठे हैं। इनको जानकारी होगी कि बिलासपुर कोट-कहलूर से श्रीमती गम्भरी देवी बहुत बढ़िया गायिका हुआ करती थी। उस समय के शासन और

02.03.2020/1545/av-yk/2

वातावरण को देखकर के वह गाया करती थी कि "खाना-पीना नंद लेनी ओ गम्भरिए"। ये खाते-पीते थे, आनंद लेते थे और कर्ज़ा बढ़ाकर चले जाते थे। हम माननीय मुख्य मंत्री जी का इस सोच के लिए धन्यवाद करते हैं कि प्रदेश को अगर आर्थिक रूप से आत्म निर्भर बनाना है तो यहां पर बाहर से इंवैस्टमैंट होनी चाहिए। अगर बाहर से इंवैस्टमैंट करवानी है तो आप अपने आपको शोकेस कीजिए। हम माननीय मुख्य मंत्री जी और उद्योग मंत्री जी का धन्यवाद करते हैं कि इन्होंने अपने आपको शोकेस किया और धर्मशाला में ग्लोबल इंवैस्टर मीट हुई जिसमें बहुत सारे इंटरप्रेन्योर्ज ने आकर के हिस्सा लिया तथा लगभग 97700 करोड़ रुपये के एम0ओ0यू0 साइन हुए व उसके तहत 1.96 लाख रोज़गार प्रस्तावित किए। उसके दो महीने के अंदर-अंदर वहां पर ग्राउंट ब्रेकिंग हुई जिसमें 13650 करोड़ रुपये के 240 एम0ओ0यू0 धरातल पर आए। अगर हम कुछ करें तो आप नाराज़ होते हैं और न करें तो भी आप नाराज़ होते हैं। यह सब करना आवश्यक था मगर फिर भी विपक्ष वाले कहते हैं कि बहुत खर्चा हुआ और इतना खर्चा नहीं होना चाहिए था। यदि आपने अपने आपको इस तरह से शोकेस करना है और दुनिया को दिखाना है तो इस प्रकार का खर्चा करना पड़ता है।

टी सी द्वारा जारी

02.03.2020/1550/टी0सी0वी/ए0जी0-1
कर्नल इन्द्र सिंह ... जारी

मेरे ख्याल में आपकी जो यह dog in the manger policy है यह ज्यादा दिन तक नहीं चलेगी। You have to come out and face the world. मैं माननीय मुख्य मंत्री और माननीय जल शक्ति मंत्री जी का धन्यवाद करना चाहूंगा कि इन्होंने हर घर और हर घर की रसोई को नलका उपलब्ध करवाने के बारे में सोचा है। यह कितनी बड़ी सोच है। इसके अंतर्गत आपने 327 योजनाओं को मंजूर करवाया और 2,896 करोड़ रुपये केन्द्र से इस मिशन के तहत आये हैं। इसके लिए मैं पुनः आपको धन्यवाद करता हूं। कर्नल शांडिल जी ने कहा कि यू0पी0ए0 सरकार ने किसानों का लगभग 72000 करोड़ रुपये का कर्ज़ा माफ किया है लेकिन कर्ज़ा माफ करना इसका समाधान नहीं है क्योंकि इसका कोई अंत नहीं होता है। इसके साथ ही आप डिपैंडेंसी स्ट्रोम को भी बढ़ावा दे रहे हैं। हम माननीय प्रधान मंत्री जी के आभारी हैं जिन्होंने किसानों को फाइनैंशियल इम्पावरमैंट दी। हर किसान को 6000/- रुपये 2-3 किस्तों में दिया, उससे उनकी फाइनैंशियल इम्पावरमैंट बढ़ी है। इससे हिमाचल प्रदेश में 8,44,784 किसानों को 597 करोड़ रुपये का लाभ हुआ। मेरे ख़्याल में यह योजना उससे ज्यादा इफैक्टिव है।

यहां पर कर्ज़े की बात हुई कि सरकार कर्ज़ा ले रही है। मैं आपको पिछले 5 साल के बारे में बताना चाहता हूं कि आपने कितना कर्ज़ा लिया? आप हैरान होंगे, जब आप पिछली बार सत्ता में आये तो राज्य के ऊपर 26,494/रुपये का कर्ज़ा था और जब आप गये तो 47,900/- करोड़ रुपये का कर्ज़ा छोड़ गये। 5 सालों में आपने प्रदेश के ऊपर 21,415/- करोड़ रुपये का कर्ज़ा किया। आप हमारी तरफ कैसे अंगुली उठा सकते हैं? मैं यह मानता हूं कि हिमाचल प्रदेश की कोई भी सरकार बिना कर्ज़े के काम नहीं चला सकती है लेकिन कर्ज़ा कम करने की दिशा में हम काम कर सकते हैं और हम कर्ज़े का सही उपयोग कर सकते हैं। इस दिशा में विचार करने की जरूरत है।

02.03.2020/1550/टी0सी0वी/ए0जी0-2

(श्री रमेश चंद ध्वाला, माननीय सभापति पदासीन हुए)

मैं ठाकुर राम लाल जी से सहमत हूं , इन्होंने नशे की बात की है। हिन्दुस्तान की 65 प्रतिशत आबादी 35 वर्ष की आयु से नीचे की है। We are the youngest country in the world age-wise. इतना बड़ा ह्यूमन रिसोर्स हमारे पास है और दुनिया की नज़र है कि इस ह्यूमन रिसोर्स को कैसे बिगाड़ा जाये? एक अंतर्राष्ट्रीय षड़यंत्र के तहत एक रास्ता ढूंढ़ा गया है कि यहां के लोगों को नशैडी बना दो। हिमाचल प्रदेश का युवा भी नशे से खोखला हो रहा है। इसके लिए हम सबको मिलजुल कर काम करना चाहिए। लॉ एण्ड इंफोर्सिंग एजेंसी से भी मेरा अनुरोध है कि you catch the career, but don't forget the source. Source must be caught at the same time so that nip the evil in the bud type काम हों।

आदरणीय सिंघा जी ने यहां वैकेंसियों की बात की है, इनका रिकार्ड पुराना लगता है and when we correlate those vacancies on the ground it doesn't match. लेकिन फिर भी इसके लिए जिम्मेवार कौन है? यहां पर बड़े जोर-शोर से कहा गया कि बहुत स्कूल खोल दिए। You opened up so many institutions without any financial backing. आपने बिना सोचे-समझे, बिना किसी मापदंड के कितनी वैकेंसिज़ क्रियेट कर दी है, उनको भरना क्या आसान है? यदि सबसे ज्यादा रोज़गार किसी ने दिया है तो भारतीय जनता पार्टी की सरकार, माननीय मुख्य मंत्री, श्री जय राम ठाकुर जी ने दिया है। यदि आप आंकड़े देखेंगे लेकिन सिंघा साहिब जो आउट सोर्स में रखें हैं, आपने वे अकाउंट नहीं किए हैं अगर आप उनको अकाउंट करेंगे तो हमारी स्थिति कुछ अलग होगी। इन्होंने 3600 लोगों को एक्सटैंशन दी है यह कोई ठीक बात नहीं है। (...व्यवधान) हमने 300 पटवारी लगाये हैं और उनके बारे में माननीय मुख्य मंत्री जी ने आपको ठीक-ठाक से समझाया है।

एन0एस0 द्वारा ... जारी ।

02/03/2020/1555/NS/AG/1

कर्नल इन्द्र सिंह ..... जारी

सभापति महोदय, हिमाचल प्रदेश शिक्षा का हब है। यहां पर हर प्रकार की शिक्षा अवेलेबल है। We have seven medical colleges जिसमें 2600 छात्र पढ़ रहे हैं। ...(व्यवधान) । agree with you. ...(interruption) इंस्टीच्यूशन देना अलग बात है और चलाना अलग बात है। चला कौन रहा है that is more important. आप खोल कर और फट्टा लगा कर चले गए। Chalana is more important than opening an institution with fattas without any

financial backing. मैं जय राम ठाकुर जी का धन्यवाद करता हूं जिन्होंने ये कॉलेज़ चलाए हैं और आज इनमें 2600 विद्यार्थी पढ़ रहे हैं। उनमें से 1900 छात्र हिमाचल प्रदेश के हैं।

सभापति : माननीय सदस्य नन्द लाल जी, बैठे-बैठे कमैंट न करें।

कर्नल इन्द्र सिंह : आपको दो-तीन साल बाद 700 डॉक्टर्ज़ हर साल मिला करेंगे। सरकार ने उनकी इम्पलायमैंट की व्यवस्था साथ में करनी है। मण्डी में आई0आई0टी0 है और हिंदुस्तान की सातवीं आई0आई0टी0 है। हिमाचल प्रदेश में एन0आई0टी0 भी है। यहां पर हर प्रकार की शिक्षा अवेलेबल है। इसके लिए हम माननीय शिक्षा मंत्री जी का धन्यवाद करते हैं कि ये सारी सुविधाएं हिमाचल प्रदेश में उपलब्ध हैं।

सभापति महोदय, सुजानपुर टीहरा में एक सैनिक स्कूल है। यह हिंदुस्तन का बैस्ट सैनिक स्कूल है और बैस्ट रन सैनिक स्कूल है जो मैक्सिमम कैडेट एन0डी0ए0 को देता है। पिछले कई सालों से इसको फर्स्ट प्राइज़ नैशनल अवार्ड मिल रहा है। इसके लिए मैं माननीय मुख्य मंत्री व माननीय शिक्षा मंत्री जी का धन्यवाद करता हूं।

सभापति महोदय, मैं एक बात और कहना चाहता हूं। We have very high talented retired Army Officers. आपको जान कर खुशी होगी कि छोटा-सा प्रदेश है और इस प्रदेश के दो लेफ्टिनैंट जनरल जिन्होंने नॉर्दन और सर्दन आर्मी कमांड किया तथा ये दोनों संवेदनशील कमांडज़ हैं आज रिटायर्ड बैठे हैं। मैं यहां पर लेफ्टिनैंट जनरल बी0एस0 जसवाल का नाम लेना चाहता हूं जो टी0वी0 पर अपना प्रोग्राम देने आते हैं और स्ट्रेटज़िक रिपोर्टिंग करते हैं। हमें उनकी सर्विसीज़ का इस्तेमाल करना चाहिए। Northern Command is the only active Command. We are proud that one Himachali has commanded that Command. I think he should be given something. He can be an asset to the State in the field of tourism. That is my submission.

02/03/2020/1555/NS/AG/2

सभापति महोदय, यहां पर एक बात और हुई। किसी ने कहा कि भारत कैसे बना? भारत बना सरदार पटेल जी की वज़ह से उनकी कूटनीति से बना और carrot-and-stick उन्होंने दोनों चलाई। Listen to me. जो साथ मिल गए वे केरेट और जो नहीं मिले उनको स्टिक। हैदराबाद को स्टिक मिली। जूनागढ़ का नवाब स्टिक के डर से ही पाकिस्तान भाग गया और जूनागढ़ मिल गया। जम्मू और कश्मीर तत्कालीन प्रधान मंत्री आदरणीय जवाहर लाल नेहरू

जी ने अपने पास रखा तथा आज जो हम बलीड हो रहे हैं we are bleeding because of that mistake/blunder committed at that point of time.

सभापति महोदय, यहां पर एम0एल0ए0 प्रतिष्ठा की भी बात हुई। आप जब उस तरफ जाते हैं you become wiser और जब इस तरफ आते हैं तो अपने रंग में मस्त हो जाते हैं। आपके सामने मैं खड़ा हूं और मुझे उस समय तत्कालीन मुख्य मंत्री ने स्टेज़ पर बैठने नहीं दिया, खड़े होने नहीं दिया और बोला गया कि यह फंक्शन पार्टी का फंक्शन है then I asked him how DC, SP and other officers come who are sitting here. Are they members of their Party? Then I was told to be out from that place. That is the type of respect he used to give to us while we were in the Opposition and you were on the Treasury Benches. You have no right to say that. हमारे मुख्य मंत्री जी बिल्कुल संवेदनशील हैं और सबको देते हैं। सभापति महोदय, मैं पट्टिका में एक स्कीम लाया

श्री आर0 के0 एस0 द्वारा जारी।

02.03.2020/1600/RKS/AS-1

कर्नल इन्द्र सिंह ...जारी

लेकिन उस स्कीम की पट्टिका में उस व्यक्ति का नाम लिखा गया जिसको इस स्कीम का कुछ पता ही नहीं था। सभापति महोदय, यह दस्तावेज़ वर्तमान सरकार के दो वर्षों की उपलब्धियों का लेखा-जोखा है। यह एक ओथैंटिक दस्तावेज़ है और इसमें प्रदेश की सही स्थिति को दर्शाया गया है। जैसे आप सदन में पेपर हिलाते हैं यह कोई वैसा हिलाने वाला पेपर नहीं है। सभापति महोदय, मैं राज्यपाल महोदय के अभिभाषण का समर्थन करता हूं और आपने मुझे बोलने का मौका दिया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

02.03.2020/1600/RKS/AS-2

सभापतिः अब माननीय सदस्य श्री हर्षवर्धन चौहान जी चर्चा में भाग लेंगे।

श्री हर्षवर्धन चौहान (शिलाई)ः सभापति महोदय, जो माननीय बलबीर सिंह जी ने राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया और श्री राकेश जम्वाल जी ने जो इसका अनुसमर्थन किया है, मैं इस पर चर्चा करने के लिए खड़ा हुआ हूं। इस धन्यवाद प्रस्ताव पर मुझ से पूर्व बहुत सारे वक्ताओं ने अपनी बात कही है। हम कर्नल इन्द्र सिंह जी को भी बड़े गौर से सुन रहे थे। मैं पांचवीं बार इस सदन में आया हूं। राज्यपाल के अभिभाषण का एक स्टैंर्ड होता है। इस अभिभाषण में बड़ी-बड़ी बातें लिखी जाती हैं। मगर जब हमने इस अभिभाषण को पढ़ा और जैसा माननीय राकेश सिंघा जी ने कहा कि सिंधी गाय, जर्सी गाय और आई.टी.आई. में छोटे-छोटे ट्रेड्स इत्यादि सभी चीजों का इस अभिभाषण में ज़िक्र किया गया है। राज्यपाल महोदय, इस अभिभाषण को बड़े कष्ट से पढ़ रहे थे और मुझे बड़ी हैरानी हुई जब उन्होंने इस अभिभाषण में 370 और सिटीजनशिप अमैंडमैंट एक्ट का उल्लेख किया। हमें ऐसा लग रहा था कि यह अभिभाषण लोक सभा में हो रहा है। हम यह सुनकर हैरान थे कि यह उपलब्धि प्रदेश सरकार की है या केंद्र सरकार की? जब आपके पास कोई उपलब्धि नहीं थी, कुछ लिखने के लिए नहीं था तो आपने इसमें इन चीजों का उल्लेख क्यों किया। मैं आपसे यह जानना चाहूंगा कि 370 हटने से हिमाचल प्रदेश को क्या लाभ हुआ? ...(व्यवधान) आप खुश हो रहे हैं कि आपने किसी राज्य को कोई चीज़ दी है और उसे आपने वापिस ले लिया। ...(व्यवधान) यह नेशनल इश्यू नहीं है, यह भारतीय जनता पार्टी का इश्यू है। यह भारतीय जनता पार्टी का एजेंडा है। आज इस देश का दुर्भाग्य है कि आप हर चीज़ को राष्ट्र के साथ जोड़ते हैं। हर चीज़ को भारत माता से जोड़ते हैं। ...(व्यवधान) अगर आपसे कोई प्रश्न पूछता है तो आप कहते हैं कि आप भारत विरोधी हैं। ...(व्यवधान) हिन्दुस्तान में 29 राज्य थे, आपको 30 राज्य बनाने चाहिए थे परंतु आपने 29 की जगह 28 राज्य बना दिए। आज जम्मू-कश्मीर की क्या स्थिति है? आपने पिछले 6 महीनों से जम्मू-कश्मीर के तीन पूर्व मुख्य मंत्री क्यों बंद करके रखे हैं?

श्री बी.एस. द्वारा... जारी

02.03.2020/1605/बी.एस./ए.एस./-1

श्री हर्षवर्धन चौहान जारी....

आपने जम्मू-कश्मीर के तीन पूर्व मुख्य मंत्रियों को छह महीने से क्यों बंद करके रखे हैं। सभापति महोदय, मैं जब राज्यपाल के अभिभाषाण को पढ़ रहा था, इसमें लिखा है सिटीजन अमैंडमैंट एक्ट। मैंने देखा यह तो अधूरा है इसके आगे आपने क्यों नहीं लिखा कि सिटीजन अमैंडमैंट एक्ट लागू होने के बाद नार्थइस्ट में एक महीने में आग लगी है। मैं सत्तापक्ष से पूछना चाहता हूं कि दिल्ली में क्या हा रहा है, दिल्ली तीन दिन तक जलती रही। प्रधानमंत्री, गृह मंत्री सब सोए रहे। आपके नाक के नीचे दिल्ली जलती रही। दिल्ली में 48 लोग मारे गए, 500 से ज्यादा घायल हुए जिसमें हिन्दू भी हैं मुसलमान भी हैं और न्यूज एजेंसी कहती है कि 2020 में जो दिल्ली के हाल हुए उतने 1984 के दंगों में भी नहीं थे। आपने क्यों नहीं उन्हें रोका, आप क्या कर रहे थे? यहां पर माननीय सदस्य बलबीर सिंह जी ने जिक्र किया, बहुत अच्छे वक्ता हैं, मैं इनकी बहुत इज्जत करता हूं। इन्होंने कहा कि इस देश को आजाद करने में केवल कांग्रेस पार्टी का ही योगदान नहीं है, इन्होंने लक्ष्मी बाई का भी जिक्र किया। मैं बिल्कुल मान रहा हूं कि उनका योगदान हैं और यह भी कहना चाहता हूं कि कांग्रेस का ही नहीं बहुत सारे लोगों का इस देश को आजाद करने में योगदान रहा है परंतु मैं आप से पूछना चाहता हूं कि आपका देश को आजाद करवाने में क्या योगदान है? आर.एस.एस. का क्या योगदान है? सभापति महोदय, मैंने एक बार पहले भी यहां पर जिक्र किया था। उस वक्त भारतीय जनता पार्टी नहीं थी। उस वक्त आर.एस.एस. थी, आर.एस.एस. के लोग क्या करते थे? वे लोग निक्कर पहनकर हवा में डंडे चलाते थे। आपने उस वक्त अंग्रेजों पर डंडे क्यों नहीं चलाए? ...(व्यवधान) आज आप इस देश के सबसे बड़े भक्त बन रहे हो। अगर आज आपसे कोई प्रश्न पूछता है तो आप उसे देशद्रोही कह देते हैं और कह देते हैं कि यह पाकिस्तान का समर्थक है, मुसलमानों का समर्थक है। क्या आज प्रजातंत्र में प्रश्न नहीं पूछ सकते, क्या यहां पर तानाशही है? मैं यह सारी बाते नहीं कह रहा यह बातें आपके पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष आदरणीय लाल कृष्ण अडवाणी जी द्वारा लिखी गई किताब "माई कन्ट्री माई लाइफ" में लिखा गया है कि आर.एस.एस. का देश को आजादी दिलाने में कोई 02.03.2020/1605/बी.एस./ए.एस./-2योगदान नहीं था। हम केवल आर.एस.एस. की शाखाएं चलाया करते थे जिसमें हम हिन्दुत्व का प्रचार करते थे। ...(व्यवधान) मैंने यह किताब सभापटल पर रखी है और यह

बात सबको पता है, कृपया आप भी पढ़ा कीजिए। सभापति महोदय, जब में इस अभिभाषण को पढ़ रहा था।

02.03.2020/1605/बी.एस./ए.एस./-2

श्री राकेश पठानिया : सभापति महोदय, यहां पर किताब को ले किया जाए नहीं तो इन शब्दों को एक्सपंज किया जाए।

श्री हर्षवर्धन चौहान : मैं इस माननीय सदन में पहले ही किताब को ले कर चुका हूं। मैं यह कहना चाहता हूं कि माननीय मुख्य मंत्री जी दिल्ली जाते हैं बहुत चक्कर लगाते हैं। हम सोचते हैं कि कोई फाइनैंशियल पैकेज आएगा परंतु कुछ नहीं आया, हमें लगता है कि शायद इन्डस्ट्रियल पैकेज आएगा, वह भी नही आया। आपने इन्वैस्टर मीट धर्मशाला में की, बहुत अच्छी बात है परंतु उस इन्वैस्टर मीट में मोदी जी कहते हैं कि हिमाचल प्रदेश मेरा घर है, अगर वे इन्डस्ट्रियल सैक्टर में रियायते करते तो हम आपका भी धन्यवाद करते।

श्री डी.टी.द्वारा जारी...

02.03.2020/1610/DT/DC-1

श्री हर्षवर्धन चौहानः जारी ..

सभापति महोदय, हम धन्यवादी है स्व0 श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी के उनका घर मनाली में था , हर साल जब वह इस प्रदेश में आते थे तो हज़ार-हज़ार करोड़ की घोषणायें करते थे। हम में से बहुत कम लोग उस समय इस माननीय सदन के सदस्य होंगे। सभापति महोदय, उस समय आप तो मन्त्री थे और हम सब उस समय अटल बिहारी जी का धन्यवाद करके आये। ऐसा पैकेज, ऐसी चीज़ जो हिमाचल प्रदेश के लिए आयेगी तो हम उसका धन्यवाद करेंगे। आप जिक्र करते हैं रेलवे लाईन का उसकी एक्सपेंशन का। रेलवे लाईन का क्या हाल है? यह प्रश्न भी पूछा गया था कि अगर हिमाचल की सरकार

लैण्ड एक्वेजिशन के लिए पैसा देगी तो रेलवे के प्रोजैक्ट आगे बढ़ेंगे। इसका मतलब तो यह है कि रेलवे के प्रोजेक्ट आगे नही बढेंगे। आप कांगड़ा एयर स्ट्राइप्स की बात करते हो, आप कुल्लू एयर स्ट्राइप्स की बात करते हो, आप शिमला एयर स्ट्राइप्स की बात करते हो, आपका पैसा कहां आया। आप कहते हो की प्रोजेक्ट पाईपलाईन में है, मुख्य मन्त्री जी तो चले गये, जब हम पहले साल में प्रश्न पुछते तो कहते थे की हमें तो सरकार में आये हुए एक साल भी नहीं हुआ। जब हम दूसरे साल पुछते तो बोलते थे कि अभी तो दो साल ही हुए हैं। अब तो तीसरा साल हो गया है। तीसरे साल में तो जमीन में कुछ आना चाहिए। मैं, महेन्द्र सिंह जी को परेशान नहीं करूंगा क्योंकि यह मुकेश अग्निहोत्री जी से बड़े परेशान हुए। मुख्य मन्त्री जी कह रहे थे की बी0पी0 हाई हो रहा है। मैं तो देख रहा हूं कि महेन्द्र सिंह जी का बी0पी0 भी हाई हो रहा है। हमारे बड़े भाई हैं आप। सभापति महोदय, बहुत सारी बातें हैं, जैसे अभी जिक्र किया गया कि क्राइम रेट हिमाचल में बड़ गया। दलितों में अत्याचार बड़ गया। जब से विधानसभा का यह सत्र लगा है दलितों के खिलाफ बड़े-बड़े केसिज़, जिनका उल्लेख जगत सिंह नेगी जी ने भी किया, श्री नन्द लाल जी ने भी किया। आज हिमाचल प्रदेश में दलितों के साथ क्या हो रहा है? आज महिलाओं के ऊपर अत्याचार की घटनाऐं बढ़ रही है। आप सरकार में बैठ कर क्या कर रहे हो? अभी ड्रग्ज़ के बारे मे जो चर्चा की गई, पंजाब सरकार ने ड्रग्ज माफिया को रोकने के लिए कड़े कदम उठाये हैं और जो ड्रग्स माफिया है उनकी नज़र हिमाचल प्रदेश में पड़ी । अब उनकी घुसपैठ हिमाचल प्रदेश में हो रही है। हमें इसे रोकने की जरूरत है। हमारे प्रदेश का नौजवान नसेड़ी न हो, उस ओर हम को सोचने की जरूरत है और इसके खिलाफ कड़े

02.03.2020/1610/DT/DC-2

कदम उठाने की जरूरत है। मेरे एक रिश्तेदार निजी विश्वविद्यालय में प्रोफैसर हैं। मैं उनका नाम नहीं लेना चाहूंगा। उनसे मेरी बात हुई तो उन्होंने कहा कि ड्रग्ज और जो ड्रग्ज माफिया है इतना पेनिट्रेट कर गया है कि शिक्षण संस्थानों जैसे विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों में मुफ्त में बच्चों की एडमिशन करवाते हैं और खुद पैसे देते हैं, उनके माध्यम से एक ड्रग्ज रैकिट शिक्षण संस्थानों के अन्दर चलाया जाता है। आज हम कहां

जा रहें हैं? अगर हम आपको यह कहें कि आपके समय में यह हुआ है और आपको इसे रोकने की जरूरत है। आज बोर्डर एरियाज़ में अवैध माईनिंग हो रही है। जो बैजनाथ का प्रसिद्ध मन्दिर है आज उसके नीचे बहने वाली खड्ड में अवैध माईनिंग हो रही है जिससे मन्दिर को ख़तरा हो रहा है। मेरे चुनाव क्षेत्र में कल उत्तराखण्ड से लगते एरिया में टोंस नदीं पर लेड की अवैध माईनिंग पिछले एक साल से हो रही थी । इसकी मैंने बहुत शिकायतें की, लोगों ने बहुत शिकायत की, मगर जब कल मीडिया के लोगों के द्वारा कार्रवाई की गई तो वहां से जे0सी0बी0 फरार हो गई और मटिरीयल गायब हो गया। लेकिन उसके खिलाफ कोई एक्शन नहीं हो रहा है। आज सरेआम अवैध खनन हो रहा है और मैं कह सकता हूं कि जो सरकार के पयादे हैं और विशेष कर जो मुख्य मन्त्री जी के चहेते हैं, वे चाहे ज़िला सिरमौर के हैं, चाहे हरोली में हैं, चाहे नालागढ़-बद्दी में हैं, ऐसा लगता है कि जैसे उनकों लाईसेन्स दे दिया गया है। उनको एक लाईसेन्स दे दिया गया है और कहा गया है कि आप जो मर्जी है वह करो। महेन्द्र सिंह जी सब कुछ समझते है पर कुछ नहीं कर सकते क्योंकि इनकी मजबूरी है।

श्री एन.जी. द्वारा... जारी

02-03-2020/1615/डी.सी.-एन.जी./1

श्री हर्षवर्धन चौहान जारी.....

सभापति महोदय, हम सरकार की आलोचना करते हैं क्योंकि हम विरोधी दल के लोग हैं। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद जोकि सरकार का छात्र संगठन है उनके लोग भी सरकार का विरोध कर रहे हैं। आपके प्रदेश के सचिव श्री राहुल राणा कहते हैं कि प्रदेश सरकार ने जो एक्साइज़ पॉलिसी लाई है वह 'this brings to fore the double standard of the Government'. यह हम नहीं आपके संगठन के लोग ही कह रहे हैं।...(व्यवधान) सभापति महोदय, रेगुलरटी कमीशन में यू.जी.सी. ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में अवैध डीग्रियां बिक रही हैं। उन्होंने आपको एक चिट्ठी भी लिखी लेकिन आप उस पर कोई

कार्रवाई नहीं कर रहे हो। मैं आपसे पूछना चाहता हूं कि कार्रवाई न करने में आपका क्या इन्ट्रस्ट है? आप कार्रवाई कीजिए। क्या उसमें आपकी पार्टी के लोग शामिल हैं? जिसको आप बचाने की कोशिश कर रहे हो। मैं कहना चाहता हूं कि हिमाचल प्रदेश शिक्षा का हब बना है इसमें आपका भी और हमारा भी योगदान है। माननीय कर्नल साहब कह रहे थे कि शिक्षा का हब बना है और वहां से किसी ने कहा कि 'हमने खोला-आपने खोला'। हिमाचल प्रदेश के बड़े-बड़े संस्थान जैसे सैट्रल यूनिवर्सिटी, आई.आई.टी. मण्डी आदि कांग्रेस पार्टी की देन है। माननीय श्री मनमोहन सिंह जी प्रधान मंत्री थे और शिमला के रिज़ मैदान पर भारत के फाइनैंस मिनिस्टर श्री चिदम्बरम जी ने आई.आई.टी. और सैन्ट्रल यूनिवर्सिटी की घोषणा दिनांक 07 अक्तूबर, 2007 को की थी। आई.आई.आई.टी., एन.आई.टी. हमीरपुर और 6 मैडिकल कॉलेज भी कांग्रेस पार्टी की देन है। संस्थान हम खोलते हैं और आप उल्टा हमें दोषी कहते हैं कि हमने बहुत ज्यादा संस्थान खोल दिए। Government is in continuity, आप उन्हें चलाओ। सभापति महोदय, जब हम कहते हैं कि स्कूलों में मास्टर चाहिए, स्वास्थ्य संस्थानों में पैरा मैडिकल स्टाफ चाहिए तो माननीय मुख्य मंत्री जी कहते हैं कि आपने बहुत सारे संस्थान खोल दिए, मैं मुख्य मंत्री जी को कहता हूं कि यदि संस्थान ज्यादा हैं और आप उन्हें चला नहीं सकते तो आप उन संस्थानों को बंद कर दीजिए।

02-03-2020/1615/डी.सी.-एन.जी./2

सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्य मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि वे कांग्रेस पार्टी द्वारा खोले गए शिक्षण संस्थान, स्वास्थ्य संस्थान, वैटनरी संस्थान आदि संस्थानों का विरोध तो करते हैं मगर पिछले 2 साल में आपकी सरकार ने क्या किया है? आपने भी पिछले 2 सालों में 1 हज़ार से अधिक संस्थान खोल दिए हैं।...(व्यवधान) कोई स्टाफ नहीं है...(व्यवधान) आप स्टाफ की बात करते हो...(व्यवधान) माननीय विनोद जी सुनीए...(व्यवधान) माननीय महेन्द्र सिंह जी आपके यहां कोई पोस्ट खाली नहीं है, माननीय मुख्य मंत्री जी के यहां पर कोई पोस्ट खाली नहीं है, माननीय श्री मुकेश जी के

यहां पर कोई पोस्ट खाली नहीं है लेकिन इसका ख़मियाजा कौन भुगत रहा है? शिलाई, श्री रेणुका जी, पच्छाद, रोहडू, रामपुर, आनी, ट्राइबल क्षेत्र किन्नौर, लाहौल-स्पिति, भरमौर इन सब स्थानों पर सैंकड़ों पद खाली पड़े हुए हैं।...(व्यवधान) माननीय भारद्वाज जी मेरे विधान सभा क्षेत्र में कम-से-कम 250 मास्टरों के पद खाली पड़े हैं। सभापति महोदय, प्रश्न संख्या-420 के उत्तर में सरकार ने बताया है कि 63,126 पोस्टें खाली पड़ी हैं। इसका मतलब यह हुआ कि

श्रीमती एम.एस. द्वारा जारी.....

02/03/2020/1620/MS/HK/1

श्री हर्षवर्धन चौहान जारी-------

हिमाचल प्रदेश में 25 से 30 प्रतिशत पद खाली हैं। ये पद कठिन और ट्राइबल एरियाज में खाली हैं और इसका नुकसान हम लोग उठाते हैं। जो कठिन क्षेत्र के लोग हैं हम मुख्य मंत्री जी से चाहेंगे कि आप इन पदों को भरिए। आप नये नौज़वानों को नौकरी दीजिए। आपने एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि अभी तक अढ़ाई साल के अंदर 8500 लोगों को आपने रोज़गार दिया है। मैं कहना चाहता हूं कि पिछले दो साल के अन्दर कम-से-कम 20000 कर्मचारी रिटायर हो गए हैं। जिस तादाद से रिटायरमैंट्स हो रही हैं उस तादाद से भर्ती नहीं हो रही है और यह वैकेन्सी का गैप निरन्तर बढ़ेगा। ...(व्यवधान) अतारांकित प्रश्न संख्याः 420 है जिसमें क्लास-वन के 4208, क्लास-टू के 749, क्लास-थ्री के 43412 और क्लास-फोर के 14757 पद खाली हैं। ...(व्यवधान) यह लैटेस्ट सूचना है।

सभापति महोदय, माननीय महेन्द्र सिंह जी से मैं एक प्रश्न पूछना चाहता हूं कि "जल जीवन मिशन" की एक किताब जो हमें दी गई है और जब मैंने उसके पन्ने देखे तो पाया कि 75 प्रतिशत से अधिक नल गुजरात, सिक्किम और गोवा में हैं और 41 परसेंट से 75 परसेंट हिमाचल, पंजाब, हरियाणा और कर्नाटक में हैं। जो मैंने किताब में देखा है। ...(व्यवधान) जो किताब आपने मुझे दी है। मैं आपको किताब दिखा दूंगा। आज आपने जो सदन में किताब रखी है, आप उसको भी नकार रहे हैं? मैं यह कहना चाहता हूं कि इस प्रदेश में काम और विकास हुआ है। आप गांव में नल लगा रहे हैं लेकिन पानी को उस गांव

तक लिफ्ट के माध्यम से ग्रेविटी की स्कीमों द्वारा कौन लाया? उसे कांग्रेस की सरकार लाई। हमने काम किया है और आप उस काम को मत नकारिये। आप उसको आगे बढ़ाइए।

सभापति(श्री रमेश चंद ध्वाला): माननीय सदस्य, समाप्त कीजिए। अभी छः सदस्य और बोलने वाले हैं।

श्री हर्षवर्धन चौहान: सभापति महोदय, जो बहुत सारी स्कीमों का उल्लेख किया गया है, वे स्कीम्ज इन कन्टीन्यूएशन हैं। आपने स्कीम का नाम बदल दिया फिर चाहे वह चाहे स्कॉलरशिप, वर्दी या पी0डी0एस0 की स्कीम हो। मैं पूछना चाहता हूं कि आपने तीन कौन सी नई दालें लोगों को दे दीं जबकि यह स्कीम तो वर्ष 2006 से शुरू है? नमक और तेल भी पहले से दे रहे हैं। लैपटॉप का मैं यहां जिक्र कर रहा था। आप दो साल 2017-18 और वर्ष 2018-19 में लैपटॉप नहीं दे पाए और उन्हें अब दे रहे हैं। (घण्टी) यहां प्रश्न लगा था। ...(व्यवधान)8700 लैपटॉप नहीं दिए। अब आप दे रहे होंगे तो अलग बात है मगर पहले आप नहीं दे पाए। आप इस किताब को उपलब्धता की किताब कहते हो? मैं कहता हूं कि

02/03/2020/1620/MS/HK/2

इस किताब में कुछ नहीं है। आपने इसमें झूठे आंकड़े दिए हैं और कोई नई चीज इसमें नहीं है।

सभापति महोदय, जो यह महामहिम राज्यपाल महोदय जी का अभिभाषण है, मैं इसका समर्थन करने में असमर्थ हूं। आपने मुझे समय दिया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

02/03/2020/1620/MS/HK/3

श्री अरुण कुमार: सभापति महोदय, 25 फरवरी, 2020 को महामहिम राज्यपाल महोदय द्वारा सदन में दिए गए अभिभाषण पर आपने मुझे बोलने का समय दिया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

हमारे सभी माननीय सदस्यों ने इस ऐतिहासिक अभिभाषण पर देश के यशस्वी प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी और हिमाचल प्रदेश के ऊर्जावान मधुरभाषी व आम जनमानस के लोकप्रिय मुख्य मंत्री श्री जय राम सरकार की दो वर्ष की अभूतपूर्व उपलब्धि पर आंकड़ों सहित पूरे प्रदेश व अपने-अपने विधान सभा क्षेत्रों में हो रहे करोड़ों रुपये के विकासात्मक कार्यों की केंद्र व प्रदेश सरकार की सोच "सबका साथ, सबका विकास" की झलक को

दर्शाया है। श्री जय राम जी की सरकार बिना ठहरे निरन्तर दो वर्षों से नये-नये आयाम स्थापित कर रही है जिस कारण कई अवार्ड प्रदेश सरकार को दो वर्षों के भीतर प्राप्त हुए हैं। एक वर्ष में ही माननीय मुख्य मंत्री जी की लोकप्रियता 22 मार्च, 2019 को CVoter-IANS-State of the Nation Tracker Opinion poll में आई जो कि आपके सामने यह चरितार्थ है।

जारी जे0के0 द्वारा----

02.03.2020/1625/जेके/एचके/1

श्री अरुण कुमारः----जारी-----

यह हम नहीं बोल रहे हैं जो INA की रिपोर्ट है उसके मुताबिक है। एक वर्ष के भीतर पूरे देश के अन्दर माननीय मुख्य मंत्री, श्री जय राम ठाकुर की पूरे देश में दूसरे स्थान पर लोकप्रियता थी। माननीय नेता प्रतिपक्ष, मेरे बड़े भाई, श्री मुकेश अग्निहोत्री जी और उनके सभी साथियों व श्री राकेश सिंघा जी, माननीय सदस्य ने केवल इस अभिभाषण की आलोचना के लिए ही आलोचना की है। यह आपकी राजनीतिक मज़बूरी भी है। इसके बारे में मैं कहना चाहूंगा कि आलोचना तो वे करते हैं जिन्हें अपना अस्तित्व बचाना है। श्री जय राम ठाकुर जी की कोशिश तो सबके दिल जीतने की है। हिमाचल प्रदेश में हर व्यक्ति के काम होते रहें और आप इसी तरह से परेशान होते रहें।

"मत कर परवाह उनकी, जो आज देते हैं ताना,

झुका लेंगे ये भी सर, जब आएगा ज़माना।

लहरें बन जाएं तूफ़ान, कश्ती का काम है बहना,

कुछ तो आप कहेंगे, आपका काम है कहना"॥

माननीय सभापति महोदय, इनकी राजनीतिक मज़बूरी भी इस कारण है क्योंकि इनकी राष्ट्रीय पार्टी की हालत आज टाइटैनिक जहाज़ के डूबने जैसी हो गई है। धीरे-धीरे यह पार्टी हाशिए की ओर जा रही है। इनकी परेशानी वास्तव में वाज़िब है। ये अब टुकड़े-टुकड़े का सहारा लेकर, क्षेत्रिए दलों का सहारा ले कर अपना अस्तित्व बचाने का प्रयास कर रही है। हिमाचल प्रदेश में अभी हाल ही के चुनाव में लोक सभा की चारों सीटें जीता कर श्री जय राम ठाकुर जी ने अपनी लोकप्रियता बता दी थी। उसके बाद दो उप-चुनाव हुए। दोनों उप-चुनावों में धर्मशाला में आपके प्रत्याशी की ज़मानत ज़ब्त हो गई। हमने वे दोनों चुनाव जीते। मैं यहां पर एक बात कहना चाहता हूं कि दिल्ली के चुनाव में हमारी ड्युटी लगी थी। माननीय मुख्य मंत्री जी 8 विधान सभा क्षेत्रों में गए, जिसमें से 5 विधान सभा क्षेत्र उन्होंने जीता कर दिए हैं। जिसमें एक इलाका बादेपुर,लक्ष्मीनगर है। मुकेश अग्निहोत्री जी,

02.03.2020/1625/जेके/एचके/2

...(व्यवधान) मोदी जी के नेतृत्व में ही हमारी पार्टी का हर कार्यकर्त्ता काम कर रहा है। मुकेश जी, आपने श्री महेन्द्र सिंह ठाकुर जी को कहा कि बजट कहां पर है? आपने यह माना भी कि ठाकुर महेन्द्र सिंह जी, जिनका नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में है और ये जो कहते हैं, वह करके भी दिखाते हैं। इन सभी स्कीमों का इन्होंने और माननीय मुख्य मंत्री जी ने उद्घाटन भी किया। यह जो जल जीवन मिशन है, इसके तहत 2,896 करोड़ रुपए के काम होने हैं, उसमें 300 योजनाएं शामिल हैं। उन योजनाओं की पाइपें भी आ गई हैं। मैं बड़ी दूर की बात नहीं करता केवल अपने विधान सभा क्षेत्र के बारे में बताता हूं। ...(व्यवधान) मुकेश अग्निहोत्री जी, जी.एस. बाली जी के टाइम की तो स्कीमें क्या अन्य बातें बताऊंगा और आपके टाइम की भी बताऊंगा, आप चिन्ता न करें। ये सारी स्कीमें हैं जिनके टैण्डर हो चुके हैं और इनकी पाइपें आ चुकी हैं। नगरोटा-बगवां के बहु ग्राम, पंचायत समूह धलूं, पाटियालकर, कलेड, रूमेहड, सिंहुडं और बलदर में 1632.16 करोड़ की स्कीम का टैण्डर हो चुका है। इसमें पाइपें आ चुकी हैं। उसके बाद नगरोटा बगवां क्षेत्र पेयजल योजना का सुधार एवं सम्वर्धन पेयजल योजना सेराथाना धंलू, पेयजल योजना

सुनेहड मून्दला के लिए 446.78 करोड़ रुपये आ गए हैं। गांव सेराथाना, रोंखर व जसौर के लिए अलग से पेयजल योजना के लिए 412.31 करोड़ रुपये आ गए हैं। ये योजनाएं बहुत पुरानी नहीं हैं, ये वर्ष 2018-19 की हैं। इसके बाद नगरोटा बगवां विकास खण्ड के अन्तर्गत मस्सल, जहां इंजीनियर कॉलेज है और वहां पर पानी की समस्या थी, वहां के लिए 1500 करोड़ रुपये की स्कीम प्रदान की गई है। पेयजल योजना लोहार लाहडी के लिए 67.39 करोड़ रुपये की स्कीम है। ये टोटल 5970 करोड़ रुपये की स्कीमें हैं।

श्री एस.एस. द्वारा जारी----

02.03.2020/1630/SS-YK/1

श्री अरुण कुमार क्रमागत :

और यह 643.98 करोड़ की अलग से स्कीमें हैं। इसलिए मैं आपको बताना चाहता हूं कि ठाकुर महेन्द्र सिंह जी दिल्ली में जाकर जो प्रोजैक्ट लेकर आए हैं उसमें अधिकांश लोगों के घर तक पानी की पाइपें पहुंच चुकी हैं जहां पर काम चला है। अगर आपको ये फिगर्ज़ चाहिए तो आप ले सकते हैं और इसकी इंक्वायरी भी कर सकते हैं।

दूसरी बात, माननीय अध्यक्ष महोदय, मुकेश जी कह रहे थे, पिछले कल मैंने इनको सुना। मुकेश जी, आप उद्योग मंत्री होते हुए करोड़ों रुपया इंडस्ट्रियल एरिया डवलपमैंट एजेंसी का बद्दी से हरोली के लिए लेकर गए। ...(व्यवधान) मेरी बात सुनिये। यह जो पैसा होता है यह मैंटीनेंस चार्जिज़ होते हैं। उसमें से 14 करोड़ रुपया, जहां पर बॉयज होस्टल है उसके साथ शैड बनाए। आप इंवैस्टर मीट की बात करते हैं। उसके बाद आपने एक पंडोगा में औद्योगिक क्षेत्र विकसित करने के लिए यह ज़मीन 2015 में उद्योग विभाग के नाम स्थानांतरित करवाई। यह पहाड़ी क्षेत्र था और उस समय ज़मीन को समतल करवाने के लिए 44.12 करोड़ रुपया खर्च कर दिया। अभी भी वह ज़मीन पूरी तरह से समतल नहीं हुई है। हमारी इंवैस्टर मीट में केवल 24-25 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं जिसमें 12 करोड़ रुपया मुख्य मंत्री जी केन्द्र से लेकर आए हैं। उसमें लगभग 2 लाख बेरोज़गार नौजवानों को रोज़गार देने का प्रावधान हो रहा है। क्योंकि आप सभी लोग जानते हैं कि हिमाचल प्रदेश एक छोटा-सा प्रदेश है, इसमें इन्कम के सोर्सिज़ बहुत कम हैं। 67 परसैंट हमारा फॉरैस्ट

का एरिया है। ...(व्यवधान) आप क्यों चिन्ता कर रहे हैं। मैं आपको बता रहा हूं कि आपके समय में 44.12 करोड़ रुपया ज़मीन को समतल करने के लिए लगा है। यह एक बहुत बड़ा स्कैंडल निकलेगा, मैं चाहता हूं कि इसकी पूरी इंक्वायरी हो। ये सारे कागज़ मैं आपको दूंगा। अभी माननीय सदस्य, श्री हर्षवर्धन जी बोल रहे थे कि देश की आज़ादी के लिए भारतीय जनता पार्टी का कोई योगदान नहीं है। तो ये मुझे जवाब दें कि क्या पंडित दीन दयाल उपाध्याय, डॉ0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी, विनायक दामोदर दास सावरकर, गणेश दामोदर सावरकर जी भारत की आज़ादी के लिए अंग्रेज़ों द्वारा काले पानी (अण्डमान-निकोबार) नहीं भेजे गए? क्या वे वहां नहीं रहे? क्या हमारे बुजुर्गों ने आज़ादी की लड़ाई में सहयोग नहीं दिया? क्या आज़ादी की लड़ाई केवल आप लोगों के ही

02.03.2020/1630/SS-YK/2

बुजुर्गों ने लड़ी? क्या हमारे बुजुर्ग नहीं लड़ते थे? हिन्दुस्तान के प्रत्येक बच्चे-बच्चे ने हिन्दुस्तान की आज़ादी के लिए लड़ाई लड़ी है। आज आप जिस तरीके से धारा-370 का विरोध कर रहे हैं, मैं आपको एक बात बता देना चाहता हूं कि वह सही नहीं है। मैं आप लोगों से निवेदन करना चाहता हूं कि धारा-370 को हटा करके प्रधान मंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 'एक राष्ट्र श्रेष्ठ राष्ट्र' की बात की है। राष्ट्र निर्माण की बात की है। आज के हालात जो दिल्ली में आप बता रहे हैं कि 48 लोग मारे गए, उनको मारने वाले कौन लोग थे? हर टी0वी0 पर इंटरव्यू चले हुए थे। शाहीन बाग में समर्थन देने वाले कौन थे? आप लोग कट्टरपंथी लोगों के साथ मिलकर देश के साथ जिस तरीके का व्यवहार कर रहे हैं, अभी तक आपकी यह हालत हुई है आने वाले समय में आपको देश के लोग माफ नहीं करेंगे। ...(व्यवधान) वह अगर किसी ने कहा है तो उन्होंने देश के गद्दारों को कहा है। गद्दारों की श्रेणी में आप अपने आपको क्यों गिनते हैं? आप में से किसी को गद्दार तो नहीं कहा। उन्होंने गद्दारों के लिए कहा। किसी व्यक्ति विशेष का नाम नहीं लिया। ...(व्यवधान) पार्टी का जो शीर्ष नेतृत्व होता है, कल अनुराग जी ने मीडिया के सामने यह बात कही है कि मैंने केवल देश के गद्दारों को बोला है, बाकी जनता बोल रही है और आने वाले समय में जनता और तरीके से बोलेगी।

श्री रमेश चंद ध्वाला, सभापति : माननीय सदस्य, कृपया वाइंड अप करिये।

श्री अरुण कुमार : मुझे एक बात बताईये कि आज बेरोज़गारी का जितना आप यहां पर शोर मचा रहे हैं, सबसे लम्बा शासन समय आपका रहा है।

जारी श्रीमती के0एस0

02.03.2020/1635/केएस/वाईके/1

श्री अरुण कुमार जारी----

ठाकुर राम लाल जी के समय से ले कर, वाई.एस. परमार के समय से ले कर, 6 बार माननीय राजा वीरभद्र सिंह जी मुख्य मंत्री रहे, आज जो 10 लाख से ऊपर बेरोज़गारी है, वह क्या दो वर्षों के अंदर हुई? दो वर्षों में जितने लोग एजुकेट हुए, जय राम जी की सरकार ने उन नौजवानों को नौकरियां दी हैं । ...(व्यवधान)यह सारा आंकड़ा आपका दिया हुआ है। ---(***)--- आप लोगों ने जिस तरीके से यहां के युवाओं के साथ छल-कपट किया है, यह पूरा जो पिछला हिसाब-किताब है, वे ही नौजवान हैं जिन्होंने आपको विपक्ष में बैठाया है। हमारी सरकार, चाहे केन्द्र सरकार है या हिमाचल प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार है, इसके लिए दिन-प्रतिदिन प्रयत्न कर रही है और उसी का नतीजा है कि इन्वैस्टर्ज़ मीट जैसा कार्यक्रम यहां पर माननीय मुख्य मंत्री जी ने करवाया जिसमें देश के प्रधान मंत्री स्वयं शामिल हुए और उन्होंने इस चीज़ को माना। उसमें यहां के ही नहीं बल्कि दूसरे देशों के इन्वैस्टर्ज़ भी आए जो यहां पर इन्वैस्टमैंट करना चाहते हैं। इसलिए आप चिंता न करें, अभी तो हमारी सरकार के दो वर्ष ही हुए हैं। अभी तो आपको कम से कम 15 वर्ष तक विपक्ष में ही बैठना पड़ेगा। जय राम ठाकुर जी की सरकार हमारे नौजवानों के भविष्य के प्रति चिंतित है, गरीब आदमी के प्रति चिंतित है।

सभापति महोदय, यहां पर मेरे विपक्ष के साथी मैडिकल सुविधाओं की बात कर रहे थे, मैं मानता हूं कि राजा वीरभद्र सिंह जी बहुत लम्बे समय तक मुख्य मंत्री रहें, मैं इनका बहुत मान-सम्मान करता हूं। ...(व्यवधान) मैं भी उसी पार्टी में था, शुक्र है यहां चला आया। ...(व्यवधान)

सभापतिः माननीय सदस्य, कृपया वाइंड अप करिए। ...(व्यवधान)

श्री अरुण कुमारः मुकेश जी, सुनिए। शुक्र है आज मैं इस तरफ आ गया वरना जैसे मैंने 30 साल तक आपकी दरियां उठाईं, आज भी मुझे दरियां ही उठानी पड़नी थीं।

(***) **अध्यक्षपीठ के आदेशानुसार कार्यवाही से निकाला गया।**

02.03.2020/1635/केएस/वाईके/2

आपकी पार्टी में श्री जवाहर लाल नेहरू, श्रीमती इंदिरा गांधी, श्री राजीव गांधी, श्रीमती सोनिया गांधी, श्री राहुल गांधी और यहां पर राजा साहब, विक्रमादित्य सिंह जी, सत महाजन जी, अजय महाजन जी, चन्द्र कुमार जी, नीरज भारती जी, यानि पीढ़ी दर पीढ़ी चलते रहे। जबकि भारतीय जनता पार्टी में मैं, एक छल्ली बेचने वाला व्यक्ति, वाटर बॉल बेचने वाला व्यक्ति, यहां पर विधायक है। इसी तरह से मेरा दोस्त मुलख राज प्रेमी, जो एक ढाबा चलाता था, वह आज इस पार्टी का विधायक है। हमारी रीता धीमान एक गरीब परिवार से निकल कर विधायक बनी हैं। मेरे कहने का मतलब है कि एक गरीब से गरीब व्यक्ति को यह पार्टी ऊपर उठाती है। पीढ़ी-दर-पीढ़ी नहीं उठाती। ...(व्यवधान) काजल जी, आप भी इसी पार्टी से निकल कर गए हैं। आजाद इलैक्शन लड़कर पिछली बार उस तरफ चले गए लेकिन आज पछता रहे हैं। इन्होंने जब एम.पी. का चुनाव लड़ा, मैंने इनको टैलिफोन पर मना किया था। मैंने कहा था कि आपका भविष्य हमारे पास है लेकिन इन्होंने सोचा क्या पता ...(व्यवधान) आपके तो बड़े-बड़े मंत्री भाग गए जो चुनाव में नहीं उतरना चाह रहे थे। कोई बीमार हो गया, कोई भाग गया।

सभापतिः माननीय सदस्य, कृपया वाइंड अप करिए। ...(व्यवधान)

श्री अरुण कुमारः आपके पास अब इतनी हिम्मत नहीं रही। आप चिंता न करें। अभी आज जितने हैं अगले चुनाव में आप इससे भी आधे रह जाएंगे। आपकी सरकार राजा वीरभद्र सिंह जी के नाम से चलती थी। अब राजा साहब अस्वस्थ हैं। टिक्का जी मेरे छोटे भाई हैं।

सभापतिः माननीय सदस्य, आप जल्दी से समर्थन करें। समय हो गया है और बोलने वाले अभी काफी माननीय सदस्य हैं।

श्री अरुण कुमारः सभापति महोदय, तीन तलाक हुए, मुसलमान तब नहीं बोला। राम मंदिर का निर्णय हुआ, तब नहीं बोला लेकिन जब सी.ए.ए. चला तो बहुत सारे लोगों ने, इस देश के उन कट्टरपंथियों का साथ दिया। यह सारा ताना-बाना इसी तरह से आप बुनते रहे, आपने राष्ट्र हित में नहीं सोचा, केवल वोट बैंक की राजनीति के बारे में सोचा तो आने वाले समय में यह देश फिर गुलामी की ओर बढ़ रहा है। ...(व्यवधान) नोटबंदी भी इसीलिए की

थी क्योंकि मानवाधिकार और कुछ एन.जी.ओज़ मिल कर यहां पर कट्टरपंथियों को पनाह देते थे। फ्रांस के राष्ट्रपति ने भारत को आगाह किया था कि आई.एस.आई. भारत में जेहाद फैलाने की साजिश रच रहा है। रूस के राष्ट्रपति ने भारत को इस्लामिक जेहाद से सावधान रहने को कहा था। अमेरीकी इंटैलिजैंस ब्यूरो ने भारत को सावधान किया था । इस्लामिक जेहादी भारत में सक्रिय हो रहे थे । युनाइटेड नेशन के भूतपूर्व महासचिव तथा तमाम खुफ़िया एजेंसियों ने भारत को इस्लामिक जेहादियों से सावधान रहने की चेतावनी दी थी परन्तु उस समय मन मोहन सिंह जी की सरकार थी, उन्होंने उसको बड़े हलके में लिया। जैसे ही केंद्र में मोदी सरकार आई, उन्होंने इस्लामिक कट्टरपंथियों की साजिश पकड़ ली जिसे एन.जी.ओ. और मानवाधिकार की आड़ में संरक्षण दिया जा रहा था। घुसपैठ हो रही थी और धर्मांतरण का सहारा लिया जा रहा था।

श्रीमती अ0व0 द्वारा जारी--

02.03.2020/1640/av-ag/1

श्री अरुण कुमार--------- जारी

जिसे कांग्रेस और वामपंथी दल मिलकर संरक्षण दे रहे थे, उस एन0जी0ओ0 के ऊपर प्रतिबंध लगा। उसके बाद नोटबंदी कर दी गई जिससे इनकी कमर टूटी। उसके बाद सी0ए0बी0 पारित हुआ और उसका विरोध केवल आप लोगों ने किया। यह मैं नहीं कह रहा हूं मगर मेरे पास इस बारे में पुख्ता रिपोर्ट्स हैं जो टी0वी0 के ऊपर आई हैं। मेरा आपसे निवेदन है कि राजनीति केवल राजनीति के लिए कीजिए और राष्ट्र के प्रति हमारा दृष्टिकोण सकारात्मक होना चाहिए। यहां पर नेगी जी सहित कुछ दूसरे माननीय सदस्य हल्ला मचा रहे थे कि शिवारात्रि में यह हुआ। तो मैं यहां पर यह कहना चाहता हूं कि उससे पहले हमारे सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ0 सैजल जी के साथ भी ऐसा हुआ था और इनको मंदिर में प्रवेश नहीं करने दिया था। आप उनके ठेकेदार मत बनिए क्योंकि इसी समुदाय के 17 में से 13 विधायक हमारे सत्ता पक्ष में बैठे हुए हैं और आपकी पार्टी में केवल चार जीतकर आए हैं। राजनीति किसी जाति या भेदभाव के ऊपर नहीं होनी चाहिए परंतु यदि कोई गलत करता है, हमारे परिवार के अंदर कोई व्यक्ति गलत करता है तो हम उस व्यक्ति के विरुद्ध भी बोलते हैं। एट्रोसिटी एक्ट के तहत प्राप्त हुई शिकायत की जब तक जांच-पड़ताल पूरी नहीं हो जाती तब तक कानून भी अपना काम नहीं करता।

श्री रमेश चंद ध्वाला, सभापति : माननीय सदस्य, आप अपनी बात समाप्त कीजिए।

...(व्यवधान)

श्री अरुण कुमार : माननीय सदस्य नेगी जी, आप सुनिए। माननीय जय राम ठाकुर जी की सरकार ने इस समाज के लिए बहुत काम किए हैं। पहले एस0सी0/एस0टी0 एक्ट के तहत 1435.83 करोड़ रुपये की राशि आती थी जिसको वर्ष 2020-21 में बढ़ाकर 1990 करोड़ रुपये किया है। इसके लिए केंद्र से पहले 13 करोड़ रुपये की राशि मिली थी और इस बार जय राम ठाकुर जी केंद्र से मोदी जी से 25 करोड़ रुपये लेकर के आए है तथा इसमें 12 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई है। आपके समय में एच0आर0टी0सी0 की इलैक्ट्रिक बसें 1.99 करोड़ रुपये की खरीदी गई थीं और वही बसें हमारे कार्यकाल में 1.76 करोड़ रुपये

की खरीदी गईं। इसके अतिरिक्त एच0आर0टी0सी0 के जिन कर्मचारियों को पहले पेंशन नहीं मिलती थी उनको भी हमारी सरकार ने आते ही पेंशन देने का फैसला लिया। इसके अतिरिक्त महंगाई भत्ते दिए गए। एच0आर0टी0सी0 ने यहां पर 20 नई इलैक्ट्रिक बसें लाई जिसके कारण प्रदूषण नियंत्रण में सहायता मिली है और हमारे प्रदेश को पहला स्थान प्राप्त हुआ।

श्री रमेश चंद ध्वाला, सभापति : माननीय सदस्य जी, आप समाप्त कीजिए। ...(व्यवधान) बहुत हो गया, बाकी भी बोलेंगे।

श्री अरुण कुमार : सभापति जी, यहां पर माननीय सदस्य श्री राजेन्द्र राणा जी ने एक प्रश्न में पूछा था कि सड़कों की बहुत बुरी हालत है। लेकिन मैं आपको बताना चाहता हूं कि दिनांक 1.4.2019 से लेकर के दिनांक 5.2.2020 तक हमारी 97.582 किलोमीटर जीपेबल रोड बनी। इसके अतिरिक्त मोटरेबल रोड पर 657.788 करोड़ रुपये की लागत लगी है। क्रोस ड्रेनेज में 829.563 करोड़ रुपये तथा मेटलिंग में 86.410 करोड़ रुपये व्यय किए गए। ....(व्यवधान) मेरे विधान सभा क्षेत्र में वित्तीय वर्ष 2018-19 में 1716.72 लाख रुपये के काम हुए और दूसरे विभागों से टोटल डिपोजिट 2507.19 लाख रुपये आए। वित्तीय वर्ष 2019-20 के अंदर 2073.36 लाख रुपये के काम हुए और दूसरे विभागों से कुल डिपोजिट 4979.19 लाख रुपये आए यानी हमारे विधान सभा क्षेत्रों के अंदर अरबों रुपये के काम हो रहे हैं तथा मैं ऑथेंटिक बातें कर रहा हूं।

श्री रमेश चंद ध्वाला, सभापति : माननीय सदस्य, मैं आपसे निवेदन कर रहा हूं कि आप समाप्त कीजिए। इतनी उपलब्धियां बता रहे हैं तो आप सीधे धन्यवाद कीजिए। ....(व्यवधान) आपने बाद में भी बोलना है।

श्री अरुण कुमार : ठीक है, मैं इनको बाकी कागज ऐसे ही पकड़ा दूंगा ताकि माननीय सदस्य खुद पढ़ लें और परेशान होते रहें। मैं माननीय राज्यपाल महोदय द्वारा दिए गए अभिभाषण का समर्थन करता हूं।

सभापति महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

अगला वक्ता टी सी द्वारा जारी

02.03.2020/1645/टी0सी0वी/ए0जी0-1

व्यवस्था का प्रश्न

सभापति श्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खु जी आप क्या कहना चाहते हैं, कहिए।

श्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खु (नदौन) : सभापति महोदय, हमारे नगरोटा-बगवां के विधायक ने जोश-जोश में यह कहा कि ---(***)--- इन शब्दों को एक्सपंज किया जाये।

सभापतिः माननीय सदस्य, यदि ये शब्द प्रोसिडिंग में आये होंगे तो इन शब्दों को एक्सपंज कर देंगे। श्री जगत सिंह जी, आप भी अपनी बात रखें।

श्री जगत सिंह नेगी (किन्नौर): सभापति महोदय, माननीय सदस्य ने कहा कि मैंने यहां पर हल्ला बोला है अगर मैंने हल्ला बोला है तो अनुसूचित जाति व दलित लोग की वज़ह से बोला है। अभी तो मैंने हल्ला ही बोला है अगर जरूरत पड़ी और इससे ऊपर भी कुछ करना पड़ा तो वह भी करूंगा। आप कौन होते हैं, मुझे रोकने वाले? (...व्यवधान) मैंने आपकी बारी में एक शब्द नहीं बोला। आप लोगों में सुनने की शक्ति नहीं है। (...व्यवधान) अगर मनमाना बोलना है तो सुनने की शक्ति भी चाहिए। (...व्यवधान)
सभापतिः प्लीज बैठिये। आप बैठ जाइये।

श्री जगत सिंह नेगीः सर, मैंने इनके समय में, बीच में बिल्कुल भी नहीं बोला। (...व्यवधान) अभी तो मैंने हल्ला बोला है, आगे मैं इससे भी ज्यादा करूंगा। यदि आपके 17 माननीय अनुसूचित जाति के सदस्य अपने दलितों के बारे में नहीं बोलते हैं तो यह मेरी जिम्मेवारी नहीं है, यह उनकी जिम्मेवारी है। (...व्यवधान)

---(***)---अध्यक्षपीठ के आदेशानुसार कार्यवाही से निकाला गया।

02.03.2020/1645/टी0सी0वी/ए0जी0-2

सभापतिः माननीय सदस्य, श्री अरुण कुमार जी, प्लीज़ बैठ जाइये। माननीय सदस्य, श्री नन्द लाल जी, आप चर्चा में भाग लीजिए।

श्री नन्द लाल (रामपुर): सभापति महोदय, राज्यपाल महोदय, के अभिभाषण पर जो धन्यवाद प्रस्ताव माननीय सदस्य श्री बलबीर जी लाये हैं और उसका समर्थन श्री राकेश जम्वाल जी ने किया है, मैं भी उस पर अपने विचार रखने के लिए खड़ा हुआ हूं। राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर जो चर्चा चल रही है, उसमें सभी माननीय सदस्य अपने विचार रख रहे हैं। आज सुबह माननीय हर्षवधन जी ने एक बात कही और उसको इतना बड़ा voluminous बना दिया। राज्यपाल महोदय का पिछले साल का जो अभिभाषण था, वह 36 पेजिज़ में था और अब इस साल यह 56 पेजिज़ का हो गया है। पिछले साल के अभिभाषण में 71 पैराज़ थे, now it's 149. इसको बहुत बड़ा बना दिया गया है। जब इसको लोगों ने पढ़ा, इसमें जो एजेंडा रहा, this is basically a political agenda of the Central Government and the State Government. हमारे जो विपक्ष के नेता है, उन्होंने यह फ्रेज़ बहुत सही इस्तेमाल किया 'पॉलिटिकल एजेंडा' । क्योंकि जब यह अभिभाषण शुरू हुआ तो इसमें 370, 35ए, सी0ए0ए0 और राम मंदिर plus 327 new schemes of the Central Government इससे शुरूआत हुई है। ऐसा लग रहा था कि यह सच में ही पार्लियामैंट का अभिभाषण हो रहा है। मुझे इसमें यह कहना है कि I will not go into the details कि क्या-क्या हुआ? लेकिन बड़े दुःख की बात है कि इस सी0ए0ए0 की वज़ह से दिल्ली के नार्थ ईस्ट में dozens of people were killed.

एन0एस0 द्वारा ... जारी ।

02/03/2020/1650/NS/AS/1

श्री नन्द लाल ..... जारी

सभापति महोदय, यह बहुत अफ़सोस की बात है। जब ये लोग मारे गए, क्या केंद्र की सरकार सो रही थी? पुलिस प्रशासन क्या कर रहा था? इसके बारे में सोचने की जरूरत है। I am not blaming anybody लेकिन किसी की जिम्मेवारी तो होगी। जिस तरह दिल्ली

में टोटल अनरैस्ट है उसको चैक करने के लिए क्या कोई सरकार जिम्मेवार है? वहां पर होम मिनिस्ट्री और स्टेट गवर्नमैंट है। इसका हमें बड़ा अफ़सोस है कि सरकारों को यह देखना होगा कि दिल्ली जैसे शहर में होम मिनिस्ट्री के नाक के तले यह सब हो रहा है। यह बड़े अफ़सोस की बात है। वर्ष 2017 की बात करें तो वर्ष 2018 में जैसे ही सरकार बनी तो एक बहुत hue and cry था कि सरकार कर्ज़ के तले है और बहुत कर्ज़े में है हम कुछ कर नहीं पाएंगे, पिछली सरकार ने बहुत कर्ज़ा ले लिया। मैं यह समझता हूं कि बेसिक्स न मालूम होने की वज़ह से यह जो कांग्रेस अंगेस्ट के एक नारा था और यह नारा लगा। आज मैं आपको बताना चाहूंगा कि आज आप खुद किस पोज़ीशन में हैं और आप खुद जानते हैं। बेसिक्स मालूम नहीं हैं। हमें मालूम होना कि State like Himachal जिसके अपने बड़े मीगर रिसोर्सिज़ हैं उसको अपनी डवलपमैंट एक्टिविटीज़ के लिए फंड्ज़ की जरूरत पड़ती है has to depend upon the Centre Govt. यह तो क्लीयर है। दूसरा, जो हम केंद्र सरकार से सैंटर-स्टेट शेयर का अपने शेयर का पैसा लेते हैं for the development activities यह एक मेनडेटरी है, सिस्टम में है और फंक्शन में है। यह कोई नई बात नहीं है। केंद्र सरकार कोई अहसान नहीं कर रही है कि स्टेट गवर्नमैंट को इस तरह के फंड रिलीज़ किए जाएं। यहां पर ऐसा हुआ कि अभी कर्ज़ा पहले साल से शुरू हुआ और कर्ज़े का यह आलम है कि एशिअन डवलपमैंट बैंक ने हिसाब देख लिया है और कर्ज़ देने से मना कर दिया है। यह बड़े अफ़सोस की बात है। लिक्विडिटी का हिसाब लगाते हुए they said no. यह नहीं होगा। सभापति महोदय, मैं यह कहना चाहता हूं कि डवलपमैंट एक्टिविटीज़ के लिए कर्ज़ लेना कोई बुरी बात नहीं है। अगर तत्कालीन मुख्य मंत्री माननीय वीरभद्र सिंह जी ने केंद्र सरकार से कर्ज़ उठाया होगा तो पैरामीटर के अंदर उठाया है। वे पांच साल हिमाचल के अंदर इतिहास में स्वर्णिम साल थे। जिसमें शिक्षा संस्थान, हैल्थ इंस्टीच्यूशन्ज़, रोडज़ और पानी की स्कीमें शामिल थीं। मैं भी 12-13 सालों से देख रहा हूं कि जितनी डवलपमैंट एक्टिविटीज़ उन पांच सालों में हुई जिसमें अगर कर्ज़ भी लिया गया, this is no harm.

02/03/2020/1650/NS/AS/2

आज हम तत्कालीन माननीय मुख्य मंत्री वीरभद्र सिंह जी का धन्यवाद करना चाहेंगे। यह उनकी सोच थी और आज सब लोगों ने इसे माना कि हिमाचल प्रदेश एजुकेशन हब है। See the number of colleges he has opened, number of schools he has opened और आज जितने भी मेडिकल कॉलेज की बात कर रहे हैं तो माननीय सदस्य ने ठीक

कहा कि वहां से सैंक्शन लेना अलग बात है और उसको यहां पर चलाना अलग बात है। माननीय मुख्य मंत्री वीरभद्र सिंह जी की एक सोच थी और वे जानते थे कि कौन-से एरिया में स्कूल या कॉलेज़ की जरूरत है? मैं इस सरकार के बारे में यह बताना चाहूंगा कि मेरे विधान सभा क्षेत्र में नवम्बर, 2017 में एक कॉलेज़ खोला गया और पूरे इलाके को देखते हुए लगभग 7 पंचायतों को कवर करता है निचार से नीचे का पूरा एरिया, किन्नू के ऊपर का पूरा एरिया कम-से-कम 14-15 पंचायतों का कलस्टर था और वहां पर डिग्री कॉलेज की अनाऊंसमैंट हुई और विद्यार्थी दाख़िल हुए। सरकार ने वहां नौ महीने तक कॉमर्स का कोई प्रोफैसर नहीं भेजा जबकि वहां पर दाख़िले हो गए थे ताकि कॉलेज न चले। वही बात है जो यहां पर सब माननीय सदस्य कहते हैं कि इनफ्रास्ट्रक्चर के बगैर नहीं होगा, इनफ्रास्ट्रक्चर नहीं था और कॉलेज खोल दिए। मुझे आपको यह बताना है कि आपको सैंक्शन कहां से मिलेगी जब कॉलेज खुला ही नहीं है। जब कॉलेज खुलेगा उसकी नोटिफिकेशन होगी और नोटिफिकेशन के बाद सैंक्शन बनेगी चाहे बिल्डिंग की सैंक्शन करो, चाहे लैंड ट्रांसफर की बात करो वह तभी होगी जब नोटिफिकेशन होगी। ऐसा नहीं है कि पहले बिल्डिंग बनेगी और फिर वहां विद्यार्थी दाख़िल होंगे। It is a system. इसको समझने की जरूरत है। यह कहना ठीक नहीं है कि इनफ्रास्ट्रक्चर के बगैर यह खोल दिया। सारे इंस्टीच्यूशन्ज़ इस तरह ही बने हैं। पहले उसकी नोटिफिकेशन होती है प्रोपर सैंक्शन ली जाती है लैंड ट्रांसफर होती है और फिर बिल्डिंग बनती है लेकिन एडमिशन होती रहती है। जैसे मेरे क्षेत्र में इंजीनियरिंग कॉलेज चल रहा है। इसकी नोटिफिकेशन हुई और इसकी कक्षाएं सुन्दरनगर में चला रहे हैं।

श्री आर0 के0 एस0 द्वारा जारी।

02.03.2020/1655/RKS/AS-1

श्री नन्द लाल...जारी

जो कोटला कॉलेज के बच्चे हैं वे सुन्दरनगर में पढ़ रहे हैं। वहां बिल्डिंग बन रही है और जब बिल्डिंग बन जाएगी they will be taken back. वह कॉलेज वहां चला जाएगा। This has to be understood. हमारी यह सोच नहीं होना चाहिए कि इन्होंने ज्यादा इंफ्रास्ट्रक्चर खोल दिए बल्कि हमें उस शख्सियत को धन्यवाद देना चाहिए जिसने शिक्षा,

स्वास्थ्य और दूसरी कैटेगिरीज के लिए संस्थान खोलने की सोच पैदा की थी। इसलिए जो यह बात बार-बार कही जाती है, असहनीय है, निंदनीय है। आपको इस बात को स्वीकार करना चाहिए क्योंकि आपको यहां आए हुए दो वर्ष से ज्यादा हो गए हैं। you have to accept it, you have to own it. अगर कोई चीज़ नई है तो आपको उसे करना होगा। लेकिन जब आप अढ़ाई साल में कुछ नहीं कर पाए तो आगे क्या करेंगे? इस अभिभाषण में लिखा है-'ये दो साल विकास के, प्रगति और विकास के।' बहुत बड़ा सैलिब्रेशन हुआ। उसमें एक ही पॉलिटिकल एजेंडा था। जो आपने पार्लियामैंट की चारों और बाई-इलैक्शन की दो सीटें जीती है, वह अच्छी बात है और इसके लिए मैं आपको बधाई भी देता हूं। लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि उसके बाद दिल्ली में भी विधान सभा चुनाव हुए। Because political agenda is understood by the people. जो पोलिटिकल एजेंडा हम केंद्र सरकार की डायरैक्शन पर लेकर चल रहे हैं, वह एजेंडा पूरे हिंदुस्तान को समझ आ गया है। दिल्ली के अंदर कैंपेन करने वालों की क्या कमी थी? ...(व्यवधान) अगर आपको कुछ कहना होगा you can ask me. हारने के बाद यह कहना कि हम थोड़े मार्जिन से हारे, बड़ी बेतुकी बात है। ...(व्यवधान) माननीय प्रधान मंत्री से लेकर भाजपा शासित सभी प्रदेशों के मुख्य मंत्री, मंत्री और आप सभी लोग वहां उपस्थित थे लेकिन उसके बावजूद भी आप दिल्ली चुनाव हार गए। Because that political agenda of the Government is understood by the people. They will show it. यह चीजें आगे भी होनी हैं और यह सब आपको दिखाई दी जाएगी। बजट भाषण में रिसोर्सिज जनरेशन की बात हुई है। मगर इसमें कुछ मैंशन नहीं है। हमारे जैसे मीगर रिसोर्सिज हैं we depend upon Horticulture, we depend upon Power, we depend on Tourism इस सभी

02.03.2020/1655/RKS/AS-2

सैक्टर्ज में कोई खास इम्प्रूवमैंट नहीं है। आज आप टूरिज्म मैं पीछे क्यों हो गए? सभी लोग यह कहते हैं कि यहां टूरिज्म की बहुत पोसिबिलिटी है we can develop it like anything और इसका रिसोर्स बनायाजा सकता है मगर क्या करे? आज रोड कनैक्टिविटी की

स्थिति अच्छी नहीं है। यहां पर 69 नेशनल हाइवे की बात की जाती थी लेकिन अब इसमें पूरी तरह फुल स्टॉप लग गया है। आज नेशनल हाइवे के बारे में कोई चर्चा नहीं हो रही है। एयर कनैक्टिविटी की बड़ी-बड़ी बातें की जा रही हैं और लोग यह सब सुनकर थक गए हैं। एयर कनैक्टिविटी बहुत पुअर है। रेल कनैक्टिविटी के बारे में बातें की जा रही है परंतु इसके विस्तार के लिए कुछ नहीं किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त जो टूरिस्ट डैस्टिनेशन है we need to have other things also. सिक्योरिटी की व्यवस्था होनी चाहिए। लॉ एंड ऑर्डर की आज क्या स्थिति है? यहां पार्किंग और अन्य सुविधाएं होनी चाहिए जिससे लोग यहां आने के लिए अट्रैक्ट हों लेकिन ऐसा कुछ नहीं हो रहा है। हम टूरिज्म को डवैलप करने के लिए कोई प्रयास नहीं कर रहे हैं। पॉवर जनरेशन में Government doesn't have any control. जो टाइम बाउंड प्रोजैक्ट्स हैं उनको अपनी जनरेशन देनी है। it's not been done. इसलिए सरकार को पावर जनरेशन पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

श्री बी.एस. द्वारा... जारी

02.03.2020/1700/बी.एस./डी.सी./-1

सभपति : आज की चर्चा का समय 07.00 बजे अपराह्न तक निर्धारित किया गया है।

श्री नन्द लाल : यहां पर अनेक स्कीमों की बात हुई। पिछले वर्ष सैकड़ों स्कीमें सरकार लाई, इनमें कुछ के नाम बदले गए और कुछ अन्य स्कीमें थीं but we have to see the results. स्टेट सब्सिडी स्कीम वर्ष 2006 में चलाई गई थी। इसका आज भी बड़ा जिक्र होता है कि तीन दाले दो तेल और आटा, चावल इत्यादि के नाम बताए जाते हैं। यह स्कीम राजा वीरभद्र सिंह जी ने चालू की थी and you can't stop it, you have to continue it. आप इसे रोक नहीं सकते। जब हमारी यू.पी.ए. की सरकार दिल्ली में थी उसने मनरेगा स्कीम शुरू की थी। जग जाहिर है कि यह बहुत ही लोकप्रिय स्कीम है। यदि आज आपके पास कोई स्कीम है जो लोगों को सीधे लाभ दे रही है तो वह मनरेगा है। यह माननीय मनमोहन सिंह और आदरणीय सोनिया गांधी जी की सोच थी कि पूरे देश में लोगों को 100

दिन का रोजगार उपलब्ध करवाना है। It is not simply a Scheme but it is a Law. यह कानून है। इस कानून के अन्तर्गत यदि जॉब कार्ड आज बनता है तो 14 दिन के अंदर-अंदर उन लोगों को काम पर नहीं बुलाया जाता तो उनको अलाउंस मिलता है। यदि 3 किलोमीटर से बाहर यदि कोई व्यक्ति काम पर जाता है तो उसे 10 प्रतिशत एक्सट्रा अलाउंस मिलता है। उसमें यह भी प्रावधान है कि यदि चार महीलाएं बच्चों के साथ काम पर जाती हैं तो पांचवीं महीला को बच्चों को देखने के लिए अलाउंसिज दिए जाएंगे। You can see the concern those people have got. बच्चों वाली महीलओं का भी इसमें पूरा ध्यान रखा गया है। मैं सर्वशिक्षा अभियान के बारे में कहना चाहूंगा। आज स्कूलों में करोड़ों रुपया इस स्कीम के तहत खर्च किया जा रहा है। ऐसी स्कीमों के लिए हमें यू.पी.ए. सरकार का धन्यवाद करना चाहिए। फूड सिक्योरिटी एक्ट इसमें 3 रुपए किलो चावल दिया जाता है, ये सब कांग्रेस पार्टी की देन है।

जनमंच की बात बहुत से माननीय सदस्यों ने की है। बड़े दुःख कि साथ कहना पड़ता है। आप लोग इसकी बहुत तारीफ करते हैं परंतु इसमें तारीफ के लायक कुछ नहीं है। मैं आपको बताऊं huge expenditure is incurred on it. उसका डाइस बनाता है, स्टेज बनता है, सिटिंग अरेजमैंट होता है, खाना बनता है and lot of other things are done

02.03.2020/1700/बी.एस./डी.सी./-2

and thousands of people and government employees move to that place. रामपुर में अगर यह कार्यक्रम होना है तो शिमला से पूरा साजो-सामान लाया जाता है। उसमें सरकारी अधिकारी कामयाब नहीं है। उससे पहले प्री मंच होता है उसमें जो संबंधित अधिकारी हैं वे सारी समस्याओं को इकट्ठा करने में लग जाते हैं। इसमें कितना कार्य सफर होता है। यह कार्य पहले भी होता था उसमें क्या होता था? उसमें प्रशासन जनता के द्वारा होता था। सारे अधिकारी अपने level पर सब-डीविजन पर मोनिट्रिंग करते थे कि कहीं किसी कार्य में कोई कमी तो नहीं है? सरकार ने देखा कि जब नौकरशाही पर विश्वास नहीं रहा तो उन्होंने समझा कि हम अपना मंत्री भेजते हैं, जब मंत्री जी वहां पर गए तो भी काम

नहीं हुए, उसके बाद अब माननीय मुख्य मंत्री जी खुद जनमंच पर जा रहे हैं। हम तो यह कहते हैं कि जनता का जब आपके नौकरशाहों पर विश्वास नहीं रहा, आपके मंत्रियों पर विश्वास नहीं रहा और माननीय मुख्य मंत्री जी खुद जा रहे हैं तो after all this if works are not done then where should we go? हमें नहीं लगता कि जनमंच में कोई बहुत बड़े काम हो रहे हैं। It is again a political agenda. यह भी राजनीतिक एजेंडा है। उसमें अधिकारियों की प्रताड़ना भी होती है। सभापति महोदय, यह जो अधिकारियों की प्रताड़ना होती है it is against the principle of motivation and decentralization of power. वे अपने सबोडिनेट के सामने क्या बोलेंगे? वे अधिकारी काम करने लायक नहीं रहेंगे। यह भी मेरा आग्रह रहेगा कि अधिकारियों को इस तरह से प्रताड़ित करना उचित नहीं है। (घंटी) सभापति महोदय, मैं कुछ समय और लूंगा। मैं उद्यान विभाग की बात करना चाहूंगा। सरकार भले ही इसमें प्रयास कर रही है।

श्री डी.टी.द्वारा जारी...

02.03.2020/1705/DT/DC-1

श्री नन्द लालः जारी.....

मगर मुझ एक बात कहनी है। बागवानी में जो मशीनरी है, इक्यूपमेन्ट हैं वो सब मिलते हैं। हार्टिक्लचर में ग्रेडिंग और पैकिंग का हाउस बनाने के लिए तो सब्सिडी मिलती है पर अभी तक मशीनरी में सब्सिडी नहीं मिलती। पहले पूरे एरिया में एकाध मशीन होती थी अब हर गांव में एक-दो मशीनें हैं। मेरा सरकार से आग्रह है कि मशीनरी आदि में भी सब्सिडी मिलनी चाहिए ताकि लोग सबसिडाइज्ड रेट अपने वहां मशीन लगा सके। क्योंकि यह एक टाइम बाउंड काम है। हमारे यहां मार्किंटिंग की भी बहुत समस्या है। पहले जो होर्टिकल्चर मिशन था उसके अंतर्गत कुछेक एरियाज में सी.ए. स्टोर निर्माण करने की प्रपोजल थी। मेरा सरकार से आग्रह रहेगा कि मेरे निवार्चन क्षेत्र में ननखड़ी ब्लॉक में एक जगह झांगड़ है, यह सारे एरिया को कनैक्ट करती है वहां सी.ए. स्टोर का प्रपोजल है उसे थ्रू करो ताकि वहां के लोग सी.ए. स्टोर का फायदा उठा सके। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति की यहां बहुत बात हो रही है। मुझे केवल इसमें एक बात कहनी है और यह

संवेदनशील मामला है। यह बड़े दुभार्ग्य की बात है। हमारे माननीय सदस्य श्री जगत सिंह नेगी किन्नौर से संबंध रखते हैं। हमारे यहां दो जिले किन्नौर और लाहौल स्पिति ऐसे हैं जहां पर टी.ए.सी. के चेयरमैन है वह अपने आप को उस निर्वाचन क्षेत्र का का एम.एल.ए. समझता है। जैसे ही जगत सिंह नेगी जी एम.एल.ए. बने डिप्टी कमीशनर को चेयरमैनशिप दी गई। श्री मारकण्डा जी हमारे मंत्री हैं वह लाहौल स्पिति से जीते हैं और वे उस जिला के चेयरमैन है। किंतु किन्नौर में जगत सिंह नेगी को हटाकर डिप्टी कमीशनर को यह पावर दी गई है। यह एक सरकार की उस क्षेत्र के लोगों के प्रति संवेदनशीलता दर्शाती है। अभी स्कोलरशिप स्कैम हुआ है जो स्कोलरशिप एस.सी.,एस.टी. के छात्रों को मिलता था उसकी आपको मामले की जांच करनी चाहिए। जो इस कैटेगिरी के लोग स्कोलरशिप के लिए लिजिबल हैं, उन्हें वह मिलना चाहिए। आप जांच करते जाओ लेकिन जो इलिजिबल कैंडिडेट है उन्हें तो स्कोलरशिप दो, वे इस हक से क्यों वंचित हो? मेरा सरकार से आग्रह है कि इसको ध्यान में रखते हुए यह फैसलिटी उन कैंडिडेट्स को दी जाए। मैं एक बार अवश्य कहूंगा कि इस दस्तावेज में हमें ऐसी कोई चीज नहीं लगी जिसका मैं समर्थन कर पाऊं। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

02.03.2020/1705/DT/DC-2

श्री मुकेश अग्निहोत्रीः माननीय सभापति जी यहां पर एक भी ब्यूरोक्रेट पर उपस्थित नहीं है। इसका मतलब यह है कि सरकार बिल्कुल गंभीर नहीं है।

सभापतिः अब माननीय सदस्य श्री परमजीत सिंह जी चर्चा में भाग लेंगे।

श्री परमजीत सिंह (दून) : सभापति महोदय, आपने मुझे राज्यपाल के अभिभाषण पर बोलने का समय दिया मैं आपका धन्यवाद करता हूं। माननीय राज्यपाल के अभिभाषण से यह साफ लगता है कि यह जो भारतीय जनता पार्टी की वर्तमान सरकार है यह जनता के सेवक के रूप में आगे बढ़ रही है और माननीय जय राम ठाकुर जी ने दो साल के अंदर जो विकास की गाथा लिखी है वह प्रदेश की जनता भलि-भांति जानती है। आज उसी का नतीजा है कि जनता ने भारतीय जनता पार्टी की सरकार को भरपूर आशीर्वाद दिया है। उसी का नतीजा है कि हिमाचल प्रदेश में लोकसभा की चारों-की-चारों सीटें भारी बहुमत

से भाजपा जीती है और श्री जय राम ठाकुर जी को आशीर्वाद देकर उनके हाथ मजबूत किए हैं।

श्री एन.जी. द्वारा... जारी

02-03-2020/1710/एच.के.-एन.जी./1

श्री परमजीत सिंह जारी.....

माननीय श्री जय राम ठाकुर जी ने हर वर्ग, हर समाज और हर गरीब के लिए सोचा है और पिछले वर्ष के बजट में जितनी भी योजनाएं लाई गई थी उन सभी योजनाओं को लागू किया है। सभापति महोदय, 'सामाजिक सुरक्षा पैंशन' के माध्यम से 80 वर्ष की आयु को घटाकर 70 वर्ष करके हिमाचल प्रदेश के लाखों बुजुर्गों को लाभ दिया गया है। प्रदेश में अनेक ऐसे बुजुर्ग थे जो इस पैंशन के लिए तरसते थे, उनका स्वर्गवास भी हो जाता था लेकिन उन्हें सामाजिक सुरक्षा पैंशन नहीं मिल पाती थी। हमारे बुजुर्गों के लिए 'सामाजिक सुरक्षा पैंशन' एक वरदान साबित हुई है और जो बुजुर्ग अपने बच्चों के कारण या अन्य कारणों से असहाय हो जाते थे ऐसे लोगों को माननीय श्री जय राम ठाकुर जी की सरकार ने सामाजिक सुरक्षा पैंशन उपलब्ध करवाई है। सभापति महोदय, माननीय श्री जय राम ठाकुर जी की सरकार ने प्रदेश में 'हिम केयर योजना' चलाई है। केन्द्र सरकार द्वारा चलाई गई 'आयुष्मान भारत योजना' के अन्तर्गत हिमाचल प्रदेश के बहुत सारे लोग छूट गए थे लेकिन हम माननीय श्री जय राम ठाकुर जी का धन्यवाद करना चाहते हैं जिन्होंने 'आयुष्मान भारत योजना' में छूटे हुए हिमाचल प्रदेश के लोगों के बारे में सोचा और 'हिम केयर योजना' के माध्यम से 5 लाख रुपये तक का निःशुल्क इलाज उपलब्ध करवाया। इस योजना के लिए शाबासी और समर्थन आदरणीय प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने भी किया है क्योंकि हिमाचल प्रदेश पूरे देश भर में एकमात्र ऐसा प्रदेश है जिसने इस प्रकार की योजना चलाई हो। सभापति महोदय, हिमाचल प्रदेश में एक योजना और चलाई गई जिसका नाम है 'हिमाचल गृहिणी सुविधा योजना'। आदरणीय प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

जी ने पूरे देश भर में 'उज्ज्वला योजना' चलाई थी जिसके अन्तर्गत हिमाचल प्रदेश के 22 लाख लोग शामिल थे लेकिन हिमाचल प्रदेश के बहुत सारे लोग इस योजना में छूट गए थे।

02-03-2020/1710/एच.के.-एन.जी./2

यदि इसके बारे में किसी ने सोचा है तो माननीय श्री जय राम ठाकुर जी ने सोचा और आज हिमाचल प्रदेश में कोई भी ऐसा घर नहीं है जिसके पास गैस कनैक्शन न हो। हिमाचल प्रदेश भारत का एकलौता और पहला प्रदेश बना है जिसके हर घर में गैस का कनैक्शन है। जो मेरी माताएं-बहनें चुल्हे के धुएं के कारण अनेक बीमारियों का शिकार हो जाती थी वे सभी आज सुख की नींद सो रही हैं और धुआंरहित जीवन व्यतीत कर रही है। माननीय श्री जय राम ठाकुर जी की सरकार हिमाचल प्रदेश में अनेक योजनाएं लेकर आई है जिनमें से एक योजना है 'जनमंच'। यह एक ऐसी योजना है जिसका हर व्यक्ति ने फायदा उठाया है चाहे वह सत्ता पक्ष का हो या विपक्ष का हो। जनमंच में जितनी भी समस्याएं या मांगे आई हैं सरकार ने उनमें से अधिकत्तर का समाधान किया है। आज तक जनमंच में कुल 45 हज़ार 708 शिकायतें व मांगे प्राप्त हुई हैं और इनमें से 41 हज़ार 698 शिकायतों एवं मांगों का निपटारा कर दिया गया है, जोकि कुल शिकायतों का 91 प्रतिशत है। यह एक ऐसी योजना है जिसे अन्य राज्य भी अपनाने के लिए तैयार हैं और इसको लागू करने के लिए कोशिश भी कर रहे हैं। यह बहुत अच्छी योजना है जिसमें लोगों के साथ सीधा संवाद किया जाता है और इसमें एक तरफ माइक पर अधिकारी खड़ा होता है दूसरी तरफ शिकायतकर्ता खड़ा होता है। मैं माननीय मुख्य मंत्री श्री जय राम ठाकुर जी का धन्यवाद करना चाहता हूं कि वे जनमंच जैसी योजना लेकर आए हैं। मैं धन्यवाद करना चाहता हूं कि आज सरकार लोगों के घरद्वार जा कर लोगों की समस्याओं का समाधान कर रही है।

श्रीमती एम.एस. द्वारा जारी.....

02/03/2020/1715/MS/HK/1

श्री परमजीत सिंह जारी-------

और यह जय राम ठाकुर जी की बदौलत ही संभव हुआ है। माननीय सभापति जी, आदरणीय जय राम ठाकुर जी जो "मुख्य मंत्री स्वावलम्बन योजना" लेकर आए हैं इससे आज हिमाचल प्रदेश के लाखों युवा लाभ उठा रहे हैं। इस योजना के तहत 40 लाख रुपये तक का ऋण दिया जाता है और अनेक नौज़वान बेरोज़गारों ने इसका फ़ायदा उठाया है। इस योजना में बेरोज़गार नौज़वानों को 25 प्रतिशत तथा महिलाओं को 30 प्रतिशत सब्सिडी मिलती है। आज हिमाचल प्रदेश के अन्दर यहां का नौज़वान स्वयं रोज़गार ही पैदा नहीं कर रहा है बल्कि दूसरों को भी रोज़गार दे रहा है। मेरे क्षेत्र में भी बहुत से लोगों ने जे0सी0बी0 और गाड़ियां खरीदीं और उनमें ड्राइवर वगैरह रखे हैं। यह बहुत अच्छी स्वावलम्बन योजना आदरणीय मुख्य मंत्री जी के आशीर्वाद से हिमाचल प्रदेश में चल रही है। इसी के साथ बहुत सी और योजनाएं हिमाचल प्रदेश के अंदर जैसे "मुख्य मंत्री सेवा हैल्प लाइन" है इसमें भी 1100 नम्बर डायल करके बहुत से लोग लाभ उठा रहे हैं। इसमें मैक्सिमम वे लोग हैं जिनकी कभी सुनवाई ही नहीं होती थी। इससे अब घर बैठे न्याय मिल रहा है और इससे अब तक 33235 शिकायतों का निपटारा घर बैठे किया गया है। यह 1100 नम्बर योजना जो माननीय मुख्य मंत्री जी लेकर आए हैं, इसके लिए मैं इनका बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूं कि हिमाचल प्रदेश के लोगों को इसके माध्यम से सस्ता न्याय मिला है और गरीब आदमी के लिए यह योजना एक वरदान साबित हुई है। इसके लिए पुनः मैं मुख्य मंत्री जी का बहुत-बहुत धन्यवाद करना चाहता हूं। इसी तरह से "हिमाचल गृहिणी योजना" में 2,76000 महिलाओं को गैस कनैक्शन मिल चुके हैं और इस प्रदेश में आज कोई भी महिला गैस कनैक्शन के बिना नहीं है। मैं माननीय मुख्य मंत्री जी का बहुत-बहुत धन्यवाद करना चाहता हूं कि मुख्य मंत्री जी अनेक ऐसी योजनाएं इस प्रदेश में लेकर आए हैं।

यहां पर हर्षवर्धन जी कह रहे थे कि दिल्ली के अन्दर क्या हुआ। मैं पूछना चाहता हूं कि दिल्ली के अन्दर आग किसने लगाई? सब जानते हैं कि दिल्ली के अन्दर आज 48 मौतें सबको याद आ

02/03/2020/1715/MS/HK/2

रही हैं लेकिन वर्ष 1984 में 5000 सिखों के गले में टायर डाल-डालकर उनको मौत के घाट उतार दिया, वह आज किसी को याद नहीं है। वह किसने किया? मैं कहना चाहता हूं कि राष्ट्रहित में सबको एकजुट होना चाहिए। राजनीति एक अलग बात है। दिल्ली को जलने नहीं दिया, इसके लिए मैं इस देश के प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जी और गृह मंत्री आदरणीय अमित शाह जी का जिन्होंने एकदम ऐक्शन लिया, धन्यवाद करना चाहता हूं। जो उपद्रवी थे उनके ऊपर ऐक्शन लेकर आज दिल्ली शांत हुई है लेकिन यह सोचने वाली बात है कि दिल्ली को आग किसने लगाई? इस देश को आग लगाने वाले कौन हैं? इस देश को जलाने वाले कौन हैं? मैं बताना चाहता हूं कि पिछले दिनों मैं जम्मू-कश्मीर गया था। आदरणीय सदस्य हर्षवर्धन जी कह रहे थे कि जम्मू-कश्मीर के अन्दर धारा 370 हटा दी गई। किस देशवासी को इसकी खुशी नहीं हुई? सबको खुशी हुई है कि धारा 370 और 35-ए हटी है। आज देश का अगर एक संविधान एक विधान हुआ है तो नरेन्द्र मोदी जी के आशीर्वाद से हुआ जो आज तक किसी ने हिम्मत नहीं की। आज सी0ए0ए0 बिल लेकर आए हैं और यह बिल अगर किसी ने पास किया है तो नरेन्द्र मोदी जी ने पास किया है। यहां बहुत सी सरकारें आईं जो इस बिल को लाना चाहती थी लेकिन किसी में हिम्मत और इच्छा-शक्ति नहीं थी। अगर इस देश के अंदर किसी ने इच्छा-शक्ति दिखाई है तो देश के प्रधान मंत्री आदरणीय नरेन्द्र मोदी जी ने दिखाई है और आदरणीय अमित शाह जी ने दिखाई है।

इसलिए जो अभिभाषण यहां महामहिम राज्यपाल महोदय जी ने प्रस्तुत किया है उसका मैं समर्थन करता हूं। आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

02/03/2020/1715/MS/HK/3

श्री आशीष बुटेलः सभापति महोदय, जो महामहिम राज्यपाल महोदय ने सदन में अपना अभिभाषण दिया, उस पर हो रही चर्चा में भाग लेने के लिए मैं खड़ा हुआ हूं।

सभापति महोदय, सबसे पहले मैं इस अभिभाषण पर यह चर्चा नहीं करना चाहता कि मैं इसका विरोध या समर्थन करता हूं। पहले तो मैं यह कहना चाहूंगा कि जो महामहिम का अभिभाषण इस बार इस सदन में हुआ, वह असंवैधानिक था। मैं संविधान के आर्टिकल 176 को कोट करना चाहूंगा जो कहता है कि "At the commencement of the first session after each general election to the Legislative Assembly and at the commencement of the first session of each year, the Governor shall address the Legislative Assembly so on and so forth."

महोदय, न तो यह जनरल इलैक्शन के बाद पहला इलैक्शन था और न ही यह जो बजट सत्र है यह इस साल का पहला सत्र है। उस समय भी हमने अपनी आपत्ति हमारे विपक्ष के नेता द्वारा जताई थी कि जब महामहिम राज्यपाल महोदय यहां पर 7 जनवरी को पहली बार आए,

जारी जे0के0 द्वारा-----

02.03.2020/1720/जेके/वाईके/1

श्री आशीष बुटेलः-----जारी-------

तो उसी समय उनको अपना अभिभाषण कर देना चाहिए था। उस समय ratification of one of the Acts की ratification के लिए यहां पर आए थे। हम सब इकट्ठे हुए और उसी समय इस अभिभाषण को दे देना चाहिए था, इस सदन के समक्ष रख देना चाहिए था लेकिन ऐसा नहीं हुआ। अब संविधान की धज्जियां उड़ाते हुए आपने इस सदन के पहले दिन उनका अभिभाषण करवाया। सभापति महोदय, इससे साफ झलकता है कि जो हिमाचल प्रदेश की हमारी वर्तमान सरकार है, वह unprepared है, unplanned है और 7 जनवरी को आपने ratification का सत्र एक दिन का रखा था। अगर आप planned होते, आप prepared होते तो उसको विंटर सैशन धर्मशाला में भी करवाया जा सकता था लेकिन ऐसा नहीं हुआ। आपने संविधान की धज्जियां उड़ाते हुए इस बार उनका अभिभाषण दोबारा से करवा दिया।

(**अध्यक्ष महोदय पदासीन हुए**)

अध्यक्ष महोदय, अब जो अभिभाषण यहां पर पढ़ा गया, उसके ऊपर भी चर्चा करना चाहूंगा। यहां पर बहुत बड़ी-बड़ी बातें कहीं गईं कि राम जन्म भूमि, बाबरी मस्जिद का डिस्प्यूट सैटल हो गया, बहुत अच्छी बात है। उसमें कुछ हुआ या नहीं हुआ लेकिन आपकी सरकार द्वारा कुछ नहीं हुआ। आपकी सरकार की, भारतीय जनता पार्टी की दुकान बन्द हो गई, यह मैं आपको बताना चाहूंगा। क्योंकि कभी समय होता था तब आप राम मंदिर के नाम पर वोट लेते थे। अब यह मसला सुप्रीम कोर्ट ने खत्म कर दिया और अब वोट इकट्ठे करने का फॉर्मुला भी आपका खत्म हो गया।

अध्यक्ष महोदय, अभी यहां पर बहुत चर्चा हुई और यह भी कहा कि 72 हजार करोड़ रुपये किसानों का जो ऋण यू.पी.ए. सरकार ने माफ किया था, उसको "dependency syndrome" की संज्ञा दी गई। जो दो-दो हजार रुपये और 6 हजार रूपये सालाना डालने

02.03.2020/1720/जेके/वाईके/2

की बात कर रहे हैं क्या वह "dependency syndrome" नहीं है? यह एक अलग बात है कि आपने इसको इलैक्शन में मुद्दा बनाया। पार्लियामैंट का इलैक्शन था। आपने दो-दो हजार रुपये दे कर अपने वोट इकट्ठे करने की कोशिश की और 6 हजार सालाना देने की बात कही लेकिन अब आपकी वह मज़बूरी बन गई है। यह अच्छी बात है लोगों को पैसा मिल रहा है लेकिन you cannot call the waiving of the loan of Rs. 72,000 crores by UPA Government as dependency syndrome. Because if you call that dependency syndrome then this amount of Rs. 2,000 or 6,000 per year, that you are giving to each marginal farmer, I would call this also dependency syndrome. अध्यक्ष महोदय, केन्द्र सरकार की यहां पर बहुत ज्यादा चर्चा करने की आवश्यकता नहीं थी लेकिन यदि उनकी बात कर ही रहे हैं तो क्यों न हम मेरे विधान सभा क्षेत्र की बात करें। जब यू.पी.ए. की सरकार थी, उस समय दो लोग एक श्री आन्नद शर्मा जी

और श्रीमती चंद्रेश कुमारी जी यू.पी.ए. सरकार में मंत्री थे। दोनों ने मेरे विधान सभा क्षेत्र के लिए कुछ-न-कुछ दिया। Tea Board of India का ऑफिस आया, वह पालमपुर के लिए आया। जब एक साइंस म्यूजियम श्रीमती चंद्रेश कुमारी जी ने दिया वह भी पालमपुर को दिया गया। लेकिन आप हद देखिए, आज वर्ष 2014 से लेकर तकरीबन 6 साल बीच चुके हैं, वह साइंस म्यूजियम, जो चंद्रेश कुमारी जी वर्ष 2013 में दे गई थीं, वह आज तक आपकी केन्द्र सरकार से कम्पलीट नहीं हो पाया है। आज तक उसको खोला नहीं गया। अगर दूसरी तरफ देखें तो श्री आन्नद शर्मा जी ने जो हमें टी-बोर्ड का दफ्तर दिया था, यह अलग बात है कि एक महीने के बाद सरकार बदल गई और उसके बाद वह बना फिर आपकी एन.डी.ए. की सरकार बनी उसने उसका उद्घाटन किया लेकिन वह तैयार हो गया। यह इच्छा शक्ति हमारी यू.पी.ए. सरकार की थी और आपकी इच्छा शक्ति मैंने यहां पर बता दी है। सब कहते हैं कि 70 साल से क्या हुआ? अध्यक्ष महोदय, 70 साल से कांग्रेस पार्टी जब तक थी, वह शासन कर रही थी, वह चाहे स्टेट में थी या सेन्टर में थी, उस समय गरीबी हटाओ का नारा होता था और आज हिमाचल प्रदेश सरकार ने जो नारा दिया है,

02.03.2020/1720/जेके/वाईके/3

वह गरीबी हटाओ का नहीं बल्कि गरीबों को हटाने का दिया गया है। पिछले सदन में भी यह चर्चा हुई थी। आपके पंचायती राज के रुरल डवलपमैंट डिपार्टमैंट ने एक अधिसूचना निकाली और उसके अन्दर क्या कहा कि जो पंचायत बी.पी.एल. से बाहर रहेगी उसको प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। आप यह कहना चाह रहे थे, आप अगर गरीब आदमियों को बी.पी.एल. की सूची से काटोगे तो आपको प्रोत्साहन राशि मिलेगी और लोगों ने ऐसा किया। मेरे विधान सभा क्षेत्र में दो पंचायतें ऐसी हैं, जिनको बी.पी.एल. फ्री कर दिया गया है। अध्यक्ष महोदय, मुझे यह भी कहा गया था, जब पिछली बार हमने चर्चा की थी, जिसमें लीडर ऑफ ऑपोजिशन ने डिस्कशन इनिशिएट की थी,

श्री एस.एस. द्वारा जारी-----

02.03.2020/1725/SS-YK/1

श्री आशीष बुटेल क्रमागत :

मंत्री जी के जवाब में ये कहा गया था कि जो अब आय की सीमा है उसको नौकरियों के लिए बढ़ा दिया गया है। महोदय, आज भी अगर उसको वैल्फेयर विभाग से मकान चाहिए तो उसको 35 हजार रुपये से कम आय चाहिए। अगर आज भी हमारी कोई बहन आंगनबाड़ी का इंटरव्यू देना चाहती है तो उसको भी 35 हजार रुपये से कम की आय चाहिए और वह तब हो सकती है जब वह बी0पी0एल0 में आयेगी। अगर बी0पी0एल0 में नहीं भी आती तो क्यों नहीं आप अपने तहसीलदारों, पटवारियों को इंस्ट्रक्ट करते कि अगर कोई गरीब आदमी है तो उसको फटाफट सर्टिफिकेट बनाकर दें। परन्तु दुर्भाग्यवश ऐसा नहीं हो पा रहा है।

दूसरा, महोदय हमारे पास मकान आते थे। मैं कांग्रेस का इसलिए कम्पैरीजन कर रहा हूं क्योंकि सत्तापक्ष से यही बात आती है कि तुम्हारे समय में यह हुआ और हमारे समय में यह सब कुछ हुआ। मैं आपको बताना चाहूंगा कि जब कांग्रेस पार्टी की इस प्रदेश में सरकार थी तो पी0एम0ए0वाई0 के अंदर 2016-17 में 52 मकान आए और आज जब आपकी सरकार बैठी है तो 2019-20 में भाजपा के समय में मेरे डवलपमैंट ब्लॉक में सिर्फ तीन मकान आए हैं। मुख्य मंत्री आवास योजना के अंदर हमारे समय में 23 से 27 मकान आते थे जबकि आपके समय में केवल मेरे ब्लॉक में 8 मकान आए हैं। तो अगर यह डिस्पैरिटी है and if you count that as an achievement then I am sorry to say that आप पता नहीं हिमाचल प्रदेश को किस ओर लेकर जा रहे हैं।

महोदय, आज दलित पर अत्याचार की बात हुई चाहे वह मंडी शिवरात्रि का मेला हो, कुल्लू के स्कूल के बच्चों की बात हो और चाहे कोई अन्य इश्यु हो, आज सत्तापक्ष से मेरे पड़ोसी और माननीय सदस्य, श्री अरुण कुमार जी ने कहा कि 17 में से 13 एस0सी0 विधायक सत्तापक्ष की ओर हैं। बहुत अच्छी बात है लेकिन आपको आपकी कम्युनिटी और दलित समाज माफ नहीं करेगा अगर आपने उनकी आवाज़ नहीं उठाई। मुझे यह कोई शौंक नहीं है, अभी मैंने पीछे किसी को बोलते हुए सुना भी कि क्या आप कोई ठेकेदार हैं।

हम ठेकेदार नहीं हैं लेकिन हम उस समाज में रहते हैं और उस समाज में रहना चाहते हैं जहां पर कोई धर्म या जात के ऊपर भेदभाव न हो। इसलिए हम लोग यह आवाज़ उठा रहे

02.03.2020/1725/SS-YK/2

हैं। महोदय, इससे यह साफ झलकता है कि पिछले 31 अक्तूबर, 2019 तक आपकी सरकार में 134 केस एस0सी0/एस0टी0 ऐक्ट में रजिस्टर हुए। फिर आप कहते हैं कि एस0सी0/एस0टी0 पर कोई अत्याचार नहीं हो रहा। फिर बात क्राइम की आती है। कोटखाई का जो गुड़िया कांड था उसके ऊपर राजनीतिक करके आपकी सरकार सत्ता में आई। महोदय, मैं आपको बताना चाहूंगा कि इस सरकार में 10 महीने के अंदर-अंदर 297 केस रेप के, cruelty against women 206 cases, मॉलैस्टेशन के 431 केसिज़, अगर आप इन तीनों को ऐड करेंगे तो 1200-1500 केसिज़ सिर्फ महिलाओं पर अत्याचार की वजह से बने हैं। इसके अलावा एन0डी0पी0एस0 के 1130 केसिज़ और एस0सी0/एस0टी0 ऐक्ट के जैसे मैंने कहा 134 केस और कुल मिलाकर इतनी बड़ी फिगर आज तक नहीं गई होगी लेकिन इन 10 महीनों में 16613 केसिज़ जो रजिस्टर्ड हुए, वह यह दिखाता है कि आपकी सरकार की क्या एचीवमैंट्स हैं। आप रोज़गार की बात करते हैं। आप कहते हैं कि आपने रोज़गार देने के लिए इंवैस्टर मीट कर ली। रोज़गार देने के लिए आपने क्या किया? बाहर से बच्चे लाए, उनसे पेपर दिलवाए और उनको यहां पर सचिवालय में तथा बाकी डिपार्टमैंट्स में नौकरियां दीं। हिमाचल प्रदेश का बच्चा कहां जायेगा? हिमाचल प्रदेश का शिक्षित बेरोज़गार युवा कहां जायेगा, जिसको यहां पर नौकरी की ज़रूरत थी? आप बेरोज़गारों को बार-बार कहते हैं कि इम्प्लॉयमैंट एक्सचेंज में रजिस्टर हो जाए, यह करो या वह करो लेकिन जो पढ़ाई करके आता है उसकी कौन-सी नौकरी लगी? यह आप बतायेंगे। आपने यह बात भी कही कि क्लास-III और क्लास-IV की जो भर्तियां होंगी उसके अंदर कोई इंटरव्यू नहीं लिया जायेगा। उसको पारदर्शी रखते हुए आपने कहा कि ऑन मैरिट उनकी रिक्रूटमैंट करेंगे। एच0पी0टी0डी0सी0 में अभी आपने रिक्रूटमैंट्स की हैं। आपने 50 बच्चे वहां पर लगाए। उसमें इंटरव्यू क्यों हुआ? यह मैं आपसे जानना चाहता हूं। महोदय, यह किसी से बात छुपी नहीं है कि पुलिस की भर्ती और पटवारियों की भर्ती कैसी हुई। पटवारियों की भर्ती का रिजल्ट बजट सैशन के अंतिम दिन जैसे ही 5.00 बजे सदन स्थगित हो गया तो उस समय वहां पर एकदम रिजल्ट निकल गया ताकि मामला सदन में न उठा सकें।

02.03.2020/1730/केएस/एजी/1

श्री आशीष बुटेल जारी---

अध्यक्ष महोदय, ये चीज़े सभी को दिखती हैं और हिमाचल प्रदेश की जनता प्रबुद्ध जनता है। आप लोग जो करना चाहते हैं, वह सभी को नज़र आ रहा है।

अध्यक्ष महोदय, शिक्षा के बारे में कहना चाहूंगा। आप दो साल से वर्दियां तक नहीं दे पाए और जो दी हैं, उनका रंग ही निकलने लग गया। व्हाट्सएप में विडियो वायरल हो रहे है और अगर मैं गलत हूं तो आप बताएं। आपने जो स्कूल बैग दिए, दो दिन के बाद वे फटना शुरू हो गए। लैपटॉप दिया, मैं जगत सिंह नेगी जी का धन्यवाद करना चाहूंगा, अगर आपने लैपटॉप के बारे में विधान सभा में प्रश्न नहीं लगाया होता तो शायद आज वे भी नहीं मिल रहे होते। ...(व्यवधान) सुन लीजिए, मैं आपको आपकी करतूत बता रहा हूं। वर्ष 2017-18 और 2018-19 में आपने जो लैपटॉप देने थे, अब जाकर वे आपने दिए हैं और यह भी मालूम नहीं है कि वे कब तक चलेंगें। उसके बाद आपकी यूनिवर्सिटीज़ हैं, पालमपुर की चौधरी सरवन कुमार कृषि विश्वविद्यालय और शिमला की एच.पी. यूनिवर्सिटी में आपने कोर्सिज़ बंद कर दिए। मैंने इस सम्बन्ध में प्रश्न भी लगाया है और उसका उत्तर भी आपके सामने आएगा इसलिए मैं उसकी ज्यादा चर्चा यहां पर नहीं करना चाहता लेकिन यह कैसी सरकार आई कि जो कोर्सिज़ आपको अच्छे रेवन्यू जनरेट कर रहे थे, होटल मैनेजमैंट का कोर्स कृषि विश्वविद्यालय में चलता था, ऐसे कोर्सिज़ जिनकी वजह से प्लेसमैंट होती थी, उनको आपने बंद कर दिया? डॉक्टरेट डिग्री, मास्टर्ज़ डिग्री, वैटरिनरी साइंसिज़ आदि के कोर्सिज़ को आपने बंद कर दिया जो पूरी स्टेट में कहीं और नहीं होते। फेक डिग्रीज़ की कल बात हुई। मैं मानता हूं कि उसके बारे में जो आप कर रहे हैं, ठीक कर रहे हैं लेकिन एक बात बताएं कि ऐसा क्यों है कि आपकी ही पार्टी के पूर्व मुख्य मंत्री महोदय सी.बी.आई. की जांच मांग रहे हैं और आप इसको शील्ड करने की कोशिश कर रहे हैं और यह कहने की कोशिश कर रहे हैं कि ऐसा कुछ हुआ ही नहीं? आप दोनों बैठिए, डिसाइड कीजिए कि कौन ठीक है और कौन गलत है और यह डिसाइड कीजिए कि हमारे यहां से अगर कोई फेक डिग्रीज़ दी गई हैं तो उसके ऊपर आप क्या एक्शन लेंगे?

02.03.2020/1730/केएस/एजी/2

अध्यक्ष महोदय, माइनिंग की बात हुई। मुलख राज प्रेमी जी यहां पर बैठे हैं। शिव मंदिर बैजनाथ के बारे में, वहां की माइनिंग के बारे में समाचार से आज पूरी अख़बारें भरी हुई हैं। वहां पर भी आपके पूर्व मुख्य मंत्री महोदय ने कुछ दिन पहले बयान दिया कि स्वां में गलत माइनिंग हो रही है और उससे बहुत नुकसान हुआ है। अध्यक्ष महोदय, मैं यह कहना चाहता हूं कि एक तरफ इन्हीं की पार्टी के ज़िम्मेदार लोग यह कहते हैं कि यह गलत हो रहा है लेकिन हमारी यहां पर बैठी सरकार ने आंखें बंद की हुई हैं। यह उस कबूतर की तरह है जो बिल्ली को देख कर आंखें बंद कर रही है और बार-बार यह सोच रही है कि बिल्ली मुझे नहीं देख पा रही है लेकिन बिल्ली तो खा जाएगी और इसी तरह जो हिमाचल प्रदेश सरकार ने अपनी आंखें बंद कर ली है और किसी न किसी आपदा का इंतज़ार कर रही है जो हिमाचल प्रदेश में आएगी और इन्हें वह दिखाई नहीं देगी।

अध्यक्ष महोदय, स्वां नदी की अगर हम बात करें, भारतीय जनता पार्टी की सरकार बार-बार कहती है कि वहां पर कुछ नहीं हो रहा, हमारे लीडर ऑफ अपोजीशन को सड़क पर उतरना पड़ता है और ट्रक रोकने पड़ते हैं और हद तो इस बात की है कि जब उसके दो-तीन दिन बाद हमने आपके माइनिंग के लोगों से पूछा, इंडस्ट्रीज़ के लोगों से पूछा, उन्होंने कहा कि हमें तो इसकी जानकारी भी नहीं है। इस बात की हद है।

अध्यक्ष महोदय, इन्वैस्टर्ज़ मीट हुई। वहां पर मोदी जी भी आए। हम लोग आशा कर रहे थे कि हिमाचल प्रदेश को कुछ अच्छा मिलेगा। आख़िरकार वे प्रधान मंत्री हैं लेकिन सेपू बड़ी का स्वाद और कांगड़ा का खट्टा, बस ये ही दो चीजें मिलीं, उसके बाद वहां पर हमें और कुछ नहीं मिला। जब वे यहां पर आए तो हम तो चाहते थे, पूरी सरकार, पूरा हिमाचल प्रदेश चाहता था कि वे आ कर कुछ अच्छी बात कहते। यहां के लिए कुछ धनराशि दे कर जाते परन्तु दुर्भाग्य से एक धेला भी आपको नहीं मिल पाया है और उसके लिए भी अगर आप कहते हैं कि आपकी अचीवमेंट है तो मैं मानता हूं कि यह आपकी अचीवमेंट है। इन्वैस्टर्ज़ मीट के बारे में, कोई 15-20 दिन पहले की बात है। मैंने रेडियो ऑन किया, मैं गाड़ी से आ रहा था। मैं बहुत जिम्मेदारी से यह कह रहा हूं। एक रेडियो चैनल के ऊपर एक जिंगल बजा। आपके इस अभिभाषण में आपने कहा है कि हमने 736 एम.ओ.यू. साइन किए

और 97,700 करोड़ रुपये के निवेश के हमने एम.ओ.यू. साइन कर दिए हैं और साथ में यह भी कहा,

श्रीमती अ0व0 द्वारा जारी---

02.03.2020/1735/av-ag/1

श्री आशीष बुटेल--------- जारी

कि जो ग्राउंड ब्रेकिंग हुई उसमें 248 एम0ओ0यूज0 साइन हुए और 13697 करोड़ रुपये का यहां पर निवेश होने जा रहा है। महोदय, उस जिंगल में यह कहा जाता था कि हमारे 736 एम0ओ0यूज0 साइन हुए और 97700 करोड़ रुपये का निवेश हो रहा है। आपको मालूम है कि आपकी ग्राउंड ब्रेकिंग में जब केवल 13697 करोड़ रुपये का निवेश हो रहा है तो आप पूरे हिमाचल प्रदेश को गलत सूचना देकर यह कह रहे हैं कि आपके 97700 करोड़ रुपये का निवेश होने जा रहा है। आप वहां पर इस तरह की गलत सूचना क्यों इंपार्ट कर रहे हैं? इसके अतिरिक्त वहां पर 1900 कमरे बुक हुए थे तो मैं उसके लिए भी माननीय मुख्य मंत्री जी से आग्रह करूंगा कि उस बारे में आप यहां पर व्हाइट पेपर ले करें कि उन कमरों में कौन-कौन रहा, ऐसे कौन से निवेशक थे जो उन कमरों में ठहरें और वहां पर होटल मालिकों को कितनी पेमैंट हुई। ...(व्यवधान) लेकिन हमने पहले ही मना कर दिया था कि हम लोग नहीं आ रहे तो शायद आपने उनमें किसी और को ठहराया होगा। इस सरकार की सबसे बड़ी अचीवमैंट जो ये लोग दर्शाते हैं वह जनमंच है। इसके अलावा इनके पास बोलने के लिए कुछ नहीं है। प्री जनमंच में 15 दिन पहले काम शुरू हो जाता है और उस दौरान दफ्तरों में काम बंद हो जाता है। छोटे-से-छोटे कर्मचारी से लेकर बड़े-से-बड़े अधिकारी अपने दफ्तरों में मिलना बंद हो जाते हैं। अगर आप इतने ही हितैषी है तो जो म्युटेशन आप जनमंच में जाकर करवाते हैं, उसको आप अपने दफ्तरों में क्यों नहीं करवाते? आपने जो जनमंच का कुल खर्चा तथा सोल्व की गई समस्याओं की संख्या बताई है तो उसके हिसाब से अगर एक पानी का नलका लगाना है या एक म्यटेशन करवानी है तो उस समस्या के समाधान हेतु सरकार को 5000 रुपये का खर्चा बैठता है। महोदय,

दफ्तर भ वही और अधिकारी भी वही; तो आप अपने अधिकारियों को ऐसे आदेश क्यों नहीं करते कि वे जाकर दफ्तर में काम करें। आप अपने अधिकारियों को इस तरह के निर्देश दीजिए कि वे दस से पांच बजे तक अपने दफ्तर में मिलेंगे। उस वक्त म्युटेशन क्यों नहीं होती, इस बारे में देखा जाए और अगर कोई ऐसा नहीं कर रहा है तो उसके ऊपर भी कार्रवाई की जाए। आपने लोगों को धाम खिलाने और

02.03.2020/1735/av-ag/2

उनको वहां से रवाना करने के अलावा कोई काम नहीं रखा। मैं ज्यादा न कहता हुआ एक चिन्ता का विषय आपके सामने लाना चाहता हूं जो यहां पर हमारे नेता प्रतिपक्ष ने भी उठाया था और वह था exposure to H.P. is high and capacity is weak. ADB should avoid taking up projects in H.P. जब ए0डी0बी0 की मीटिंग जो कि शायद कोच्चि में हुई थी, यह शायद उस दिन की बात है। उस मीटिंग के मिनट्स यह कहते हैं और यह रिपोर्ट शायद टेबल ऑफ द हाउस में ले हो चुकी है। क्या यह चिंता का विषय नहीं है, अगर इतनी बड़ी फंडिंग एजैंसी हिमाचल प्रदेश को कमजोर समझती है, over exposed समझती हो और यह कहती है कि you should avoid taking projects here. मुझे लगता है कि इससे ज्यादा हमारे लिए शर्म की बात और कोई नहीं हो सकती। इसके अतिरिक्त मैं ट्रांसफर उद्योग की बात करना चाहता हूं क्योंकि पहले तो केवल कर्मचारियों की ट्रांसफर होती थी मगर आजकल तो कैबिनेट मिनिस्टर्ज की भी ट्रांसफर हो रही है। ऐसा भी सुनने में आ रहा है कि अभी और एक ट्रांसफर राज्य सभा के लिए होने वाली है। यह तो इनका प्रेरोगेटिव है और हम इसमें दखलअंदाजी नहीं करना चाहते परंतु मेरा इसमें यह कहना है कि कर्मचारियों को प्रताड़ित करना बंद करें। कर्मचारी और अधिकारी आपकी बात तब सुनेंगे अगर आप उनको ठीक बात कहेंगे। अगर आप उनको गलत बात करने को कहते हैं और फिर वे नहीं करते तो आप उनका स्थानांतरण कर देते हैं। इसलिए इस उद्योग को बंद किया जाए। हम यहां पर विपक्ष में कांगड़ा जिला से केवल 3 लोग हैं तथा होशयार सिंह जी चौथे हैं। होशयार सिंह जी को मैं पक्ष या विपक्ष में नहीं मानता मगर बाकी 11 सदस्य सत्ता पक्ष में हैं। आप 11 माननीय सदस्यों को कांगड़ा की जनता कभी माफ नहीं करेगी। कांग्रेस पार्टी की सरकार ने धर्मशाला को दूसरी राजधानी का दर्ज़ा दिया था मगर अभी तक उसका कुछ नहीं हुआ जबकि यह नोटिफाइड है।

टी सी द्वारा जारी

02.03.2020/1740/टी0सी0वी/ए0एस0-1
श्री आशीष बुटेल ..जारी

आप यह बताएं कि आपने उसके ऊपर क्या काम किया? आपने उस नोटिफिकेशन को डी-नोटिफाई किया या आप उस नोटिकिकेशन को मानते हैं, ये आप इस पूरे सदन को बताएं।

दूसरा, जो ई0एन0सी0, (प्रोजैक्ट्स) जल शक्ति विभाग का था, आपने उसको उठाने की नोटिकिकेशन की है, वह भी कांगड़ा के साथ बदसलूकी है। ऐसा सुनने में आ रहा है कि कांगड़ा को 'ब्रिक्स' से निकाल दिया गया है। उसका कारण यह बताया गया है कि वहां पर महामहिम दलाईलामा जी रहते हैं। ऐसा सुनने में आ रहा है, मैं यकीन के साथ नहीं कह सकता हूं, जब तक आप इसकी पुष्टि नहीं करेंगे लेकिन अगर ऐसा है तो यह बहुत दुर्भाग्य की बात है। आप 11 लोग जो उस ओर (सत्तापक्ष) बैठें हैं, कागड़ा की जनता आपको माफ़ नहीं करेगी। आख़िर में अध्यक्ष महोदय, मैं अपने विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र की बात करना चाहूंगा। यह एक ऐसी सरकार है जो बिना उद्घाटन, बिना पट्टिका लगाये कोई काम नहीं करती। कुछ समय पहले मैंने प्रश्न पूछा था, एक बाई-पास का ब्रिज़ था, अब उसका उद्घाटन हो गया है और वह वाहन के लिए खोल दिया गया है लेकिन मैं इनकी मानसिकता बताना चाहता हूं। जब प्रश्न का उत्तर आया, उसमें जवाब आया, यह ठीक है कि उस पुल का निर्माण हो चुका है, हर किस्म से वह पुल तैयार है लेकिन and we are waiting for the inauguration of that bridge. वह तब तक वाहनों के लिए नहीं खुलेगा, जब तब उस पर पट्टिका नहीं लगेगी और उसके बाद उसका उद्घाटन नहीं होगा। कई बार तो भगवान भी देखता है, मुख्य मंत्री जी, आपने उस पुल का उद्घाटन करने के लिए पालमपुर आना था लेकिन बारिश इतनी पड़ी कि उसका उद्घाटन माननीय सदस्य, श्री प्रेमी जी को करना पड़ा। दूसरा, एक पी0एच0सी0, मनियाड़ है। माननीय मुख्य मंत्री जी आप यहां है, आपसे मैं निवेदन करना चाहूंगा, शायद

02.03.2020/1740/टी0सी0वी/ए0एस0-2

आपका पालमपुर का होली का प्रोग्राम कैंसल हो गया है। आप से हाथ जोड़कर विनती है कि आप यहीं से पी0एच0सी0, मनियाड़ा का उद्घाटन कर दें। यदि आप ऐसा नहीं कर सकते हैं तो माननीय अध्यक्ष जी को उस पी0एच0सी0 का उद्घाटन करने के लिए अधिकृत कर दीजिए क्योंकि उधर इनके भी और हमारे लोग भी हैं। आप इनको अधिकृत कर दीजिए ताकि इस बार जब ये होली में वहां जाएं तो वहां जाकर उसका उद्घाटन करें और अपने नाम की प्लेट लगाएं और लोगों को यह पी0एच0सी0 समर्पित हो जाएं। अध्यक्ष महोदय, अंत में मैं कहना चाहूंगा कि रोपवे पालमपुर, यह मेरा सपना नहीं है, श्री शान्ता कुमार जी (...व्यवधान)

अध्यक्षः बुटेल जी, प्लीज़ वाइंड अप करें।

श्री आशीष बुटेलः अध्यक्ष महोदय, सिर्फ दो लाइन बोलकर समाप्त करूंगा। इसलिए आप रोपवे का भी कुछ-न कुछ सोचें। इस अभिभाषण में मैंने देखा, आपने यह कहा है कि ऊना और सोलन में आप गऊ सदन बनाने जा रहे हैं लेकिन मैंने मंत्री जी से यह सुना था कि पालमपुर में भी एक गऊ सदन खोला जा रहा है। उसका इस अभिभाषण में ज़िक्र नहीं है। मैं यही चाहता हूं कि पालमपुर का भी समान तरीके से विकास हो और हिमाचल प्रदेश पर जो वित्तीय संकट मंडरा रहा है, उसके लिए भी कोई सिसोर्स प्लॉन करें ताकि आने वाली पुश्तें हम लोगों को गालियां न दें।

अध्यक्ष महोदय, आपने समय दिया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

अध्यक्षः धन्यवाद, बुटेल जी। अब माननीय मुख्य मंत्री जी व़क्तव्य देंगे।

02.03.2020/1740/टी0सी0वी/ए0एस0-3

मुख्य मंत्रीः अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्य को बहुत ध्यान से सुन रहा था और हमने बीच में भी नहीं टोका। इनका बात करने का तरीका बड़ा सरल है, ये शालीन स्वभाव के आदमी है लेकिन उसके बावजूद भी कुछ बातों में सैंसेशनल करने की कोशिश कर रहे थे। मैं कांगड़ा के संदर्भ में बड़ा स्पष्ट कहना चाहता हूं कि कांगड़ा हमारे प्रदेश का सबसे बड़ा जिला है और सबसे बड़े जिले का जो स्थान, जो अधिकार बनता है, उसमें कमी नहीं, इजाफ़ा ही करेंगे। दूसरी बात कांगड़ा में जब

एन0एस0 द्वारा ... जारी ।

02/03/2020/1745/NS/AS/1

माननीय मुख्य मंत्री ..... जारी

दूसरी बात कांगड़ा में हम कोई बड़ा इवैंट करते हैं और जिसमें माननीय प्रधान मंत्री जी आते हैं। एक साल का कार्यकाल पूरा हुआ और माननीय प्रधान मंत्री जी धर्मशाला आए।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, बैठे-बैठे न बोलें।

मुख्य मंत्री : माननीय प्रधान मंत्री जी ने बहुत ज्यादा दे रखा है। ऐसा है आपके प्रधान मंत्री जी आए तो वे सो करके चले गए। हमारे प्रधान मंत्री जी आए और जो उन्होंने दिया है उसका ज़िक्र मैं वक्त आने पर करूंगा। दूसरे वर्ष का कार्यकाल अभी पूरा नहीं हुआ था यानी 7 व 8 नवम्बर, 2019 को वे ग्लोबल इन्वैस्टर मीट के उद्घाटन के लिए धर्मशाला आए। अध्यक्ष महोदय, एक इवैंट होता है और विशेष तौर से हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले के धर्मशाला को इंटरनेशनल एक्सपोज़र मिलता है। उसमें भी आपको परेशानी है क्योंकि आपको लगता है कि यह गलत हो गया यह तो होना ही नहीं चाहिए था क्योंकि आप खुद नहीं कर पाए थे। दूसरा, जो आप ई0एन0सी0(प्रोजैक्ट), जल शक्ति विभाग की बात कर रहे हैं। आपको इस बात को समझना चाहिए कि इस प्रोजैक्ट में अधिकारियों की स्पैस्फिक पोस्टिंग उस कार्यालय में पर्टिकुलर टाइम के लिए होती है। प्रोजैक्ट खत्म होता

है, शिफ्ट होता है या दूसरे एरिया को कवर करता है तो शिफ्ट होता है। मैं ऐसा एक नहीं बल्कि 20 उदाहरण दे सकता हूं। ऐसे कई उदाहरण हैं कि पहले कार्यालय यहां था और प्रोजैक्ट खत्म हुआ तो कार्यालय दूसरी जगह चला गया। इसके लिए कोई स्थायी व्यवस्था नहीं है। आप इस विषय को कहां कोरीलेट करने या जोड़ने की कोशिश कर रहे हैं? हम पालमपुर आना चाह रहे थे, मौसम खराब हुआ और हम वहां नहीं जा पाए लेकिन फिर भी हमने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उद्घाटन किया। यह एक परिस्थिति थी। आप तो भरी धूप में भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग नहीं करते थे बल्कि शिमला की दीवारों पर 100-150 फट्टे टांग करके वहां से उद्घाटन करते थे। आप तो ऐसा करते रहे हैं। आप लोग इन सारी बातों में मत जाइए, ये बातें आपको शोभा नहीं देती हैं क्योंकि आपने कई बातें ऐसी कह दी हैं अगर हम उनको खोलेंगे तो बहुत बातें निकलेंगी। मेरे लिए उन बातों को कहना तो दूर बल्कि शब्दों का चयन करना भी मुश्किल है। मैं बड़ी जिम्मेवारी के साथ कह सकता हूं कि कांगड़ा प्रदेश का बहुत बड़ा जिला है, सबसे महत्वपूर्ण जिला है और शिमला व धर्मशाला का महत्व हमने कभी भी

02/03/2020/1745/NS/AS/2

कम नहीं आंका है। अगर शिमला राजधानी है तो हमने कांगड़ा (धर्मशाला) को भी वही सम्मान और स्थान दिया है। आपकी जानकारी के लिए मैं बता दूं कि मैं वहां पर पांच विधान सभा क्षेत्रों का दौरा करके आया हूं। इन पांचों विधान सभा क्षेत्रों में हमने लगभग 400 करोड़ रुपये के उद्घाटन और शिलान्यास के कार्यक्रम किए हैं और मौके पर जा करके आए हैं। आप खुद अंदाज़ा लगाईए। हमने पिछली सरकार का भी आंकड़ा निकाला है। जब आपके शीतकालीन प्रवास होते थे तो आपका अमाऊंट एक चौथाई भी नहीं होता था जितना अमाऊंट हमने शिलान्यास, उद्घाटनों और नई स्कीमों के लिए दिया है। हम ज़मीन पर काम करते हैं और ज़मीन पर चलते हैं। मेहरबानी करके उन सारे विषयों का ज़िक्र न करें। कांगड़ा हमारा महत्वपूर्ण जिला होने के साथ-साथ राजनैतिक व भौगोलिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है और इसके महत्व को कभी भी कम करने का सवाल पैदा हमारी सरकार में नहीं होगा। अध्यक्ष महोदय, मैं इस माननीय सदन में यही कहना चाहता हूं।

02/03/2020/1745/NS/AS/3

अध्यक्ष : माननीय मुख्य मंत्री जी, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। अब इस चर्चा में माननीय सदस्य श्री बलबीर सिंह वर्मा जी भाग लेंगे।

श्री बलबीर सिंह वर्मा : अध्यक्ष महोदय, महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव दिनांक 27 फरवरी, 2020 को माननीय सदस्य श्री बलबीर सिंह जी द्वारा प्रस्तुत किया गया तथा माननीय सदस्य श्री राकेश जम्वाल द्वारा अनुसमर्थित किया गया है। मैं उस पर बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। अध्यक्ष महोदय,

श्री आर0 के0 एस0 द्वारा जारी।

02.03.2020/1750/RKS/DC-1

श्री बलबीर सिंह वर्मा...जारी।।।

किसी भी लोकप्रिय सरकार की सफलता, जनता की आकांक्षाओं और इच्छाओं को पूरा करने के लिए उसके समर्थन और दक्षता पर निर्भर करती है। प्रदेशवासियों के विकास और कल्याण के लिए माननीय मुख्य मंत्री जी ने बहुत सारी योजनाएं प्रदेश में लाई हैं। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी जी ने 'प्रधान मंत्री किसान योजना' इस देश के अंदर लाई जिसके अंतर्गत 597 करोड़ की राशि लगभग 8,46,784 किसानों को दी गई है। यह योजना किसी जाति, धर्म, पार्टी,राज परिवार, किसान परिवार या दलित परिवार के आधार पर नहीं बनाई गई है। यह योजना इस देश के किसानों व विशेष तौर पर आर्थिक आधार पर कमजोर वर्ग के किसानों के लिए बनाई गई है। जिन किसानों की जमीन कम है उन किसानों को एक वर्ष में 6000 रुपये मिल रहे हैं, जिसकी पहली किस्त दो हजार रुपये बनती है। इस तरह की योजना वर्ष 1947 के बाद पहली बार देश के अंदर आई है। पूरे देश की जनता ने इस योजना का फायदा उठाया है और इसका पूरा समर्थन किया है। माननीय प्रधान मंत्री जी ने 'प्रधान मंत्री कृषि सिंचाई योजना' लाई है। हर खेत के लिए किसानों को पानी मिले इस योजना के तहत हिमाचल प्रदेश की जनता को बहुत फायदा

हो रहा है। चौपाल विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र एक दुर्गम क्षेत्र है। इस विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए 11-12 योजनाएं 'प्रधान मंत्री कृषि सिंचाई योजना' के तहत स्वीकृत हुई हैं और इससे किसानों व बागवानों को बहुत फायदा मिलेगा। 'मुख्य मंत्री खेत संरक्षण योजना' और स्वावलंबन योजना भी इस प्रदेश के अंदर आई है। 18-45 वर्ष तक के नौजवान जो अपनी रोजी-रोटी के लिए प्रदेश छोड़कर पूरे हिन्दुस्तान में जाते थे, वे इसी प्रदेश के अंदर अपना व्यापार करें उनके लिए माननीय मुख्य मंत्री जी ने इस प्रदेश में स्वावलंबन योजना लाई है। इस योजना के अंतर्गत नौजवानों को 40 लाख रुपये तक का ऋण मिलता है और यह ऋण 3 वर्ष तक 5 प्रतिशत ब्याज पर दिया जाता है। इसमें 25 प्रतिशत तक सब्सिडी का भी प्रावधान है। यहां पर माननीय सदस्य, श्री आशीष बुटेल जी ने जनमंच के बारे में कुछ बातें कही। राम राज्य में पहली बार ऐसी व्यवस्था आदरणीय श्री जय राम ठाकुर जी ने की है कि एक तरफ सरकार व

02.03.2020/1750/RKS/DC-2

अधिकारी खड़े होते हैं और दूसरी तरफ जनता खड़ी होती है। वहां पर जनता किसी जाति, धर्म या पार्टी के आधार पर नहीं खड़ी होती। इस प्रदेश की समस्त जनता और सबसे ज्यादा आपकी पार्टी के लोग इस जनमंच का फायदा उठा रहे हैं। 'मुख्य मंत्री सेवा संकल्प योजना-1100' और इस योजना का फायदा सभी जाति, सभी धर्म, और सभी पार्टी के लोग उठा रहे है। गरीब हो या राज परिवार के लोग, सभी इन योजनाओं का फायदा उठा रहे हैं। जब प्री-जनमंच होता है तो जो अधिकारी गांव या घर में जाते हैं वहीं आधी से ज्यादा समस्याओं का समाधान कर देते हैं। जैसे किसी का मीटर या पानी का कुनैक्शन लगना है या किसी गांव की छोटी-मोटी सड़कें अवरुद्ध हुई हों यानी जितने भी काम है वे प्री-जनमंच में ही पूर्ण हो जाते हैं और जो बड़े काम बचते हैं उनका समाधान जनमंच में हो जाता है। इसमें कोई जाति,धर्म या पार्टीवाद नहीं होता है। माननीय सदस्य ने एक बात कही कि दलितों के साथ इस सरकार में भेदभाव हो रहा है। मैं इस माननीय सदन में बड़े विश्वास के साथ कहना चाहता हूं कि इस देश के अंदर आपकी सरकार ने 60 वर्षों तक राज किया है।

इस देश के अंदर 12 करोड़ टॉयलेट्स माननीय नरेन्द्र मोदी जी की सरकार ने बनाए हैं। इस देश के अंदर 8 करोड़ गैस सिलेंडर नरेन्द्र मोदी जी की सरकार ने दिए हैं। इस प्रदेश के अंदर मुख्य मंत्री गृहिणी सुविधा योजना लाई गई है।

श्री बी.एस. द्वारा... जारी

02.03.2020/1755/बी.एस./डी.सी./-1

श्री बलबीर सिंह वर्मा जारी....

जिसमें 2.70 लाख परिवारों को सीधा लाभ दिया गया। जो माताएं-बहनें दिन भर खेतों में काम करती थी और शाम को अपने परिवार के लिए भोजन पकाने के लिए जंगलों से लकड़ियों लाती थी, खाना पकाते वक्त धुंए से जो बीमारियां अपने को लगाती थी, उन बहनों के लिए माननीय मुख्य मंत्री जी ने ऐसी योजना लाई है कि हमारी मातृशक्ति, माताएं-बहनें हमारे आदरणीय मुख्य मंत्री जी को पूर्ण आर्शीवाद दे रही हैं। सरकार की लोकप्रियता का निर्णय चुनावों के परिणामों से होता है। इस प्रदेश का यह इतिहास बना है और यह पहली बार हुआ है कि 68 में से 68 विधान सभा चुनाव क्षेत्रों में भारतीय जनता पार्टी की जीत हुई है। आज तक के इतिहास में ऐसा कभी नहीं हुआ। माननीय विपक्ष के नेता बहुत बार गुस्सा हो करके यहां पर बोलते हैं। एक बात तो सही है कि जिस तरह से माननीय मुख्य मंत्री जी ने 68 विधान सभा चुनाव क्षेत्रों में बढ़त दिलाई है उसका आक्रोश कई बार विपक्ष के नेता की बातों में देखने को मिलता है और यह स्वाभाविक भी है।

इस प्रदेश के माननीय मुख्य मंत्री महोदय ने शक्ति बटन ऐप, गुड़िया हैल्प लाइन, होशियार सिंह हैल्प लाइन जैसी बहुत सारी सुविधाएं लोगों को दी है। ग्लोबल इन्वैस्टर मीट के बारे में माननीय सदस्य ने यहां पर कहा कि ग्लोबल इन्वैस्टर मीट में 24 करोड़ रुपया इन्वैस्ट किया गया है। इस संबंध में मैं सभी माननीय सदस्यों से आग्रह करना चाहता हूं कि यह प्रदेश देवी-देवताओं का प्रदेश है। इस देवभूमि में कोई भी मेहमान आता है तो

वह हम सभी का मेहमान होता है। हम सभी को उनका आदर करना चाहिए। अगर किसी को हम बुला करके लाते हैं और उसके खाने और रहने की गिनती करते हैं तो यह हम सब के लिए शर्म की बात है। जिन्होंने इस प्रदेश की इन्फरास्ट्रक्चर डवैलपमैंट करनी है, जिससे इस प्रदेश के युवाओं को रोजगार मिलेगा। जिससे इस प्रदेश की इकोनोमी स्ट्राँग होगी और आने वाले समय में रेवेन्यू जनरेट होगा यदि उन सभी उद्यमियों का हम खाने और रहने का हिसाब गिनेंगे तो इससे नीचता कुछ भी नहीं होगी।

02.03.2020/1755/बी.एस./डी.सी./-2

आदरणीय आशीष बुटेल जी अभी दलित लोगों की बात कर रहे थे। हमारे देश में समाज के गरीब लोग जो बीमारी के लिए अपना घर, खेत और महीलाएं अपने गहने गिरबी रख कर इलाज करवाया करती थी परंतु आज देश के प्रधान मंत्री आदरणीय नरेन्द्र मोदी जी ने आयुष्मान भारत योजना के तहत करोड़ों परिवारों को फायदा हो रहा है और प्रदेश में माननीय मुख्य मंत्री जी उसी के तरह हिमकेयर योजना ले करके आए हैं जो लोग आयुष्मान योजना में कवर नहीं होंगे वे हिमकेयर योजना के तहत लाए जाएंगे। गरीब लोगों को इसका बहुत ज्यादा लाभ हुआ है। माननीय मुख्य मंत्री महोदय ने मुख्य मंत्री आवास योजना भी प्रदेश के अंदर लाई है उसका भी गरीब परिवारों को बहुत लाभ हो रहा है। प्रधानमंत्री जी ने 15 अगस्त को जल जीवन मिशन के तहत एक नई योजना देश में लाई है। माननीय मुख्य मंत्री जयराम ठाकुर जी और प्रदेश के बहुत ही जुझारू मंत्री आदरणीय महेन्द्र सिंह जी की प्रदेश की जनता बहुत धन्यवादी हैं।

श्री डी.टी.द्वारा जारी...

02.03.2020/1800/DT/ H.K/-1

श्री बलबीर सिंह वर्मा जारी...

प्रदेश के बहुत ही जुझारू मंत्री, श्री महेन्द्र सिंह ठाकुर जी का इतिहास गवाह रहेगा कि आज तक इतिहास में प्रदेश के अन्दर आई.पी.एच. विभाग में इतना पैसा कभी नहीं आया न ही भविष्य में आने वाला होगा। जितना पैसा इन्होंने 2,896 करोड़ रुपए इस प्रदेश के लिए लाया है। आपने विभाग के अधिकारियों को दिन-रात कार्यालय में छोड़ कर उनसे डी.पी.आर्ज तैयार करवाई। जिस कारण हर घर में जल हर घर को नल मिलेगा। ऐसी परियोजना आज तक इस प्रदेश के अन्दर नहीं लाई गई थी। इससे हिमाचल प्रदेश की जनता को सबसे ज्यादा फायदा होने वाला है। मैं अपने चुनाव क्षेत्र की बात कहना चाहूंगा। वर्ष 1947 से ले करके वर्ष 2020 तक इतना पैसा कभी नहीं आया होगा। जल जीवन मिशन के तहत 100 करोड़ रुपए से अधिक पैसा मेरे चुनाव क्षेत्र के लिए आया है। मैं अपनी ओर से और चौपाल विधान सभा चुनाव क्षेत्र की जनता की तरफ से माननीय मुख्य मंत्री और माननीय जल शक्ति मंत्री जी का दिल की गहराई से धन्यवाद करता हूं। इससे पहले सरकार वोट के लिए सारी योजनाएं बनाती थीं। माननीय मुख्य मंत्री महोदय ने सामाजिक सुरक्षा पैंशन योजना बुजुर्गो के लिए लाई है वह बहुत ही अच्छी योजना लाई है। पहले इसमें आयु सीमा 80 वर्ष की थी उसे घटाकर 70 वर्ष किया है। पहले इसमें 650 रुपए दिया जाता था परंतु माननीय मुख्य मंत्री आदरणीय श्री जयराम ठाकुर जी ने दो वर्षों में इसे बढ़ाकर 1500 रुपए कर दिया है। आज तक के इतिहास में इस तरह की वृद्धि कभी नहीं हुई होगी। इस योजना से माननीय मुख्य मंत्री जी को बुजुर्ग दुआएं दे रहे हैं और हमारे मुख्य मंत्री जी को इन दुवाओं से बल मिल रहा है।

यहां पर बहुत से मित्रों ने नागरिका संशोधन बिल के बारे में बात कही है। इस देश के अन्दर कुछ मित्रों ने और कुछ पार्टियों ने देश की जनता में इतना भ्रम फैलाया कि इस देश में किसी एक धर्म के लोगों की नागरिकता खत्म हो रही है और इस देश के अन्दर उस भ्रम में इतनी आग जलाई और इस देश की जनता का इतना नुकसान किया कि उसकी भरपाई नहीं हो सकती। यह नुकसान एक प्रदेश या देश का नहीं है परंतु हर नागरिक का नुकसान है। देश की संपत्ति में किसी एक धर्म, पार्टी का अधिकार नहीं है।

02.03.2020/1800/DT/ H.K/-2

देश की संपत्ति को जलाना बिल्कुल सही नहीं है। दिल्ली में पूरी प्लानिंग के तहत दंगा फैलाया गया। दिल्ली की जनता में इतना डर भर दिया गया कि उन्हें रात को सोने में भी डर लग रहा है। माननीय मुख्य मंत्री ने मुख्य मंत्री रोशनी योजना भी इस प्रदेश के अन्दर लाई जिसमें 1350 गरीब परिवारों को विद्युत कनैक्शन प्रदान किए गए। कन्यादान योजना भी प्रदेश में लाई गई जिसमें 40 हजार रुपए की राशि को बढ़ा कर 51 हजार रुपए किया गया है। इस देश के अन्दर बहुत सारे मित्र दिल्ली की बात कह रहे थे कि आपका दिल्ली में क्या हुआ? परंतु अपना नहीं देखते कि 70 में से 68 स्थानों में जमानतें जब्त हुई हैं। ये सिर्फ इस बात को देख रहे थे कि हमारी पार्टी का क्या हुआ। माननीय अध्यक्ष महोदय, हिमाचल प्रदेश में विकास की गति से जिस तरह आदरणीय मुख्य मंत्री श्री जयराम ठाकुर की अध्यक्षता में आगे बढ़ रहा है लोकसभा चुनाव में जिस तरह 68 में से 68 विधान सभा चुनाव क्षेत्रों में हमारी जीत हुई है वैसे ही कहीं वर्ष 2022 में इन सबका फिर से सफाया न हो जाए इस बात का इन्हें अवश्य डर है। इस माननीय सदन में विपक्ष द्वारा मनघड़ंत बातों का बखान किया गया जिसमें कोई तथ्य नहीं है। इसलिए अपनी बात को रखते हैं कि हमारी ही खबर बन जाए और साथ-ही-साथ वे आधारहीन बातें होती हैं। माननीय अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। माननीय राज्यपाल महोदय के धन्यवाद अभिभाषण का में समर्थन करता हूं।

श्री एन0जी0 द्वारा.. जारी

02-03-2020/1805/एच.के.-एन.जी./1

अध्यक्षः धन्यवाद, माननीय सदस्य श्री बलबीर सिंह वर्मा जी। अब इस चर्चा में माननीय सदस्य श्री प्रकाश राणा जी भाग लेंगे।

श्री प्रकाश राणा (जोगिन्द्रनगर): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे माननीय राज्यपाल महोदय के अभिभाषण की चर्चा में भाग लेने का अवसर दिया इसके लिए मैं आपका बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूं। अध्यक्ष महोदय, इस चर्चा में कईं माननीय सदस्यों ने भाग लिया और

सबने अपने-अपने विचार इस माननीय सदन में रखे। हमने सबको बहुत गहराई से सुना और समझा। मुझे ऐसा अनुभव हुआ कि सत्तापक्ष और विपक्ष आपस की नोंक-झोंक में ही काफी समय बर्बाद कर देते हैं और एक ही बात को बार-बार दोहराया जा रहा है। हमें यह समझना चाहिए कि हम उन क्षेत्रों से आ रहे हैं, जैसा की बहन कमलेश जी ने भी यहां कहा था, जहां से हमें 60-70-80 हज़ार वोटरों ने अपना जनप्रतिनिधि चुना है और यदि हम यहां पर टाईम पास करने के लिए काम करेंगे तो इस माननीय सदन की गरिमा को यह शोभा नहीं देता। हम सब को हिमाचल प्रदेश की कमज़ोर आर्थिक स्थिती को सुधारने के लिए क्या करना चाहिए इस पर चर्चा करनी चाहिए। बेराज़गारी को खत्तम करने के लिए हमें क्या करना चाहिए इस पर चर्चा करनी चाहिए। नशे को हम कैसे रोकें इस पर चर्चा करनी चाहिएद और अपनी शिक्षा व्यवस्था को और अधिक स्ट्रांग कैसे करें इस पर चर्चा करनी चाहिए। हिमाचल प्रदेश को आगे ले जाने के लिए, हिमाचल प्रदेश की आर्थिक स्थिती को मजबूत करने के लिए हम सब विधायकों को अपने-अपने विचार इस माननीय सदन में लाने चाहिए। लेकिन यहां पर चर्चा हो रही है कि 60 साल, 50 साल, 40 साल पहले क्या हुआ, मैं कहना चाहता हूं कि जनता यह सब नहीं देखना चाहती। यदि हम केवल पांच सालों की बात करें तो शायद जनता सुनेगी। जनता जानना चाहती है कि आप यहां पर क्या कर रहे हैं और आगे क्या करेंगे। मेरा यह विचार है कि हमें इन सब बातों को छोड़ कर आगे बढ़ना चाहिए। यह ठीक है कि लोकतंत्र है और सभी को बोलने का हक् है

02-03-2020/1805/एच.के.-एन.जी./2

व सभी अपने विचार इस माननीय सदन में रख सकते हैं। मेरा यह मत है कि हमारा सदन वर्षों से एक ही रूटीन में चल रहा है और इसमें कुछ ऐसे बदलाव होने चाहिए कि हम भविष्य के बारे में ज्यादा चर्चा करें। आज हमें यह नहीं भुलना चाहिए कि हमारे हिमाचल प्रदेश को 'देवभूमि' का नाम दिया गया है। हमारे हिमाचल प्रदेश को देवताओं का आशीर्वाद प्राप्त है।

श्रीमती एम.एस. द्वारा जारी.....

02/03/2020/1810/MS/YK/1

श्री प्रकाश राणा जारी-----

साथ में हमें यह भी नहीं भूलना चाहिए कि हमारे हिमाचल को वीरभूमि भी माना गया है। हिमाचल के जो वीर जवान थे उन्होंने बड़ी ईमानदारी के साथ इस देश की सेवा की और आपको यह भी पता होना चाहिए कि जो पहला परमवीर चक्र था, वह हमारे इसी हिमाचल प्रदेश के सपूत को मिला था और एक नहीं बल्कि चार-चार परमवीर चक्र हमारे वीरों को मिले हैं। दूसरा, आज मैं देखता हूं कि हमारे हिमाचली चाहे दिल्ली, मुम्बई या विदेशों में रहते हैं, हिमाचली की अपनी एक अलग पहचान है। हमारा जहां भी परिचय होता है, जब सामने वाला पूछता है कि आप कहां से हैं और हम कहते हैं कि हम हिमाचल से हैं तो सामने वाला समझता है कि यह व्यक्ति ईमानदार और सच्चा है। यह इमेज हमारी पूरी दुनिया में बनी हुई है।

महोदय, हमारे प्रदेश को एक अच्छे मुख्य मंत्री मिले हैं। मैं काफी दिनों से देख रहा हूं कि माननीय जय राम ठाकुर जी बिना भेदभाव के प्रदेश का विकास कर रहे हैं। "सबका साथ सबका विकास" बहुत अच्छी बात है। कोई भी ऐसा मुख्य मंत्री नहीं है। मैंने आज तक ऐसा मुख्य मंत्री नहीं देखा है हालांकि हम इस क्षेत्र में अभी नये आए हैं। ये एक-डेढ़ साल के अन्दर जितने भी हमारे 68 विधान क्षेत्र हैं, सबमें गए और सबका एक बराबर विकास किया यानी अगर ये अपने विरोधियों से भी मुकाबला कर रहे हैं तो ऐसा कर रहे हैं कि उनको कोई नुकसान न पहुंचे और सबका विकास कर रहे हैं। आप मुझे बता दो कि कौन सा क्षेत्र ऐसा है जहां विकास नहीं हुआ है? अगर मैं अपने क्षेत्र की बात करूं तो हमारा जोगेन्द्र नगर क्षेत्र हिमाचल में दूसरे या तीसरे नम्बर पर है। अगर जनसंख्या के हिसाब से देखा जाए या एरियावाइज देखें तो वहां पर इस वक्त एक लाख से ज्यादा वोटर हैं। लेकिन हमारा क्षेत्र कई वर्षों से बहुत पीछे था। मैं माननीय मुख्य मंत्री जी का बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने एक-डेढ़ साल के अंदर-अंदर हमें आई0पी0एच0 डिवीजन, बस डिपो, आई0टी0आई0, सब-तहसील और सिविल अस्पताल दिये। पहले मेरे क्षेत्र का यह हाल था कि 30-35 पंचायतें पानी के लिए तरसती थीं क्योंकि वहां आई0पी0एच0 डिवीजन ही नहीं था। जो सौगातें मुख्य मंत्री जी ने दीं, उसके लिए मैं इनका धन्यवाद करता हूं। पहले क्या हुआ था हालांकि पहले की बात करनी तो नहीं चाहिए लेकिन पिछले पांच सालों की मैं बात

करूंगा। अगर भेदभाव की राजनीति हुई, उस बारे में तो मैं नहीं कहना चाहता क्योंकि कोई भी मुख्य मंत्री हो, चाहे अभी के हों या पहले के हों, यह कुर्सी ऐसी है कि जो भी इसमें बैठेंगे वे प्रदेश का भला ही चाहेंगे और अच्छे-से-अच्छा करने की कोशिश करेंगे। लेकिन कभी-

02/03/2020/1810/MS/YK/2

कभी सोच-विचार अपने-अपने होते हैं। कोई भी अपने प्रदेश के लिए बुरा नहीं चाहेगा। मैंने जब पिछले पांच सालों का इतिहास अपने क्षेत्र का देखा तो मुख्य मंत्री महोदय एक बार वहां गए। वे 5 अप्रैल, 2015 को वहां गए और केन्द्र की एक या दो सिंचाई स्कीमों का उन्होंने शिलान्यास किया। उसके बाद वहां न कभी मुख्य मंत्री का आना हुआ और न कोई चीज हमारे क्षेत्र में हुई। जनता सबकुछ समझती है और उससे इनकी पार्टी को काफी नुकसान भी हुआ है। मुझे लगता है कि वहां पर पहली बार पार्टी की ज़मानत जब्त हुई। क्योंकि जनता आजकल सबकुछ समझती है कि क्या हो रहा है और क्या नहीं हो रहा है। मैं ज्यादा न कहता हुआ इतना ही कहना चाहता हूं कि यह वक्त जो सामने है, इसका हम भरपूर फायदा उठाएं। एक ऐसा कम्बीनेशन यहां पर हुआ है कि हिमाचल में भारतीय जनता पार्टी की सरकार माननीय मुख्य मंत्री जय राम ठाकुर जी के नेतृत्व में बनी है और केन्द्र में माननीय प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में बीजेपी की सरकार बनी है। हम सबको चाहिए कि हम कैसे अपने प्रदेश के लिए इस चीज का फायदा उठाएं। मैंने पहले भी कहा था कि हम मिल-जुलकर काम करेंगे। यहां काम क्या करना है?

जारी जे0के0 द्वारा-------

02.03.2020/1815/जेके/वाईके/1

श्री प्रकाश राणाः--------**जारी**------

यहां तो मैंने अभी तक नहीं सुना कि कुछ भी नहीं किया, कुछ भी अच्छा नहीं हुआ। ऐसा नहीं है कि कुछ भी अच्छा नहीं हुआ। यह तो हर आदमी समझता है, हिमाचल का हर आदमी समझता हैं कि क्या कुछ अच्छा नहीं हुआ? इस बात का हमें बहुत दुख है। आज अगर मैं, प्रधान मंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी जी की बात करूं, वे देश के लिए काफी कुछ कर रहे

हैं। यहां पर ऐसे-ऐसे भी लोग हैं जो सोचते हैं कि अगर धारा-370 हटी तो हमें क्या मिला? हमें बड़ा दुख होता है। हर भारतीय को इसका गर्व होना चाहिए कि आज पूरा भारत वर्ष कश्मीर से लेकर कन्या कुमारी तक एक झंडे के नीचे खड़ा है, एक संविधान के नीचे खड़ा है, इससे बड़ी बात और क्या हो सकती है? पार्टियां आती-जाती रहेंगी। ठीक है, पार्टी की हमें वफ़ादारी करनी पड़ेगी और पार्टी की हमें बात भी करनी पड़ेगी लेकिन पार्टी से पहले देश व प्रदेश है। देश व प्रदेश को कोई नुकसान न हो। अगर देश रहेगा तो पार्टियां रहेंगी। देश व प्रदेश यदि सुरक्षित नहीं है तो पार्टियां कहां से सुरक्षित रहेंगी? मैं यहां पर कहना चाहता हूं कि हमें केन्द्र सरकार से पूरा फायदा उठाना चाहिए। हमारी आर्थिक स्थिति इतनी मज़बूत नहीं है कि हम अपने बलबूते पर हिमाचल को आगे ले जाएं। हम केन्द्र पर ज्यादा डिपैंड हैं। जो आदरणीय प्रधान मंत्री जी की सोच हिमाचल के लिए है, वह बहुत ही अच्छी है। उनका हिमाचल के लिए बहुत ही प्यार है। उनकी बातों से पता चलता है, उनके भाषणों से पता चलता है। वर्ष 2014 में जैसे ही श्री नरेन्द्र मोदी जी की सरकार केन्द्र में आई, उन्होंने आते ही हिमाचल प्रदेश को स्पैशल कटैगरी हिल स्टेट का दर्ज़ा दिया। उससे क्या फायदा हुआ कि आज जितनी भी केन्द्र की योजनाएं हैं, उनका 10 प्रतिशत हिमाचल और 90 प्रतिशत केन्द्र सरकार दे रही है। उससे हम काफी फायदा उठा रहे हैं। आज अगर हम जल मिशन की बात करें तो मैं, माननीय मुख्य मंत्री जी और माननीय मंत्री, श्री महेन्द्र सिंह जी का धन्यवाद करता हूं। हमारे 68 चुनाव क्षेत्रों में कौन सा ऐसा क्षेत्र है जहां पर वह स्कीम नहीं आई है? इसमें कोई भी भेदभाव नहीं हो रहा है। मैं यह चाहता हूं कि यह जो मौका हमारे प्रदेश के लिए इस वक्त आया है, इसका

02.03.2020/1815/जेके/वाईके/2

हमें भरपूर फायदा उठाना चाहिए। हम मिलजुल कर जितनी सहायता केन्द्र से ले सकेंगे, उतनी लेंगे। जब धर्मशाला में ग्लोबल इन्वैस्टर्ज़ मीट चल रही थी तो माननीय प्रधान मंत्री जी की स्पीच सुनने लायक थी। उन्होंने जितने भी इन्वैस्टर्ज़ आए थे उन सबसे स्पीच में एक ही बात कही कि हिमाचल में मुझे मेहमान मत समझिए क्योंकि हिमाचल मेरा अपना

है। आप लोग दिल खोल कर यहां पर अपना बिजनैस करें, आपको यहां से निराशा नहीं मिलेगी। उनके अन्दर की भावना को जानकर हमें बहुत खुशी हुई। हम चाहते हैं कि हम मिल-जुल कर, आज हमारे प्रदेश पर जो ऋण की बात आती है, कर्जा-कर्जा चिल्लाकर क्या वह कम होगा और यह क्या मुख्य मंत्री की ही जिम्मेदारी है? यह हरेक नागरिक की भी जिम्मेदारी है। इसके बारे में सोचो कि इस कर्ज़े से हम कैसे बाहर निकलें? आज हालात ऐसे हो गए हैं, मैं नहीं चाहता कि किसी को हमारी बात बुरी लगे लेकिन हकीकत यह है कि 47 हजार करोड़ रुपये का कर्ज़ा, जिसका ब्याज 34-35 हजार करोड़ प्रत्येक साल हम दे रहे हैं, उसके बारे में सोचा जाए। अगर 34-35 हजार करोड़ रुपया हमें ब्याज नहीं देना पड़ता तो इस पैसे से जो प्रदेश में बेरोजगारी है, हम 3-4 लाख लोगों को रोजगार दे सकते थे। हम चिल्ला रहे हैं कि कर्जा हो गया, अब कर्ज़ा तो हो गया लेकि यह किसकी गलती है? कहा जा रहा है कि आगे क्यों कर्ज़ा ले रहे हैं ? कर्ज़े को भरने के लिए कर्ज़ा लिया जा रहा है, यह कर्ज़ा कहां से भरेंगे? अगर 600-700 करोड़ रुपया ले लिया तो हर साल 34-35 सौ तो उसके लिए इंट्रस्ट चाहिए। ये नहीं सोच रहे हैं कि हम रेवन्यू कहां से जरनेट करें।

श्री एस.एस. द्वारा जारी----

02.03.2020/1820/SS-AG/1

श्री प्रकाश राणा क्रमागत :

आज मैं एक बात देखता हूं जिसकी तरफ किसी का ध्यान नहीं है। एक हाइड्रो प्रोजैक्ट मेरे क्षेत्र में लग रहा है। जब मैंने उसकी फाइल पढ़ी तो मैं हैरान हो गया। वह 100 मैगावाट का प्रोजैक्ट 2003 में शुरू हुआ और उस प्रोजैक्ट ने 430 करोड़ रुपये में कम्प्लीट होना था। उसको 2008-2009 में पूरा करने का लक्ष्य था। आज 2020 चल रहा है लेकिन वह प्रोजैक्ट अभी तक तैयार नहीं हुआ। मैं माननीय मुख्य मंत्री, श्री जय राम ठाकुर जी का धन्यवाद करता हूं कि इन्होंने दो साल में प्रशासन के पीछे पड़कर या जो भी हो अभी मुझे लगता है कि अगले महीने तक उसका उद्घाटन हो जायेगा। अगर वह प्रोजैक्ट 2008 में चालू हुआ होता तो उसकी लागत 430 करोड़ रुपये आनी थी लेकिन आज वह 1600 करोड़ रुपये

क्रॉस कर गई है। जो पैसा लिया, अगर उसका सिर्फ इंट्रस्ट देखेंगे तो मुझे लगता है कि वह मु0 1100 करोड़ रुपया हो गया है। हमारे इस प्रदेश में ये हालात हैं। इसके बारे में नहीं सोचा जो इंट्रस्ट 1100 करोड़ रुपया लग गया। वह प्रोजैक्ट 500-600 करोड़ रुपये में बन गया होता। चलो अनुमानित लागत यदि 430 करोड़ रुपये थी तो 200-400 करोड़ रुपया और लग गया होता। प्रोजैक्ट लेट हुआ उस बात को भी मानते हैं लेकिन आप उसका इंट्रस्ट देखो। मैं चाहता हूं कि प्रशासन इस चीज़ को नोट करे और हमें बताए कि उसमें 20 सालों के अंदर इंट्रस्ट कितना लगा। मुझे लगता है कि मु0 1100 करोड़ रुपया इंट्रस्ट क्रॉस कर गया है और हम लोग यहां पर बातें कर रहे हैं कि हम यह करेंगे या वह करेंगे। यह जो समय आया है, मैं इतना कहना चाहता हूं कि हम मिल-जुलकर प्लान करें। मुख्य मंत्री जी अगर अच्छा काम कर रहे हैं तो उसकी प्रशंसा होनी चाहिए। ये कहते हैं कि इंवैस्टर मीट क्यों किया। अगर सोचा जाए तो यह इनका अच्छा स्टैप था। हमारी इतनी आर्थिक स्थिति कहां है कि हम सबको रोज़गार दे सकें। मुझे लगता है कि तकरीबन 11-12 लाख युवा बेरोज़गार हैं, क्या हम इन सबको रोज़गार दे सकते हैं? नहीं दे सकते हैं। यहां ऐसी-ऐसी बातें सुनने को मिलती हैं जिनका कोई मतलब नहीं है। फालतू में इसको घुमा-फिराकर फिर वहीं लाकर रखते हैं। क्या हम लोग इसीलिए सदन में आए हैं कि हम अपना टाइम खराब करें? कोई सही बात हो तो हम उसको समझें। लेकिन इनको यह भी समझ नहीं आ रहा है कि इंवैस्टर मीट हुई तो अच्छी बात है। कुछ तो हुआ। अब जो भी एम0ओ0यू0 साइन हुए, 90 या 95 हजार करोड़ रुपये के हुए

02.03.2020/1820/SS-AG/2

तो कुछ तो हुआ है। अब अगर साढ़े 13 हजार करोड़ रुपये की ग्राउंड वर्किंग हुई तो क्या यह बुरी बात है? कुछ तो हुआ। थोड़ा आहिस्ते-आहिस्ते करके हम आगे बढ़ेंगे।

अब एयरपोर्ट की बात आ रही है। पूछते हैं कि क्या एयरपोर्ट बन गया? जब आप नाबार्ड की एक स्कीम डालते हैं तो उसको पूरा होने में चार-पांच साल लग जाते हैं। तो क्या एयरपोर्ट एक दिन में बन जायेगा? इंटरनेशनल एयरपोर्ट न होने से हमारे एक माननीय सदस्य ने बात रखी थी कि आज शिमला का किराया 15-20 हजार रुपये है। हम भी उससे आए। 15 से 20 हजार रुपया दिल्ली से शिमला का किराया है।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, आप चर्चा में काफी अच्छा हिस्सा ले रहे हैं। परन्तु अब आप कृपया वाइंड अप कर दें।

श्री प्रकाश राणा : अध्यक्ष महोदय, बड़ी जल्दी टाइम हो गया।

अध्यक्ष : आप अच्छा बोल रहे हैं परन्तु अब आप वाइंड अप कर दें।

श्री प्रकाश राणा : माननीय अध्यक्ष महोदय, ठीक है। तो मैं इतना कहना चाहता हूं कि अगर हम इंवैस्टर मीट की बात करें तो वह काफी अच्छा स्टैप है। हम मिल-जुलकर इनका साथ दें ताकि हम इसको और आगे लेकर जाएं। इसमें रोज़गार के साधन खुलें। इस वक्त अगर हमें हिमाचल को उठाना है और आर्थिक स्थिति को मजबूत करना है तो हमें तीन-चार चीज़ों की तरफ ध्यान देना पड़ेगा। एक तो टूरिज्म को बढ़ाना पड़ेगा। टूरिज्म की दृष्टि से यहां पर एक इंटरनेशनल एयरपोर्ट होना चाहिए। मैं माननीय मुख्य मंत्री जी का धन्यवाद करता हूं कि इनको इसका विचार तो आया। इस तरफ सोच तो आई। हम यहां पर एक इंटरनेशनल एयरपोर्ट बनाएं। उसके लिए जो एरिया चाहिए उसके बारे में पता होना चाहिए। उसके लिए 5 किलोमीटर बाई 3 किलोमीटर का एरिया चाहिए। इतना बड़ा स्पेस ढूंढना इतना आसान नहीं है। लेकिन फिर भी कोशिश कर रहे हैं। अगर यह बन जाता है तो अच्छा है। हम बोलते हैं कि हमको दिल्ली से शिमला या धर्मशाला आने के लिए 15 से 20 हजार रुपये देने पड़ रहे हैं क्योंकि यह छोटी फ्लाइट है। जब बड़ी फ्लाइट यहां पर उतरेगी तो उसके लिए प्रॉपर रनवे चाहिए। तो ये सारे किराये कम होंगे। उसके बाद यहां पर टूरिज्म को बढ़ने का मौका मिलेगा। अब कहते हैं

02.03.2020/1820/SS-AG/3

कि 69 हाइवेज़ के लिए केन्द्र सरकार से मिलने जा रहे हैं। अब उसमें भी कहते हैं कि क्या वे बन गए। क्या वे एक दिन में बन जायेंगे? इसके लिए डी0पी0आरज़0 तैयार हो रही हैं, हर चीज़ को समय लगेगा। लेकिन एक शुरूआत तो हुई। अगर हम टूरिज्म को पकड़ लेते हैं और दूसरा बागवानी को देखते हैं तथा जो हमारे हाइड्रो प्रोजैक्ट्स चल रहे हैं उसके बारे में हम सोचें तो मैं समझता हूं कि हम बड़ा आगे बढ़ सकते हैं। हम सब मिल-जुलकर यह सोचें, सब अपने विचार दें, सब बैठें कि हम इसको कैसे कम-से-कम समय में कर सकते हैं।

जारी श्रीमती के0एस0

02.03.2020/1825/केएस/एजी/1

श्री प्रकाश राणा जारी---

अध्यक्ष महोदय, मैं दोनों पक्षों से इतना ही कहना चाहता हूं कि हम मिल-जुल कर एक ऐसा प्लान करें, अपना-अपना प्लान हम मुख्य मंत्री को दें कि हम इस आर्थिक स्थिति से कैसे बाहर निकलें, कैसे अपने हिमाचल को मज़बूत करें, मेरे ऐसी सोच है। अध्यक्ष महोदय, आपने बोलने का समय दिया, मैं आपका बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूं और राज्यपाल महोदय के अभिभाषण का मैं दिल की गहराइयों से समर्थन करता हूं। धन्यवाद

02.03.2020/1825/केएस/एजी/2

अध्यक्षः अब इस चर्चा में श्री इन्द्र दत्त लखनपाल जी हिस्सा लेंगे।

श्री इन्द्र दत्त लखनपाल (बड़सर): अध्यक्ष महोदय, पिछले काफी लम्बे समय से महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण पर इस सदन में चर्चा हो रही है और पक्ष और विपक्ष के सदस्यों ने अपनी-अपनी बात यहां पर रखी है। यहां पर NRC,CAA &NPR की बात हुई। सत्ता पक्ष के लोग बार-बार इस बात को बोलते हैं कि हम लोगों ने आग लगाई लेकिन बड़ी गम्भीर और साचने की बात है कि देश में राज कौन कर रहा है? देश के अंदर एक ऐसी सरकार राज कर रही है जो हर बात पर आग लगाती है। 70 साल में क्या किया- 70 साल में क्या किया, तो 70 साल में हमने यह किया कि आप लोगों को बोलने लायक बना दिया। ...(व्यवधान) पहले तो आप बोलते ही नहीं थे। आप लोग हमारा धन्यवाद करो कि हमने आपको यहां पर बोलने लायक बना दिया। आप तो इस देश को बनाने के बारे में सोचते भी नहीं थे और इस प्रदेश को बनाने में भी आपकी कोई सोच नहीं थी। यह आप लोगों की जमात है, जनसंघ की जमात जो स्टेट हुड, मारो ठुड बोला करती थी। आप इस बात को नकार नहीं सकते। ये चीजें इतिहास में दर्ज हैं। जहां तक आर.एस.एस. की बात है, वर्ष 1923 में कांग्रेस सेवादल का जन्म हुआ था और आपके आर.एस.एस. के जो संस्थापक हैं, वे हमारे सेवादल के

इंस्ट्रक्टर होते थे, यह आप लोगों को मालूम होना चाहिए। उन्होंने हमसे सब कुछ सीखा और उन्होंने एक ---(***)---राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की इस देश में स्थापना कर दी। आज जो हमारे देश का सैक्यूलर ताना-बाना है, उसको तोड़ा-मरोड़ा जा रहा है, आग लगाई जा रही है। इसके लिए आपको देश कभी माफ नहीं करेगा। ...(व्यवधान) आज आप सत्ता के नशे में इतने चूर हैं, प्रधान मंत्री महोदय कुछ बोलते हैं और गृह मंत्री कुछ बोलते हैं। तीन महीने से दिल्ली में आग लगी है। ...(व्यवधान) चलो, मान लिया हमने लगाई लेकिन आपने उसको बुझाने का काम नहीं किया। ...(व्यवधान) पहले आप मेरी बात सुन लीजिए। दिल्ली के अंदर जितने दंगे हो रहे हैं, जहां पर भारतीय जनता पार्टी के नेता जीतें हैं, सारे दंगे वहीं हो रहे हैं। वहां क्यों हो रहे हैं? पूरे नॉर्थ-ईस्ट में आज क्या हो रहा है? आग लगी हुई है। ...(व्यवधान) सुन लीजिए। रिटायर्ड जज, बुद्धिजीवी लोग, पढ़ी-लिखी जमात इस NRC,CAA और NPR का विरोध क्यों कर रहे हैं, इसके बारे में

---(***)---**अध्यक्षपीठ के आदेशानुसार कार्यवाही से निकाला गया।**

02.03.2020/1825/केएस/एजी/3

सोचिए। ...(व्यवधान) यह टुकड़े-टुकड़े गैंग नहीं है, यह आप लोग इस देश के टुकड़े-टुकड़े करना चाहते हैं। थोड़े दिन ठहर जाइए, आप लोगों को जनता सबक सीखा देगी। सत्ता के नशे में मदहोश न रहें। दिल्ली की जनता ने आपको बता दिया है। पूरे देश की सरकार, हिमाचल की सरकार तथा अन्य सभी राज्यों की सरकारें दिल्ली की गली-गली में घूमीं, झुग्गियों में बैठी, पैसे बांटे, शराब बांटी, कम्बल बांटे और फिर बोलते हैं कि 9 परसेंट से हम 15 परसेंट हो गए। ...(व्यवधान) क्या बात है, क्या तथ्य पेश करते हैं? वाह जी, वाह और हार फिर भी नहीं मानते। आपकी मानसिकता ही ऐसी है कि मैं न मानूं।

अध्यक्ष महोदय, NRC,CAA और NPR, जब आधार कार्ड इस देश में बनने शुरू हुए थे तो आपकी विचारधारा ने विरोध किया था और उसके ऊपर इस देश का अरबों-खरबों रुपया खर्च हुआ था

श्रीमती अ0व0 द्वारा जारी---

02.03.2020/1830/av-as/1

श्री इन्द्र दत्त लखनपाल--------- जारी

फिर एन0आर0सी0, सी0ए0ए0 और एन0पी0आर0; हमारे देश की अर्थव्यवस्था इतनी अच्छी नहीं है कि उधार ले सकें। आपकी पूरे देश की राजनीति कर्ज़ पर चल रही है। आपने आर0बी0आई0 का रिज़र्व पैसा भी ले लिया तथा और पैसा मांग रहे हैं, वह किस चीज के लिए? मोदी जी विदेश में जाते हैं और 1200-1400 करोड़ रुपये खर्च करते हैं तथा यह दर्शाने की कोशिश की जाती है कि आज से पहले इस देश का कोई प्रधान मंत्री विदेश नहीं गया। ...(व्यवधान) ऐसा कुछ नहीं है, सब जाते थे मगर सादगी से जाते थे। इस देश का पैसा बर्बाद नहीं करते थे, मीडिया को नहीं खरीदते थे। ...(व्यवधान) आप लोग ड्रामा करते हैं। आप इस देश के अंदर ट्रंप को लाए, उन्होंने क्या किया और क्या कहा? ...(व्यवधान) मेरी बात सुनिए, उन्होंने कहा कि पाकिस्तान मेरा दोस्त है, तब तो आप सारे लोग चुप हो गये। अरे! वहां गुजरात में गरीबों की झोंपड़ियों के आगे दीवार लगा दी केवल यह दर्शाने के लिए कि गुजरात एक अमीर राज्य है। वहां पर सौ करोड़ रुपये की राशि खर्च कर दी गई केवल यह सुनने के लिए कि अगर भारत को पाकिस्तान के साथ अपना मसला सुलझाने के लिए मेरी मध्यस्तता की ज़रूरत है तो मैं तैयार हूं; केवल यह सुनने के लिए उनको बुलाया? ...(व्यवधान) अंतर्राष्ट्रीय मुद्दा कोई नहीं है, इसको आप लोग अंतर्राष्ट्रीय मुद्दा बना रहे हैं और इसका ख़ामियाजा आपको भुगतना पड़ेगा। आप लोग वर्ष 2014 से लेकर पाकिस्तान की बात करते आ रहे हैं। ---(***)---(व्यवधान) अरे! कौन मना कर रहा है? घर में घुसो, जाओ और मारो, आप लोगों को कौन मना कर रहा है? मारना है नहीं, करना कुछ नहीं, केवल बड़ी-बड़ी बातें करते रहते हैं। ...(व्यवधान) आप लोग रहने दो, आप लोग कुछ नहीं कर सकते। हमारी कांग्रेस पार्टी ने पाकिस्तान के दो बार टुकड़े किए हैं और ये सारी बातें इतिहास में दर्ज़ है। ...(व्यवधान) आप सरदार पटेल जी की बात करते हैं। सरदार पटेल जी कांग्रेस पार्टी के नेता थे मगर उनको आप अपनी तरफ ले जा रहे हैं। आप महात्मा गांधी जी की बात करते हैं और यह आपकी मज़बूरी है। आपकी विचारधारा महात्मा गांधी जी को गाली निकालती थी और आज भी निकालती है। ---(***)---

---(***)---अध्यक्षपीठ के आदेशानुसार कार्यवाही से निकाला गया।

...(व्यवधान) ये बातें तथ्यों पर आधारित हैं। जब महात्मा गांधी जी ने तिरंगे की यात्रा के लिए सत्याग्रह किया था तो आप लोगों ने उसका विरोध किया था और यह इतिहास में दर्ज़ है। ...(व्यवधान) ईस्ट इंडिया के टाइम में आप लोग कहां थे? मुझे सब कुछ मालूम है क्योंकि मैं स्वयं संगठन का अध्यक्ष रह चुका हूं। ...(व्यवधान) माननीय सदस्य अरुण कुमार जी, सुन लीजिए, मुझे सब मालूम है। ...(व्यवधान) सुन लीजिए, आप लोग सुनने की हिम्मत रखिए। ...(व्यवधान) जब आप लोग बोल रहे थे तो हम चुप बैठे रहें। ...(व्यवधान) वहां पर भगवा झंडा फहराया जाता है। अब आपको इन बातों को सुनकर दुःख हो रहा है। आपको सच्चाई सुनने में तकलीफ़ हो रही है। आप लोग वर्ष 1942 में कहां गये थे? वर्ष 1942 में ईस्ट इंडिया के समय में आप कहां थे जब क्विट इंडिया मूवमैंट चली थी? ...(व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, ये लोग सच्चाई नहीं सुन सकते, ये लोग सुनना ही नहीं चाहते।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, आप बैठ जाइए। ...(व्यवधान) आप बैठ जाइए। ...(व्यवधान)

श्री इन्द्र दत्त लखनपाल : मैंने भगवा झंडा बोला है। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, आप बैठ जाइए। ...(व्यवधान)

श्री इन्द्र दत्त लखनपाल : मत बैठो, खड़े रहो; इसमें हमारा क्या जाता है? आप लोग हमें बोलने नहीं देना चाहते। अरे! सुनने की हिम्मत रखो। सुनने की हिम्मत रखो। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, आप बैठ जाइए। माननीय सदस्य इन्द्र दत्त लखनपाल जी, आप चेयर को अड्रैस करके बोलें। ...(व्यवधान) आप इस चेयर को अड्रैस करके बोलें और ऐसे शब्दों का प्रयोग न करें जिससे माहौल उत्तेजित हो जाए।

टी सी द्वारा जारी

02.03.2020/1835/टी0सी0वी/एस-1

अध्यक्षः प्लीज़ बैठिये। आप इस चेयर को अड्रैस करके बोलें और ऐसे शब्दों का प्रयोग न करें जिससे माहौल उत्तेजित हो जाएं। जिन शब्दों के ऊपर यहां पर प्रश्न उठाया गया है, उनको हम एग्जामिन करेंगे और उनको कार्यवाही से एक्सपंज कर देंगे परन्तु आप चेयर को अड्रैस करें और ऐसे शब्दों का प्रयोग न करें ताकि यहां सदन का माहौल डिस्टर्ब न हों। (...व्यवधान) बैठिये, पहले व्यवस्था सुनिये। नेगी जी, प्लीज़ बैठिये। वन मंत्री जी, आप क्या बोलना चाहते हैं, बोलिए।

वन मंत्रीः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य, राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर अपने विचार रख रहे हैं, मेरा निवेदन केवल इतना ही है कि राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा हों, यदि आपको राजनैतिक दृष्टि से भारतीय जनता पार्टी के सरकार के विरुद्ध कहना हो तो कह सकते हैं लेकिन 'राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ' पर इस सदन में चर्चा करना उचित नहीं है। क्योंकि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ न तो कोई चुनाव लड़ता है, यह एक सामाजिक संगठन है जो देश और समाज के लिए काम करता है। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सेवक राजनीतिक क्षेत्र में काम करते हैं और यह बहुत बड़ी बात है कि आज भारत के राष्ट्रपति, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सेवक हैं। भारत के प्रधान मंत्री उप-राष्ट्रपति और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के स्वयं सेवक हैं और सामाजिक जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में बहुत ऊंचे स्थानों पर हैं। वहां से देशभक्त और राष्ट्रभक्त तैयार किए जाते हैं और वे काम करते हैं इसलिए उस पर चर्चा करना उचित नहीं है।

दूसरा, आपने कहा कि हम तिरंगे झण्डे का सम्मान और उसके लिए हर प्रकार से समर्पित हैं लेकिन आप जो भगवा ध्वज के बारे में कहते हैं, आप मंदिर या गुरूद्वारे में कहीं भी जाओ, वहां पर भगवा ध्वज लहराता है, उसका अपमान करना, उसके विरुद्ध कहना, यह भी उचित नहीं है।(...व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, मेरा निवेदन है कि इस विषय पर

किसी तरह की कोई चर्चा नहीं होनी चाहिए, ये उचित नहीं है। आप राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा करें और सत्तापक्ष उसके बारे में मजबूती से आपको जवाब भी देगा।

02.03.2020/1835/टी0सी0वी/एस-2

अध्यक्षः धन्यवाद। आपका विषय आ गया है, जो आप कहना चाहते हैं। अब माननीय इन्द्रदत्त लखनपाल जी चर्चा में भाग लेंगे। (...व्यवधान) आप इनको बोलने दें। आपके ही सदस्य हैं। आप इनको बोलने दें। इनका समय कम हो जाएगा। इनको बोलने के लिए समय दिया गया है। (...व्यवधान) ये स्वयं सेवक हैं तो इन्होंने यहां पर स्वयं सेवक की भावना प्रकट की हैं। (...व्यवधान) स्वयं सेवक के खिलाफ़ इस देश में कोई नहीं हो सकता है। स्वयं सेवक की भावना इन्होंने यहां पर प्रकट की है। (...व्यवधान) सभी को बोलने का अधिकार है लेकिन इस चर्चा में माननीय इन्द्र दत्त लखनपाल जी बोल रहे हैं, इनको बोलने दें। माननीय मुकेश जी, आप बैठें। (...व्यवधान) इनका कोई विषय ही नहीं है, ये इस चर्चा को रोक रहे हैं। (...व्यवधान) सुनिये, प्लीज़ सुनिये। (...व्यवधान) लोकतंत्र की भावना तो यह है, जब राज्यपाल जी के अभिभाषण पर चर्चा हो रही है तो हमने किसी को नहीं रोका, चाहे कोई 15 या 20 मिनट बोलें। (...व्यवधान)

एन0एस0 द्वारा ... जारी ।

02/03/2020/1840/NS/DC/1

श्री मुकेश अग्निहोत्री : अध्यक्ष महोदय, ऐसा नहीं है। अगर माननीय मंत्री जी ने कुछ बोला है तो बोलने का अधिकार हमारा भी है। जैसे माननीय मंत्री जी को बोलने का अधिकार है वैसे ही माननीय सदस्य को भी बोलने का अधिकार है और ये बोल सकते हैं। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष : माननीय नेता प्रतिपक्ष जी, यहां इस समय महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा हो रही है। बीच में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के विषय में चर्चा हुई थी तो उसी संदर्भ में स्वयं सेवक श्री गोविन्द सिंह ठाकुर जी ने उस परिपेक्ष में अपनी बात रखी है।

इस बात को हम राजनीतिक शक्ल या शेप देना चाहें तो वह ठीक नहीं है। इसलिए विपक्ष के माननीय सदस्यों को मैंने पूरा समय दिया है। ...(व्यवधान) मैं माननीय सदस्य इन्द्र दत्त लखनपाल जी से निवेदन करता हूं कि आप अपना समय गंवा रहे हैं आप अपनी बात रखें। फिर सत्ता पक्ष से भी कहेंगे कि हमें बोलने का मौका दें। ...(व्यवधान) देखिए, ये भी खड़े हो गए। इस चर्चा का कोई अंत नहीं है।

श्री मुकेश अग्निहोत्री : अध्यक्ष महोदय, ऐसा है कि जो यह डॉक्यूमैंट है यह राजनीतिक दस्तावेज़ है और जिस ढंग से मुख्य मंत्री जी ने इसको ड्राफ्ट किया है इस पर चर्चा होनी ही है, आप इसको नहीं रोक सकते या तो आप उसमें ये विषय लिख देना। जब आपने लिखी हैं तो सुनी भी जाएं। जब माननीय मंत्री जी और अन्य सदस्य बोल चुके हैं तो आप हमारे माननीय सदस्य नेगी जी को भी बोलने का समय दें।

अध्यक्ष : ...(व्यवधान) माननीय सदस्य सुने। यह जो महामहिम राज्यपाल महोदय का अभिभाषण है इसमें सरकार की उपलब्धियों के सारे बिन्दु वर्णित हैं। इसलिए सभी को हक और अधिकार है और उसी परिपेक्ष में देश के जो मुद्दे हैं, उस पर भी सभी को बोलने का अधिकार है। इसलिए मुझे लगता है कि हम समापन की ओर बढ़ रहे हैं और हमें समय बचाना चाहिए। मैं माननीय सदस्य इन्द्र दत्त लखनपाल जी से निवेदन करता हूं कि वे अपना विषय रखें। ...(व्यवधान) वहां (सत्ता पक्ष) से भी हाथ खड़ा कर रहे हैं फिर तो चर्चा खत्म ही नहीं होगी। ...(व्यवधान) यहां से जो बात कहनी होगी उसको माननीय लखनपाल जी कहेंगे। ...(व्यवधान)

श्री जगत सिंह नेगी : आपने उनको बोलने का मौका दिया है तो इस पर बोलना हमारा भी राइट है। ...(व्यवधान)

02/03/2020/1840/NS/DC/2

अध्यक्ष : श्री जगत सिंह नेगी जी, आप बड़े वरिष्ठ सदस्य हैं। आप अपनी बात संक्षेप में रखें।

श्री जगत सिंह नेगी : अध्यक्ष महोदय, मैं आपका धन्यवाद करता हूं क्योंकि मैं नियम-323 के तहत प्वाईंट ऑफ ऑर्डर उठा रहा हूं। मेरा प्वाईंट ऑफ ऑर्डर यह है। अध्यक्ष महोदय, विधायक को बहुत सारे ऐसे अधिकार संविधान के द्वारा और इस माननीय सदन ने जो नियम बनाए हैं उसके अनुसार दिए गए हैं। हमने जो बोलना है, हमारी जो अभिव्यक्ति है उसके ऊपर कोई संशय नहीं हो सकता है। हम जजों के कार्य के बारे में,

किसी मंत्री के बारे में, किसी भी संस्था के बारे में बिना डर के और बिना किसी दवाब के बोल सकते हैं और यह हमारा सबसे बड़ा अधिकार है। अगर आप हमारे उस अधिकार की रक्षा नहीं करेंगे तो फिर हम किसी काम के नहीं हैं। आज हम यहां प्रैस के खिलाफ़ भी बोलेंगे तो प्रैस हमारे खिलाफ़ कोई कार्रवाई नहीं कर सकता है। यह हमारा एक बहुत बड़ा अधिकार है। मेरा आपसे निवेदन है कि आप हमारे इस अधिकार को संरक्षण दें। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के खिलाफ़ उनके विचारों के खिलाफ़ हमें बोलने का पूर्ण अधिकार है और इस अधिकार के लिए हम मरते दम तक लड़ेंगे।

माननीय अध्यक्ष ----- श्री आर0 के0 एस0 द्वारा जारी।

02.03.2020/1845/RKS/DC-1

अध्यक्षः माननीय सदस्य श्री राकेश पठानिया जी आप क्या कहना चाहते हैं। कृपया दो मिनट के भीतर अपनी बात पूरी करें।

श्री राकेश पठानिया (नूरपुर): माननीय अध्यक्ष जी, जिस प्रकार से सी.ए.ए. और 370 पर विषय को तोड़-मरोड़कर पेश करने का प्रयास किया जा रहा है, मेरा आपसे निवेदन है कि आप इस पर एक डिबेट अलाउ करें ताकि दूध-का-दूध और पानी-का-पानी हो जाए। ...(व्यवधान)

अध्यक्षः माननीय सदस्य, ठीक है। अब माननीय सदस्य, श्री इन्द्र दत्त लखपान जी इस चर्चा में हिस्सा लेंगे।

श्री इन्द्र दत्त लखनपाल (बड़सर): अध्यक्ष महोदय, जहां तक धारा-370 की बात है मैं व्यक्तिगत तौर पर समझता हूं कि आज भारतीय जनता पार्टी के लोग एक प्रायोजित तरीके से इस बात को दर्शाने में लगे हैं कि धारा-370 बिल्कुल सही है जबकि यह बात तथ्यों से परे है। ...(व्यवधान) मैं अपने विचार दे रहा हूं। ...(व्यवधान)

अध्यक्षः माननीय सदस्य, कृपया चेयर को अड्रैस करें।

श्री इन्द्र दत्त लखनपालः अध्यक्ष महोदय, पहले जम्मू-कश्मीर में जमीन खरीदने की इजाजत नहीं थी। जमीन खरीदने से वहां पर सबसे ज्यादा फ़ायदा व्यापारियों को होगा। क्योंकि मुम्बई, गुजरात व अन्य स्थानों के बड़े-बड़े व्यापारी वहां पर प्लॉट खरीदेंगे और बड़ी-बड़ी इमारतें और होटल बनाएंगे। जम्मू-कश्मीर के लोगों को उन होटलों में वेटर का काम करना पड़ेगा। 370 कोई बहुत बड़ी उपलब्धि नहीं है। इसे तोड़-मरोड़कर पेश किया जा रहा है और आने वाले समय में इसका ख़ामियाजा देश को भुगतना पड़ेगा। यह सच्चाई है और इसी संदर्भ में यह बात हिमाचल प्रदेश में भी हो रही है। हिमाचल प्रदेश के निर्माता डॉ. वाई.एस.परमार ने पहाड़ी लोगों को अपनी जमीने और हक बचाने के लिए धारा-118 लागू की परंतु इसको भी तोड़ने की कोशिश की जा रही है। यहां के लोगों की जमीनें सेल हो, यहां के लोग लेबर व वेटर का काम करें, यह सरकार की सोच है। आप टूरिज्म की

02.03.2020/1845/RKS/DC-2

बात करते हैं , आप बताइए कि आपने टूरिज्म के लिए क्या किया। ...(व्यवधान) आप 50 साल की बात करते हैं, पहले आप अपनी बात करिये कि आपने क्या किया? जब राजा वीरभद्र सिंह जी के नेतृत्व में सरकार कर्ज लेती थी तो आप लोग न जाने क्या-क्या कहते थे? आज देश और प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार है, डबल इंजन की सरकार है फिर आपको ऋण लेने की जरूरत क्यों पड़ रही है? मोदी जी कहते हैं कि हिमाचल प्रदेश मेरा अपना घर है तो क्या मोदी जी अपने घर को ऋण के तले दबाना चाहते हैं? ...(व्यवधान) वे इस प्रदेश को पैकेज क्यों नहीं देते? वे प्रदेश के कर्ज को क्यों नहीं खत्म करते? क्योंकि उनमें इच्छाशक्ति नहीं है। देश का सारा पैसा विदेशों में चला गया, लोग सारा पैसा लेकर विदेशों में भाग गए।

श्री बी.एस. द्वारा... जारी

02.03.2020/1850/बी.एस./एच.के./-1

श्री इन्द्र दत्त लखनपाल जारी...

नोटबंदी से कहते थे कि आतंवाद की कमर टूट जाएगी, कहां टूटी? आतंकी घटनाएं घट नही हैं परंतु लोग रोज मर रहे हैं। आप कहते थे कि इकोनोमी में कैश लैस कर देंगे परंतु आज पहले से दोगुना कैश इस्तेमाल हो रहा है। पैसा कहा से पकड़ा जा रहा है? नोटबंदी के समय कितने लोग मर गए, आप लोगों ने एक भी शब्द उनके बारे में नहीं कहा।

आप नशे को रोकने की बात कहते हैं। प्रदेश में 1300 केसिज रेप केसिज हो गए हैं और 1500 केसिज नशे के हो गए हैं। सरकार क्या कर रही है। जितने भी केस नशे के है उसमें पुलिस की मिलिभगत होती है। आप शराब को रात के 2 बजे तक बेचने के लिए अनुमति दे रहे हैं। आज हर घर में 14-15 वर्ष का बच्चा शराब पी रहा है। क्या आप शराब से रेवेन्यू बढ़ा रहे हैं। ...(व्यवधान) आप नशे से लोगों की जान ले रहे हैं।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, कृपया बीच में न बोलें।

श्री इन्द्र दत्त लखनपाल : मैं सरकार को धन्यवाद देता, यदि आपने शराब को बंद कर दिया होता। आप स्कूल और कॉलेजों में जा करके देखिए क्या हाल हो रहा है। बच्चे नशे के इंजैक्शन लगा रहे हैं। मैं सब की बात कर रहा हूं चाहे सत्ता पक्ष हो चाहे विपक्ष हो दोनों तरफ से राजनीतिक दबाव बन रहा है। सच्चाई सुननी चाहिए। आप नशे की बात कर रहे हैं नशा कहां से खत्म होगा। विवाह शादियों, जगरातों, मरने-जीने में नशा धड़ल्ले से बिक रहा है। सरकार क्या कर रही है किस तरफ सरकार जा रही है। माननीय मुख्य मंत्री जी आप युवा मुख्य मंत्री हैं आप एक कदम आगे बढ़कर एलान कर दीजिए कि मैं प्रदेश के अंदर शराब बंदी करता हूं, नशा अपने-आप आधा खत्म हो जाएगा। नौजवान खेतों में काम करने जाएंगे। आप उन्हें शराब के नशे से खोखला कर रहे हैं। आप पिछली सरकार की बात छोड़िए, आप लोग तो सारे आदर्शवादी हैं, आप लोग तो सारे राम भक्त हैं क्यों शराब को बंद नहीं करते। इन कामों को करने की आप में हिम्मत होनी चाहिए...(व्यवधान) माननीय अध्यक्ष महोदय, जो सत्ता पक्ष के लोग बीच में खड़े हो रहे हैं कृपया उन्हें बिठाइए।

02.03.2020/1850/बी.एस./एच.के./-2

अध्यक्ष : माननीय सदस्य इन्द्र दत्त लखनपाल जी, आप इस चर्चा में हिस्सा ले रहे हैं। आपका समय आपके साथियों ने ले लिया था। आप कृपया विषय को वाईंडअप करें।

श्री इन्द्र दत्त लखनपाल : माननीय अध्यक्ष महोदय, 2-3 मुद्दों पर बोलना चाहूंगा। कृपया मुझे 7 बजे तक बोलने दीजिए। अभी जनमंच की यहां पर बढ़-चढ़ कर बात हो रही थी। मैं शुरू से इसका विरोधी हूं। उद्योग मंत्री महोदय, आप मेरे क्षेत्र में आए आपने सबको खाना खिलाया, आपने मुझे यह भी नहीं बोला कि आप खाना खाने आइए। ...(व्यवधान) आप चुप रहिए। अध्यक्ष महोदय, यह जनमंच नहीं भाजपा मंच है। यहां पर अभी आदरणीय बलबीर सिंह वर्मा जी बोल रहे थे कि सबसे ज्यादा वहां कांग्रेस के लोग होते हैं। कमाल कर दिया, वहां पर आपके हारे-नकारे लोग मंत्री के साथ बैठते हैं और मंत्री के कान में कहते हैं कि कांग्रेसी है, कांग्रेसी है। आप बताइए उनका काम कहां से होगा। आप एक भी सरकार की पॉलिसी का काम बता दों जो जनमंच में किया हो। एक पानी लगाने का नलका, एक म्यूटेशन या मैडिकल सर्टिफिकेट वहां पर दिया हो। आपने बी.एम.ओ. ऑफिस क्यों खोला हैं, आपने सी.एम.ओ. ऑफिस क्यों खोला हैं? आपने करोड़ों रुपए के भवन बना दिए हैं उनका औचित्य क्या है? आप पूरे-का-पूरा अमला ले करके वहां जा रहे हैं। कंप्यूटर वहां ले करके जा रहे हैं। कर्मचारी परेशन है, लोग परेशन है। आपका कोई भी सिस्टम सही नहीं है। यहां पर जो आज हजारों की संख्या में काम गिना रहे हैं वह तो रुटीन के काम है।

श्री डी.टी.द्वारा जारी...

02.03.2020/1855/dt/hk-1

श्री इन्द्र दत्त लखनपाल... जारी

एक भी काम आप बता दो , जो आप हजारों की संख्या में काम बता रहे हैं, वे तो रूटीन के काम है। आप जल शक्ति की बात कर रहे हैं, आपके पास स्टोरेज टैंकों में पानी नहीं है। आप घरों में नलका लगा देंगे उसमें केवल हवा ही आएगी। आप लघु सिंचाई योजना की बात करते हैं। मेरे क्षेत्र में चार योजनाएं बंद पड़ी हैं। वहां पर पंप ओप्रेटर नहीं है। आप झूठे आंकड़े देना बंद करो। जब राज्यपाल महोदय इस दस्तावेज़ को पढ़ रहे थे तो वे परेशान हो

रहे थे कि यह दस्तावेज कब जैसे समाप्त हो। वे इसे पढ़-पढ़ कर थक गए। उन्हें यह पता नहीं लगा रहा था कि यह क्या है और इसे कहां से शुरू किया जाए और कहां समाप्त किया जाए। जैस एक बोर फिल्म होती है वही हाल इस अभिभाषण का भी है। माननीय कर्नल इन्द्र सिंह जी कह रहे थे कि वैसे ही स्कूल खोल दिए गए हैं। आप मुझे यह बताइए कि शिक्षा हब कैसे बना? जब यह प्रदेश अस्तित्व में आया था उस समय मात्र 250 स्कूल हुआ करते थे। आज हजारों की संख्या में स्कूल हैं। ये स्कूल किसने खोले? आपकी निकम्मी सरकार उन स्कूलों को भी नहीं चला पा रही है। आपके पास वहां पर स्वीपर, क्लास फोर के कर्मचारी नहीं है, चौकीदार नहीं है। आप मोदी जी से पैसे लाइए। आप स्कूल में चौकीदार रखें। आपके पास पंचायतों में तकनीकी सहायक नहीं है, आपके पास पटवारी, कानूनगो, तहसीलदार नहीं है। 18-18 वर्षों से कांगड़ा (धर्मशाला)सैटलमैंट ऑफिस में दुरुस्तियां पड़ी हैं। जिला हमीरपुर में भारतीय जनता पार्टी के लोग जय राम ठाकुर जी को मुख्य मंत्री नहीं मानते। वे तो माननीय मुख्य मंत्री के सामने ही नारे लगा देते हैं कि हमारा मुख्य मंत्री कैसा हो, अनुराग ठाकुर जैसा हो। बड़सर विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र में आज तक माननीय मुख्य मंत्री को आने के लिए समय नहीं मिला। ...(व्यवधान) हमने इन्हें बुलाया है।

अध्यक्षः माननीय सदस्य, कृपया आप एक मिनट के लिए बैठ जाइए। इस माननीय सदन का समय सांय 7.00 बजे तक निर्धारित किया गया है। इसके बाद एक अन्य वक्ता श्री इन्द्र सिंह (बल्ह) जी भी चर्चा में भाग लेंगे। इसलिए इस सत्र का समय

सांय 7.15 बजे तक बढ़ाया जाता है। माननीय सदस्य कृपया अपनी बात संक्षेप में कहें।

02.03.2020/1855/dt/hk-2

श्री इन्द्र दत्त लखनपालः अध्यक्ष महोदय, मैं समाप्त करने जा रहा हूं। मुख्य मंत्री आवास योजना, इंदिरा आवास योजना ऐसी बहुत सारी योजनाएं चली हुई हैं। मोदी जी कह रहे हैं कि वर्ष 2022 तक सबके मकान बन जाएंगे। यह मकान कहां से बनेंगे? मेरे निर्वाचन क्षेत्र में 110 लोगों की वैलफेयर ऑफिस में लिस्टें पड़ी हुई हैं और प्रतिवर्ष वहां पर 8 मकान मिलते हैं। तो आप खुद अंदाजा लगाइए कि 110 लोगों को कितने वर्षो में मकान मिलेंगे? सभी ब्लॉकों में यही हाल है। यह जो आपने लम्बा-चौड़ा भाषण दिया और जो बहुत सारी

योजनाएं गिना दी परंतु धरातल पर कोई योजना नहीं है। मुख्य मंत्री स्वावलंबन योजना का किसी को लाभ नहीं हो रहा है। बैंक लोने नहीं दे रहे हैं और न किसी बेरोजगार को फायदा हो रहा है। जो आपने 9 रोजगार मेले लगाए क्या उन मेलों में बच्चों को नौकरियां मिली? जितना शोषण हमारे बच्चों का हो रहा है, उसका कोई हिसाब नहीं है। इसलिए आप धरातल में जाइए और आपके पास अभी भी थोड़ा समय है, काम कर लो। समय बहुत कम है और आप विपक्ष की ओर जल्दी आने वाले हैं। अध्यक्ष जी, जो आपने मुझे बोलने का समय दिया इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं। लेकिन मैं इस अभिभाषण का समर्थन नहीं कर सकता।

श्री एन.जी. द्वारा... जारी

02-03-2020/1900/वाई.के.-एन.जी./1

श्री इन्द्र दत्त लखनपाल के पश्चात.....

अध्यक्षः अब इस चर्चा में माननीय सदस्य श्री इन्द्र सिंह जी भाग लेंगे।

श्री इन्द्र सिंह (बल्ह): अध्यक्ष महोदय, दिनांक 25 फरवरी, 2020 को माननीय राज्यपाल जी द्वारा इस माननीय सदन में दिए गए अभिभाषण पर चर्चा के लिए लाए गए प्रस्ताव जोकि माननीय सदस्य श्री बलबीर सिंह और श्री राकेश जम्वाल जी द्वारा लाया गया और अन्य सदस्यों ने इसका समर्थन किया व इसके समर्थन के लिए मैं भी अपने आप को शामिल करता हूं। मैं माननीय मुख्य मंत्री श्री जय राम ठाकुर की सरकार के 2 साल के कार्यकाल और आदरणीय प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की सरकार के 6 साल के कार्यकाल का उल्लेख करना चाहता हूं। माननीय श्री नरेन्द्र मोदी जी ने जम्मू-कश्मीर से धारा-370 हटाई जोकि बहुत जरूरी थी। मुझे जम्मू-कश्मीर में एक चुनाव के समय में जाने का मौका मिला था और मैने देखा की जम्मू और कश्मीर में बहुत भिन्नता है। कश्मीर में 80 रुपये प्रति किलो का चावल केवल 20 रुपये प्रति किलो में मिलता था और जम्मू में 90 रुपये

प्रति किलो चावल मिलता था। जम्मू में जो चावल मिलता था उसमें कीड़े होते थे और कश्मीर में मिलने वाला चावल लम्बा व साफ होता था। आदरणीय प्रधान मंत्री जी ने जम्मू-कश्मीर से धारा-370 हटा कर एक ऐतिहासिक फैसला किया है और मैं केन्द्र सरकार और श्री नरेन्द्र मोदी जी का धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने इस विसंगति को दूर किया और एक तिरंगे के नीचे पूरे देश में एक संविधान लागू किया। इस माननीय सदन के माध्यम से हमारे विपक्ष के लोग केन्द्र सरकार के निर्णयों का विरोध कर रहे हैं। मैं विपक्ष के लोगों को कहना चाहता हूं कि आप 70 साल के राज में कुछ नहीं कर पाए लेकिन श्री नरेन्द्र मोदी जी की सरकार ने अपने 6 साल के कार्यकाल में वह सब कुछ कर के दिखाया है। आदरणीय श्री नरेन्द्र मोदी जी जोकि देश के प्रमुख व्यक्ति है आज वह दुनिया के श्रेष्ठ नेता बन कर उभरे हैं। उन्होंने जो निर्णय लिए हैं उनमें सबसे प्रमुख 'एक प्रधान, एक विधान और एक निशान' (धारा-370 और 35A) है।

02-03-2020/1900/वाई.के.-एन.जी./2

इसके अलावा श्री राम जन्म भुमि विवाद पर एक सर्वमान्य फैसला हुआ और श्री नरेन्द्र मोदी जी ने जो फैसला लिया वह ऐतिहासिक है क्योंकि भगवान श्री राम सबके लिए बराबर हैं और हम सब चाहते हैं कि अयोध्या में भव्य राम मन्दिर बने। मैं सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का बहुत-बहुत स्वागत करता हूं और अभिनंनदन करता हूं। श्री नरेन्द्र मोदी जी ने मन्दिर निर्माण के लिए भूमि और पैसा दिया जिसके लिए मैं मोदी जी का भी धन्यवाद करता हूं। नागरिकता संशोधन कानून-2019 को केन्द्र की सरकार ने दिसम्बर-2019 में पास किया। जिसमें अफगानिस्तान, पाकिस्तान और बांग्लादेश में जिन लोगों के साथ धार्मिक प्रताड़ना हुई थी उन लोगों को भारत की नागरिकता देने का प्रावधान किया गया है जिसका मैं समर्थन करता हूं क्योंकि वे सभी हमारे देश के ही नागरिक थे। आज पारसी, इसाई, हिन्दु, सिख, जैन भाइयों को इस देश की नागरिकता पाने का पात्र बनाया गया है। मैं माननीय मुख्य मंत्री श्री जय राम ठाकुर जी का धन्यवाद करता हूं जिन्होंने 2 साल के कार्यकाल में मेरे विधान सभा क्षेत्र में लगभग 3 अरब रुपये के शिलान्यास और उद्घाटन

किए हैं। मेरे विधान सभा क्षेत्र बल्ह में मुझ से पूर्व जो मंत्री रहे वह अपने आप को मुख्य मंत्री कहते थे और कहते थे कि मैं मुख्य मंत्री का नजदीकि हूं। वह मिनी सचिवालय का शिलान्यास करने के बाद उसके लिए भूमि नहीं दिला पाए लेकिन मैं माननीय मुख्य मंत्री श्री जय राम ठाकुर का धन्यवाद करता हूं कि आज मेरे विधान सभा क्षेत्र में मिनी सचिवालय के लिए 17 करोड़ रुपये की एक भव्य बिल्डिंग बन रही है।

श्रीमती एम.एस. द्वारा जारी.....

02/03/2020/1905/MS/YK/1

श्री इन्द्र सिंह जारी-------

मैं मुख्य मंत्री जी का धन्यवादी हूं कि एक पी0एच0सी0 थी उसका शिलान्यास माननीय वीरभद्र सिंह जी ने किया लेकिन साथियो उस पी0एच0सी0 के लिए भी वहां के मंत्री ज़मीन नहीं ढूंढ पाए। आज जो अध्यक्ष विधान सभा बने हैं इन्होंने मेरे क्षेत्र लेदा, गागल और लौरा में पी0एच0सीज0 खोलीं, इसके लिए मैं इनका धन्यवादी हूं कि इन्होंने तीनों पी0एच0सीज0 के लिए ज़मीन भी ढूंढी और आज वहां डॉक्टर काम कर रहे हैं। यह भारतीय जनता पार्टी की सरकार "सबका साथ सबका विकास" से चली है। इसके लिए मैं इस सरकार का धन्यवादी हूं।इसी तरह से "जल जीवन मिशन" सबसे बड़ी उपलब्धि है। यह प्रथा माननीय पूर्व मुख्य मंत्री शांता कुमार जी ने चलाई थी। उस समय प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार थी और आज भी प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार है। सबके घर में जल और सबके घर में नल का मिशन था। आज इस प्रदेश के मुख्य मंत्री और जल शक्ति मंत्री का मैं धन्यवादी हूं कि जिन्होंने इस स्कीम को चलाया और आज मेरे विधान सभा क्षेत्र में 15 करोड़ रुपये की राशि से 7 स्कीमें बन रही हैं तथा जो लोग पानी से वंचित थे, उन्हें सुविधा मिली। मैं चाहता हूं कि ऐसे व्यक्ति जो शालीनता रखते हों और बुद्धिजीवी हों ऐसे व्यक्ति को हमेशा मुख्य मंत्री बनाया जाना चाहिए। मैं इस जल मिशन के लिए मुख्य मंत्री का धन्यवादी हूं और जल शक्ति मंत्री का आभार प्रकट करता हूं। जल शक्ति मंत्री जी यहां बैठे नहीं हैं, उनका मैं बहुत-बहुत आभार व्यक्त करता हूं। उन्होंने मेरे क्षेत्र में एक बहुत बड़ी सुकेती खड्ड के लिए 400 करोड़ रुपये की डी0पी0आर0 बनाकर केन्द्र सरकार को भेजी है। पहले वहां पर हमारे लोगों की उपजाऊ

ज़मीन बह जाती थी। मैं चाहूंगा कि इस डी0पी0आर0 को जल्दी बनाया जाए ताकि लोगों को प्रोटैक्शन मिले और लोग अपनी उपजाऊ भूमि में रोजी-रोटी कमा सके।

इसके अलावा "सामाजिक सुरक्षा पैंशन" की मैं बात करूंगा। मेरे बल्ह विधान सभा क्षेत्र में माननीय मुख्य मंत्री जी ने लगभग 7000 के लगभग पैंशन स्वीकृत की है जबकि पहले इससे कई वर्षों से वंचित थे। आज माननीय मुख्य मंत्री जी ने जो पैंशन के लिए आयु 80 वर्ष से 70 वर्ष की है, उसके लिए मैं मुख्य मंत्री जी का धन्यवादी हूं। यह ऐतिहासिक फैसला है और इन चीजों की लोगों को जरूरत थी। आज जो 80 साल का व्यक्ति है उसको पता नहीं चलता था कि मैं किस तरह से इस पैंशन को ले रहा हूं लेकिन आज वह अपने हाथ से इस पैंशन को ले रहा है।

02/03/2020/1905/MS/YK/2

इसी तरह से "उज्ज्वला योजना" से वंचित लोग जो "गृहिणी सुविधा योजना" में शामिल हुए हैं, उनमें मेरे विधान सभा क्षेत्र में 6300 लोग इसका लाभ उठा रहे हैं। जो हमारी बहनें धुआं खाती थीं उनको इससे निजात मिल गई है। इसके लिए मैं मुख्य मंत्री जी का बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूं। इसी तरह से हिम केयर योजना है। अध्यक्ष महोदय, पूर्व में जब आप मंत्री थे, आपने मेरे क्षेत्र में इस योजना से 144 परिवार लाभान्वित किए हैं, उसके लिए मैं आपका धन्यवादी हूं। इसी प्रकार से "आयुष्मान भारत योजना" के तहत 605 लाभार्थियों को फायदा मिला है। इसके लिए भी मैं मुख्य मंत्री जी का आभार प्रकट करता हूं। इसके अलावा मुख्य मंत्री सेवा संकल्प योजना का कांग्रेस और भाजपा के लोग फायदा उठा रहे हैं लेकिन अधिकतर कांग्रेस के लोग ही इसका फायदा ले रहे हैं। मैं मुख्य मंत्री जी का धन्यवादी हूं कि उन्होंने 1100 योजना को चलाया और सब लोगों को इसका लाभ मिल रहा हूं।

अन्त में मैं सहारा योजना का उल्लेख करूंगा। यह बहुत अच्छी योजना है। इस योजना का नाम ही सहारा है और सबको इस योजना का सहारा मिलेगा। इस योजना से मेरे विधान सभा क्षेत्र में जो पात्र लोग थे, वे 403 लोग इसका सहारा ले चुके हैं और जिनकी किडनियां फेल थीं या अन्य किसी बीमारी से ग्रस्त थे, ऐसे 400 लोग भी इससे लाभ ले रहे हैं। अध्यक्ष जी, मैं आपका धन्यवादी हूं कि जब पूर्व में आप मंत्री थे, आपने इस सहारा योजना को चलाया और मुख्य मंत्री जी ने इसको चालू किया। सामेरे साथी श्री वीरभद्र सिंह

जी के बेटे जो इस सदन में सदस्य हैं, उन पर एक तंज कसूंगा। उन्होंने कहा कि मण्डी में जो शिव धाम बनना था, वह आज तक नहीं बना है। मैं कहूंगा कि वह मोक्षधाम नहीं है कि चार पिल्लर खड़े किए और बन गया। साथियो, उस शिवधाम के लिए औपचारिकताएं होती हैं। उसका प्राक्कलन बनेगा, उसका सर्वे होगा और उसमें अरबों रुपयों का धन लगेगा। इसलिए यह एक दिन का काम नहीं है यह मोक्षधाम का काम नहीं है बल्कि शिव धाम का काम है। मैं मुख्य मंत्री जी का धन्यवादी हूं कि उन्होंने इस शिवधाम को चालू करने के लिए स्वीकृति प्रदान की है। यह एक बहुत बड़ा धार्मिक स्थल मण्डी में बनेगा।

जारी जे0के0 द्वारा--------

02.03.2020/1910/जेके/एजी/1

श्री इंद्र सिंह जारी---

इसके लिए मैं आभार व्यक्त करता हूं। अध्यक्ष महोदय, जहां तक एयरपोर्ट की बात है, एक अन्तर्राष्ट्रीय चीज़ जो मिलती है, वह छोटी-मोटी बात नहीं होती। आज बल्ह में नागचला में अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा बन रहा है। उसमें नाचन विधान सभा का क्षेत्र भी है। मैं विनोद जी को भी इसके लिए बधाई देता हूं। यह एक ऐतिहासिक फैसला है और माननीय मुख्य मंत्री जी की बहुत बड़ी सोच है। यह इनका ड्रीम है और साथ-साथ में मेरा भी ड्रीम हो गया। यह मैंने कभी सोचा नहीं था , मैं तो एक सरकारी कर्मचारी था। मैं मज़दूरों का नेता था लेकिन आज मैं इस सदन के माध्यम से, विधायक के रूप में माननीय मुख्य मंत्री जी का धन्यवाद करता हूं जिन्होंने मेरे बल्ह चुनाव क्षेत्र में एक ऐतिहासिक हवाई अड्डा बनाया है।

अध्यक्ष महोदय, मैं एक बात और कहना चाहूंगा कि वर्ष 1985 में श्री वीरभद्र सिंह जी मुख्य मंत्री हुआ करते थे। इन्होंने जब मैं सरकारी कर्मचारी था और आई.पी.एच. विभाग में था, मेरे विधान सभा क्षेत्र में एक डालडा की फैक्टरी का शिलान्यास किया लेकिन आज न तो वहां डालडा मिल रहा है न टिन के डिब्बे मिल रहे हैं। आज तक वह डालडा की फैक्टरी नहीं लग पाई, ऐसे -ऐसे शिलान्यास और फट्टे इन्होंने लगाए हैं लेकिन हमारी भारतीय जनता पार्टी की सरकार जो बोलती है, करके दिखाती है। आज मेरे बल्ह चुनाव क्षेत्र में 3

अरब रुपये के शिलान्यास और उद्घाटन हो रहे हैं जो कि माननीय मुख्य मंत्री जी की देन है। ऐसे शालीन व्यक्ति हमें हमेशा चाहिए और इस सदन के माध्यम से हम ऐसे व्यक्ति को दुआ देते हैं।

अन्त में मैं मैडिकल कॉलेज के बारे में कहना चाहूंगा जो अध्यक्ष महोदय, आपकी भी देन है और मुख्य मंत्री जी की भी देन है। मैडिकल यूनिवर्सिटी वहां है, ट्रॉमा सैंटर वहां है और कैंसर हॉस्पिटल का भी शिलान्यास किया गया है, इतनी बड़ी-बड़ी परियोजनाएं जो बल्ह को दी गई हैं, इस एहसान को मैं कभी नहीं भूला सकता और हमारे मुख्य मंत्री जी की बदौलत जो बल्ह में आज विकास का जाल बिछा है, मैं वहां की जनता की तरफ से इनका आभार व्यक्त करता हूं। मुख्य मंत्री जी और

02.03.2020/1910/जेके/एजी/2

अध्यक्ष महोदय, आपका एहसान हम कभी नहीं भूलेंगे। जो वहां कैंसर हॉस्पिटल बनने जा रहा है, वह एक ऐतिहासिक निर्णय है क्योंकि आज लाखों लोग कैंसर से पीड़ित हैं और मैं चाहूंगा कि वह जल्दी से जल्दी बने। माननीय मुख्य मंत्री जी ने उसका शिलान्यास कर दिया है। इसी तरह से हमारी पी.एच.सी. लेदा का काम जो कि कई वर्षों से लटका था, वहां पैसा नहीं था, आज अध्यक्ष महोदय, आपके और मुख्य मंत्री जी के आशीर्वाद से वहां के लिए पैसा दिया गया और उसका उद्घाटन कर दिया गया है। इसके अलावा मेरे बल्ह निर्वाचन क्षेत्र में 20,000 लीटर की केपेसिटी से बढ़ाकर 30,000 लीटर केपेसिटी का मिल्क प्लांट 50 करोड़ रुपये की लागत से बन रहा है। इतनी बड़ी राशि माननीय मुख्य मंत्री ने दिल खोल कर दी है, इसके लिए भी मैं माननीय मुख्य मंत्री महोदय का बहुत आभारी हूं। ऐसे व्यक्ति हमेशा जीतते रहें, इनकी लम्बी आयु हो, इन्हीं शब्दों के साथ अध्यक्ष महोदय, मैं आप सभी का धन्यवादी हूं।

अध्यक्ष महोदय, मैं राज्यपाल महोदय के अभिभाषण का समर्थन करता हूं और आपने समय दिया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। जय हिन्द, जय भारत।

अध्यक्षः धन्यवाद, इन्द्र सिंह गांधी जी, आपने समयावधि में अपना वक्तव्य दिया है।

अब इस माननीय सदन की बैठक मंगलवार 3 मार्च, 2020 के 11:00 बजे पूर्वाह्न तक स्थगित की जाती है। सभी का धन्यवाद।

शिमला-171004 **यशपाल शर्मा,**
दिनांकः 02 मार्च, 2020 **सचिव।**